खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

अधिकतम :32°C
न्यूनतम: 23°C

हल्द्वानी, शुक्रवार 27 जून 2025 हल्द्वानी संस्करण: वर्ष 22 अंक 306 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com

आषाढ़ शुक्ल पक्ष 1 विक्रमी सम्वत् 2082

1 मुहर्रम 1447 हिजरी

नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

शहरों में घर खरीदना गरीबों के बजट से कोसों दूर: राहुल गांधी

पेज 2

कार्लसन के साथ नौ साल के आरित ने खेला ड्रॉ

खेल टाइम्स

इस्लामी हिज़री के पहले महीने मुहर्रम की अज़ीम है फ़ज़ीलत

संपादकीय

डोनाल्ड ट्रम्प की टेंशन बढ़ा रही खुफिया रिपोर्ट

पेज 12

चुनाव आयोग ने 345 पंजीकृत गैर-मान्यता प्राप्त दलों को सूची से हटाया

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने ऐसे 345 पंजीकृत गैर- मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों की पहचान कर उनको सूची से हटाने का काम शुरू कर दिया है, जो पिछले छह वर्षों में एक भी चुनाव लड़ने की आवश्यक शर्त को पूरा करने में विफल रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में चुनाव आयुक्त डा. सुखबीर सिंह संधू और डा. विवेक जोशी ने मिलकर 345 पंजीकृत गैर- मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को सूची से हटाने की कार्यवाही शुरू कर दी है। इस दायरे में वे सभी राजनीतिक दल होंगे जो 2019 से कहीं भी सक्रिय नहीं हैं।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में एक आतंकी ढेर

उधमपुर। जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में बसंतगढ़ इलाके में गुरुवार सुबह से जारी एनकाउंटर में एक आतंकी मारा गया है। इलाके में तीन और आतंकियों के छिपे होने की आशंका है। सेना और पुलिस का सर्च ऑपरेशन जारी है। आईजीपी जम्मू जोन भीम सेन ने बताया कि बसंतगढ़ के बिहाली इलाके में पिछले एक साल से 4 आतंकियों के छिपे होने की खबर थी। गुरुवार सुबह साढ़े 8 बजे इनकी जानकारी मिलने के बाद सर्च ऑपरेशन चलाया गया। इस दौरान आतंकियों ने सिक्योरिटी फोर्सेज के जवानों पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में एक आतंकी मारा गया है।

सुप्रीम कोर्ट मराठा आरक्षण पर जुलाई में करेगा विचार

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय महाराष्ट्र में शिक्षा और रोजगार में मराठाओं को 10 फीसदी आरक्षण प्रावधान को चुनौती देने वाली याचिका पर 14 जुलाई के बाद विचार करेगा। न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति एनके सिंह की पीठ ने गुरुवार को एक अधिवक्ता की संबंधित मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने की गुहार पर यह अनुमति दी। पीठ ने कहा कि याचिका को फिर से खुलने वाले सप्ताह (गर्मी की छुट्टियों के बाद 14 जुलाई से शुरू होने वाले सामान्य कार्य दिवस) में सूचीबद्ध किया जाएगा।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेला एक जुलाई से

नई दिल्ली। एशिया के सबसे बड़े परिधान मेले - भारतीय अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेले का 73 वां संस्करण एक जुलाई से राष्ट्रीय राजधानी में आरंभ होगा जिसमें 79 देशों में प्रतिनिधि शामिल होंगे। मेला आयोजकों ने गुरुवार को यहां बताया कि ये मेला तीन जुलाई तक चलेगा। मेले का उद्घाटन कपड़ा एवं विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गरीटा करेंगे। मेले का आयोजन परिधान निर्यात संवर्धन परिषद, अंतर्राष्ट्रीय परिधान मेला एसोसिएशन, परिधान निर्यातक एवं निर्माता संघ, भारतीय वस्त्र निर्माता संघ, गारमेंट एक्सपोर्टर्स एसोसिएशन ऑफ राजस्थान मिलकर कर रहे हैं।

एक्सिओम-4 मिशन अंतर्राष्ट्रीय स्पेस स्टेशन से सफलतापूर्वक जुड़ा, रचा इतिहास

शुभांशु 28 घंटे सफर करके इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पहुंचे

फ्लोरिडा, वार्ता

एक्सिओम-4 मिशन का स्पेसएक्स ड्रैगन कैप्सूल गुरुवार को अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) से जुड़ गया और इसके साथ ही,भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने इतिहास रच दिया। वह आईएसएस में पहुंचने वाले पहले भारतीय बन गए।

भारतीय अंतरिक्ष आकांक्षाओं के लिए एक बड़ी छलांग लगाते हुए भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला गुरुवारको इतिहास में तब दर्ज हो गए जब ड्रैगन कैप्सूल आईएसएस पर हार्मनी मॉड्यूल से भारतीय समयानुसार शाम सादे चार बजे धीरे-धीरे जुड़ गया। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने इसकी पुष्टि की है। ग्रुप कैप्टन शुक्ला इस मिशन के पायलट हैं। इस मिशन ने बुधवार को फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। मिशन में ग्रुप कैप्टन शुक्ला के साथ पूर्व नासा अंतरिक्ष यात्री पैगी व्हिटसन,पोलैंड के स्लावोज़ उज्नान्स्की- विस्निएव्स्की और हंगरी के टिबोर कपू गए हैं। इस बीच शुक्ला ने अंतरिक्ष से दिल को छू लेने वाला संदेश भेजा, जिसने लाखों लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से नमस्कार!

■ **भारतीय अंतरिक्ष आकांक्षाओं के लिए एक बड़ी छलांग, ISS में पहुंचने वाले पहले भारतीय बने शुभांशु शुक्ला**

जब मैं कैप्सूल में बैठा था, तो मेरे दिमाग में बस यही विचार था कि 'चलो बस चलते हैं' और फिर अचानक, कुछ नहीं- आप तैर रहे थे। पृथ्वी के ऊपर तैरते हुए मैं दृश्यों का आनंद ले रहा था, एक बच्चे की तरह सीख रहा था। भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम पर बारीकी से नजर रखने वाले वैज्ञानिक डा. आरसी कपूर ने कहा कि डॉकिंग एक नाजुक ऑपरेशन है, जिसके लिए अत्यधिक सटीकता की आवश्यकता होती है।

नीट-यूजी: सुप्रीम कोर्ट का दिल्ली हाईकोर्ट से मामला ट्रांसफर करने से इन्कार

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मेडिकल स्नातक पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा 2025 को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया। पीठ ने असद खत्री की गुहार ठुकराते हुए कहा कि यह याचिका सार्वजनिक हित के तथ्यों पर आधारित नहीं है और इसलिए इस विवाद का शीर्ष अदालत की बजाय उच्च न्यायालय में ही निपटारा किया जाना चाहिए।

पाक रक्षा मंत्री से नहीं मिले राजनाथ

एससीओ समिट: साझा दस्तावेज में पहलगाम हमले का जिक्र नहीं

शाह टाइम्स ब्यूरो

भारत ने एससीओ में आतंकवाद पर संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इन्कार किया

शंघाई सहयोग संगठन की बैठक के संपन्न होने पर संयुक्त वक्तव्य जारी नहीं किया जाएगा

नई दिल्ली। भारत ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में चीन और पाकिस्तान के गठजोड़ के नापाक इरादों को नाकाम करते हुए सदस्य देशों के आतंकवाद पर संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया। एससीओ के सदस्य देशों के रक्षा मंत्रियों की दो दिन की बैठक चीन के किंगदाओ में हो रही है। चीन की अध्यक्षता में हो रही इस बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं।

एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक हुई। इसमें भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ, दोनों शामिल हुए थे। हालांकि, राजनाथ सिंह ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री से मुलाकात नहीं की। सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आतंकवाद पर सदस्य देशों के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया है। सूत्रों ने बताया कि चीन और पाकिस्तान संयुक्त वक्तव्य में जम्मू- कश्मीर में पहलगाम आतंकवादी हमले का उल्लेख नहीं करना चाहते थे और इसके बजाय पाकिस्तान में जाफर ट्रेन हाइजैक के मामले को वक्तव्य में शामिल करने पर आमादा थे। सूत्रों ने कहा कि भारत ने इस पर कड़ी आपत्ति जताई और वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इन्कार कर दिया। इससे एससीओ की बैठक के संपन्न होने पर संयुक्त वक्तव्य जारी नहीं किया जाएगा।

आतंकवाद के खात्मे को SCO का एकजुट होना जरूरी: राजनाथ

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के सदस्य देशों के समक्ष आतंकवाद पर भारत का रुख एकदम स्पष्ट करते हुए दो टूक शब्दों में कहा कि आतंकवाद का हर कृत्य आपराधिक तथा अनुचित है और संगठन को सामूहिक सुरक्षा के लिए इस खतरे को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए एकजुट होना चाहिए।

सीजेआई गवई का बड़ा बयान

संविधान सबसे ऊपर, संसद नहीं

अमरावती, वार्ता

■ **कहा: लोकतंत्र के तीनों हिस्से इसके अधीन, संसद के पास संशोधन की शक्ति, लेकिन मूल ढांचा नहीं बदल सकती**

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि भारत का संविधान सबसे ऊपर है। हमारे लोकतंत्र के तीनों अंग (न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका) संविधान के अधीन काम करते हैं। सीजेआई गवई ने कहा कि कुछ लोग कहते हैं कि संसद सर्वोच्च है, लेकिन मेरी राय में संविधान सर्वोपरि है। सुप्रीम कोर्ट के 52वें सीजेआई के रूप में शपथ लेने वाले जस्टिस गवई होमटाउन अमरावती में अपने अभिनंदन समारोह में बोल रहे थे।

सीजेआई गवई ने कहा कि संसद के पास संशोधन करने की शक्ति है, लेकिन वह संविधान के मूल ढांचे को बदल नहीं सकती। सीजेआई गवई ने कहा कि एक जज को हमेशा याद रखना चाहिए कि हमारा एक कर्तव्य है और हम नागरिकों के अधिकारों और संवैधानिक मूल्यों और सिद्धांतों के संरक्षक हैं। हमारे पास केवल शक्ति नहीं है, बल्कि हम पर एक कर्तव्य भी डाला गया है। किसी जज को इस बात को लेकर नहीं चलना चाहिए कि लोग उनके फैसलों के बारे में क्या कहेंगे या क्या महसूस करेंगे। चीफ जस्टिस ने कहा कि हमें स्वतंत्र रूप से सोचना होगा। लोग क्या कहेंगे, यह हमारी फैसले लेने की प्रक्रिया का हिस्सा नहीं बन सकता। सीजेआई ने कहा कि मैंने हमेशा अपने निर्णयों और काम को बोलने दिया और हमेशा संविधान में निहित मौलिक अधिकारों के साथ खड़ा रहा। बुलडोजर न्याय के खिलाफ अपने फैसले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि आश्रय का अधिकार सर्वोच्च है।

कांग्रेस ने महाराष्ट्र व हरियाणा चुनाव की वीडियो रिकॉर्डिंग मांगी

■ **वोटर लिस्ट व मशीन रीडेबल कॉपी भी मांगी**

नई दिल्ली। कांग्रेस ने चुनाव आयोग को पत्र लिखकर महाराष्ट्र और हरियाणा विधानसभा चुनाव के मतदाताओं की सूची, मतदान के दिन की वीडियो रिकॉर्डिंग तथा मशीन रीडेबल कॉपी उपलब्ध कराने की मांग की है।

कांग्रेस ने चुनाव आयोग सचिवालय के सचिव अश्विनी कुमार मोहल को 25 जून को लिखे दो पेज के पत्र में कहा है कि महाराष्ट्र तथा हरियाणा विधानसभा चुनाव को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने जिन सवालों को उठाया है, उन्हें लेकर आयोग ने 12 जून को जो जवाब दिया है, उसके मद्देनजर पार्टी मांग करती है कि उसे मतदाता सूची और मतदान के दिन के वीडियो फुटेज एक सप्ताह में उपलब्ध कराए जाएं। पत्र में कहा गया है कि कांग्रेस यह मांग लगातार कर रही है और उसकी मांग के अनुरूप वोटर लिस्ट तथा वीडियो फुटेज उपलब्ध कराना आयोग के लिए कठिन काम नहीं है।

ऑपरेशन सिंधु: ईरान से 272 भारतीय व 3 नेपाली दिल्ली पहुंचे

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंधु के तहत ईरान से 272 भारतीयों और तीन नेपाली नागरिकों को लेकर एक और विमान गुरुवार मध्य रात्रि यहां पहुंचा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने जानकारी देते हुए एक्स पर पोस्ट किया कि इस उड़ान के साथ अब तक पश्चिम एशिया में तनाव के बीच ईरान से 3,426 भारतीय नागरिकों को वापस लाया जा चुका है। ऑपरेशन सिंधु के तहत 25 एवं 26 जून को मध्य रात्रि 12:01 बजे मशहद से नई दिल्ली पहुंची एक विशेष उड़ान से 272 भारतीय और तीन नेपाली नागरिक यहां पहुंचे।

बद्रीनाथ हाईवे पर भीषण सड़क हादसा

शाह टाइम्स ब्यूरो

रुद्रप्रयाग/देहरादून। चारधाम यात्रा मार्ग पर गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। ऋषिकेश-बद्रीनाथ हाईवे पर घोलतीर के पास यात्रियों से भरी मिनी बस (टेंपो ट्रैवलर) 250 मीटर गहरी खाई में गिरकर अलकनंदा नदी में समा गई।

हादसे में 3 यात्रियों की मौत हो गई, 9 लापता हैं, जबकि 4 गंभीर घायलों को एयर एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश भेजा गया है। बस में कुल 20 यात्री सवार थे, जो विभिन्न राज्यों (मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र) से चारधाम यात्रा पर निकले थे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और आईटीबीपी ने सर्च और रेस्क्यू अभियान चलाया, लेकिन नदी का जलस्तर बढ़ा होने के कारण बस का सुराग नहीं लग सका।

टेम्पो ट्रैवलर अलकनंदा में बहा, 12 के मरने की आशंका

तीन शव बरामद, नौ लापता, चार गंभीर घायलों को एम्स भेजा

कालसी: कार खाई में गिरी, तीन युवकों की मौत

विकासनगर। कालसी- चकराता मोटर मार्ग पर बीती रात एक कार अनियंत्रित होकर 500 मीटर गहरी खाई में गिर गई। हादसे में तीन युवकों की मौके पर मौत हो गई, जबकि एक गंभीर रूप से घायल युवक को हायर सेंटर रेफर किया गया है। चारों युवक विकासनगर से चकराता की ओर जा रहे थे कि चापने गांव के पास हादसा हो गया। मृतकों की पहचान मुकेश राणा (21), प्रियांशु चौहान (22) और दीपक सती (25) के रूप में हुई है। गंभीर घायल मंगल चौहान निवासी मटियावा चकराता का अस्पताल में इलाज जारी है। सूचना मिलते ही एसडीआरएफ, पुलिस और राजस्व विभाग की टीमों ने रेस्क्यू कर शवों को बाहर निकाला और घायल को अस्पताल पहुंचाया।

सीवीआर-एफडीआर के डेटा की जांच पूरी, निष्कर्ष शीघ्र

शाह टाइम्स ब्यूरो

अहमदाबाद विमान हादसा

नई दिल्ली। अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के बोइंग 787.8 ड्रीमलाइनर विमान के कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर्स (सीवीआर) और फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर्स (एफडीआर) का डेटा प्रयोगशाला में निकाल लिया गया है और जल्द ही इसका निष्कर्ष सामने आने की संभावना है।

नागर विमानन मंत्रालय ने गुरुवार को यहां एक बयान में यह जानकारी दी। भारत, अंतर्राष्ट्रीय नागर विमानन संगठन (आईसीएओ) का शिकागो संधि (1944) के हस्ताक्षरकर्ता और आईसीएओ अनुलग्नक 13 और विमान (दुर्घटनाओं और घटनाओं की जांच) नियम, 2017 के अनुसार विमान दुर्घटनाओं की जांच करता है। विमान दुर्घटना जांच ब्यूरो (एएआईबी) ऐसी जांच के लिए नामित प्राधिकरण है। बयान में कहा गया है कि एयर इंडिया फ्लाइट एआई-171 से जुड़ी दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना के बाद, एएआईबी ने तुरंत एक जांच शुरू की और निर्धारित मानदंडों के अनुरूप 13 जून को एक बहु-विशेषज्ञ दल का गठन किया। अंतर्राष्ट्रीय प्रोटोकॉल के अनुसार गठित टीम का नेतृत्व एएआईबी के महानिदेशक द्वारा किया जाता है और इसमें एक विमानन चिकित्सा विशेषज्ञ, एक एटीसी अधिकारी और राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) के प्रतिनिधि शामिल हैं, जो इस तरह की जांच के लिए आवश्यक निर्माण और डिजाइन राज्य (यूएसए) से सरकारी जांच एजेंसी है। बयान के अनुसार दुर्घटनास्थल से सीवीआर और एफडीआर क्रमशः 13 जून को दुर्घटना स्थल पर इमारत की छत से और 16 जून को मलबे से बरामद किया गया था। उनके सुरक्षित संचालन, भंडारण और परिवहन के लिए मानक संचालन प्रक्रियाएं पूरी की गई। इन उपकरणों को अहमदाबाद में कड़ी पुलिस सुरक्षा और सीसीटीवी निगरानी में रखा गया था।

हिमाचल में पांच जगह बादल फटने से नदी-नालों में बाढ़

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ **मरने वालों की संख्या पांच हुई, सात से ज्यादा लापता**

नई दिल्ली। देश में एमपी, राजस्थान और गुजरात समेत सभी राज्यों बारिश का सिलसिला जारी है।

पिछले 24 घंटों में सबसे ज्यादा नुकसान हिमाचल में हुआ है। कुल्लू जिले में एक दिन पहले 5 जगह- जीवा नाला (सैंज), शिलागढ़ (गढ़सा) घाटी, स्वो गैलरी (मनाली), होरनगढ़ (बंजार), कांगड़ा और धर्मशाला के खनियारा में बादल फटने से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई। 7 से ज्यादा लापता हैं। सबसे ज्यादा नुकसान सैंज में जीवा नाला के नजदीक एनएचपीसी के प्रोजेक्ट साइट पर हुआ। यहां गुरुवार दोपहर तक 4 और लोगों के शव बरामद हुए। बताया जा रहा है 15 से 20 लोग बह गए हैं, लेकिन इनकी अब तक पुष्टि नहीं हुई है। उधर, गुजरात के अहमदाबाद, सूरत और नवसारी जिलों में तेज बारिश हो रही है।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस ने हिमाचल में जानमाल के नुकसान पर जताया शोक

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी तथा पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश के कारण लोगों के मारे जाने की घटनाओं पर शोक व्यक्त करते हुए पार्टी कार्यकर्ताओं से राहत बचाव कार्यों में प्रशासन की मदद करने का आग्रह किया है। गांधी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश से हुए जान-माल के नुकसान की खबर बेहद दुखद है। कई लोग अब भी लापता हैं। मैं प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और लापता लोगों के सकुशल लौटने की आशा करता हूं। प्रशासन और राहत दल पूरी तत्परता से काम कर रहे हैं।

हिंसा का समर्थन नहीं करती सपा: अखिलेश

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा है कि अगर इटावा की घटना का पता अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को पता चल गई, तो कहीं वे सीएम योगी को डांट न पिला दें। पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा कि पिछले 16 साल से कथावाचक ने चोटी रखी थी। बीजेपी के लोग इस घटना में शामिल हैं, उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी हिंसा का समर्थन नहीं करती है। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार में कुछ भी हो सकता है। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने तंज किया कि अगर ट्रंप जी को पता चल जाए, इटावा में ये हुआ है तो ट्रंप न डांट दें। अखिलेश यादव ने कहा कि बीजेपी कुंभ पर झूठ बोल सकती है, मरने वाले का आंकड़ा छुपा सकती है। शंकराचार्य झूठ बोल सकते हैं, पुलिस कैश पैसे बांटती है। उन्होंने कहा कि जातीय संघर्ष पर बात करने की वाले सीएम अब तक क्या सो रहे हैं।

नीट परीक्षा में धांधली की व्यापक स्तर पर हो जांच: कांग्रेस

नई दिल्ली, वार्ता

■ एनएसयूआई प्रभारी कन्हैया कुमार ने उठाई मांग

कांग्रेस ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा-नीट में हो रही कथित धांधली को लेकर राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (एनटीए) पर भ्रष्टाचार करने का आरोप लगाया और कहा कि जिस एनटीए को इस परीक्षा को पारदर्शी तरीके से कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह भ्रष्टाचारी एजेंसी बन गई है और युवाओं के साथ खिलवाड़ कर रही है।

कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रभारी कन्हैया कुमार ने गुरुवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश की एनटीए 'राष्ट्रीय भ्रष्टाचार एजेंसी' बन चुकी है। नीट परीक्षा होती है, तो भ्रष्टाचार से जुड़ी नई-नई चीजें सामने आती हैं। एनटीए जो भी परीक्षा कराती है, उसका डेटा लीक हो जाता है। एनटीए अविश्वनीय बन चुकी है और यह परीक्षा एजेंसी किसी भी परीक्षा को पारदर्शी तरीके से आयोजित नहीं कर पा रही है, इसलिए इसके अधिकारियों की जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एनटीए के जरिए हो रही नीट परीक्षा के आयोजन में भ्रष्टाचार अत्यंत गंभीर तरीके से सामने आ रहा है। केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने महाराष्ट्र में भ्रष्टाचार निरोधक कानून के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई है, जिसमें कुछ लोग गिरफ्तार हुए हैं और इसमें गंभीर बात यह है कि प्राथमिकी में पैसा लेकर ओएमआर शीट बदलने की बात सामने आई है। नीट परीक्षा के माध्यम से बच्चे डॉक्टर बनते हैं, जो देश की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ होती है। इस प्राथमिकी के बाद एनटीए फिर शक के घेरे में है, लेकिन उसके खिलाफ अब तक कोई बड़ी जांच नहीं बिठाई गई है। कांग्रेस की मांग है कि एनटीए की जांच हो और नीट परीक्षा पारदर्शिता तरीके से आयोजित कराई जानी चाहिए। सीबीआई कह रही है कि इस मामले में एनटीए का कोई अधिकारी शामिल नहीं है, तो उसे यह भी बताना चाहिए कि फिर मामला दर्ज क्यों कराया गया है।

शहरों में घर खरीदना गरीबों के लिए बना सपना

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को कहा कि महंगाई चरम पर है और शहरी अर्थव्यवस्था में गरीब तथा मध्यम वर्ग के लोगों के लिए घर खरीदना सपना बनकर रह गया है। गांधी ने सोशल मीडिया 'फेसबुक' पर एक पोस्ट में आज कहा कि हां, आपने सही पढ़ा और अगर यकीन नहीं हो रहा तो दोहरा देता हूं। मुंबई में घर लेने के लिए भारत के सबसे अमीर पांच प्रतिशत लोगों को भी 109 साल तक अपनी आमदनी का 30 प्रतिशत बचाना पड़ेगा। यही हाल ज्यादातर बड़े शहरों का है, जहां आप अवसर और सफलता की तलाश में एड़ियां घिस देते हैं। कहां से आएगी इतनी बचत। उन्होंने कहा कि गरीब और मध्यम वर्ग की विरासत दौलत नहीं, जिम्मेदारियां होती हैं। बच्चों की महंगी शिक्षा, महंगे इलाज की चिंता, माता-पिता की ज़िम्मेदारी या परिवार के लिए छोटी-सी गाड़ी। फिर भी दिलों में रहता है एक सपना 'एक दिन' एक घर होगा अपना।

केजीएमयू का पुराना नाम बहाल करे सरकार

लखनऊ, वार्ता

■ छत्रपति शाहूजी महाराज के नाम पर हो

समाजवादी पार्टी को दलित विरोधी पार्टी बताते हुये बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने गुरुवार को कहा कि बसपा सरकार के कार्यकाल में किंग जार्ज मेडिकल यूनीवर्सिटी (केजीएमयू) का नाम छत्रपति शाहूजी महाराज मेडिकल यूनीवर्सिटी किया गया था, जिसे सपा सरकार ने बदल दिया था। अब मौजूदा भाजपा सरकार को चाहिये कि केजीएमयू का नाम फिर बदल कर छत्रपति शाहूजी महाराज मेडिकल यूनीवर्सिटी करे। सुश्री मायावती ने एक्स पर लिखा- कोल्हापुर, महाराष्ट्र रियासत में दलितों को नौकरी में आरक्षण देने का क्रान्तिकारी कदम उठाकर भारत में आरक्षण के जनक के रूप में अमर हो जाने वाले राजर्षि छत्रपति शाहूजी महाराज को आज उनकी जयंती पर शत-शत नमन व अपार श्रद्धा-सुमन अर्पित तथा उनके समस्त अनुयाइयों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

इटावा में पुलिस पर फेंके पत्थर की फायरिंग, 12 हिरासत में

इटावा, वार्ता

■ सड़क पर उतरी अहीर रेजिमेंट नेशनल हाईवे किया जाम

यादव कथावाचक को पीटने और अभद्रता के मामले में गुरुवार को इटावा में बवाल हो गया। गुरुवार को अहीर रेजिमेंट और यादव संगठन के करीब 2 हजार लोगों ने 2 जगह प्रदर्शन किया। पहला प्रदर्शन बकेवर थाने के सामने हुआ। लोगों ने कथावाचक के दो साथियों को छुड़ाने के लिए थाने का घेराव किया।

पुलिस ने समझाना चाहा, तभी भीड़ ने पुलिस की गाड़ी पर पथराव कर दिया, जिसमें एक गाड़ी का शीशा टूट गया। पुलिस ने हंगामा बढ़ता देख 12 थानों की फोर्स बुलाई और प्रदर्शनकारियों को खदेड़ा, हवाई फायरिंग भी की गई। यहां पुलिस ने 12 लोगों को हिरासत में लिया है। दूसरा प्रदर्शन आगरा- लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हुआ। यादव समाज के लोगों ने एक्सप्रेस-वे पर बाइक रैली निकाली। पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की लेकिन प्रदर्शनकारी आगरा-कानपुर नेशनल हाईवे की ओर बढ़ गए। दरअसल, यादव समाज संगठन के अध्यक्ष गगन यादव ने कथावाचक की पिटाई का विरोध जताया था। गुरुवार को सैकड़ों कार्यकर्ताओं के साथ इटावा आने का एंलान किया था, जिसके बाद पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर लिया था। इसके विरोध में कई जिलों से यादव समाज के लोग इटावा पहुंचे। गुरुवार को दांदरपुर गांव से यादव समाज और अहीर रेजिमेंट के युवाओं से पुलिस की झड़प हो गई। इस दौरान अहीर रेजिमेंट ने पुलिस पर पथराव और फायरिंग की। साथ ही पुलिस की गाड़ी भी तोड़ दी। मामला बढ़ा, तो प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पथराव कर दिया।

कांवड़ यात्रा और मोहर्रम को लेकर योगी ने दिए निर्देश

भड़काऊ नारे व हथियार न लहराएं: सीएम

शाह टाइम्स ब्यूरो

■ 11 जुलाई से नौ अगस्त तक चलेगी कांवड़, मोहर्रम के कार्यक्रम 27 जून से 7 जुलाई के बीच होंगे पूरे

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कांवड़ यात्रा और मोहर्रम को लेकर दिशा-निर्देश जारी करते हुए कहा कि भड़काऊ नारे और हथियारों का प्रदर्शन बिल्कुल बर्दाश्त नहीं होगा। साथ ही सीएम ने कांवड़ यात्रा को लेकर कहा कि कांवड़ यात्रा के जो भी मार्ग हैं, जहां से भी श्रद्धालु कांवड़ लेकर गुजरेंगे, वहां पर खुले में मांस की बिक्री नहीं होगी। सीएम ने कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अधिकारियों के साथ अहम बैठक की, ताकि इन त्योहारों में कानून व्यवस्था बनी रहे और किसी भी तरह का कोई भी विवाद सामने न आए।

सीएम ने कहा कि श्रावण का पवित्र हिंदू महीना 11 जुलाई से 9 अगस्त तक मनाया जाएगा, जिसके दौरान कांवड़ यात्रा, श्रावणी शिवरात्रि, नाग पंचमी और रक्षा बंधन मनाया जाता है। इसके साथ ही जगन्नाथ रथ यात्रा 27 जून से 8 जुलाई के बीच और मोहर्रम 27 जून से 7 जुलाई के बीच होने की उम्मीद है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, सीएम ने कहा कि यह त्योहारों का पूरा समय कानून- व्यवस्था, स्वास्थ्य सेवा, स्वच्छता, शिक्षा और आपदा प्रबंधन के मामले में काफी ज्यादा संवेदनशील है, इसलिए सभी संबंधित विभागों और जिला प्रशासनों को समन्वय और जवाबदेही के साथ काम करना चाहिए। सीएम ने त्योहारों को लेकर सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा कि भड़काऊ नारे, हथियारों का प्रदर्शन कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसी के साथ कौशांबी, इटावा, औरैया की घटनाओं पर मुख्यमंत्री गंभीर हैं। सीएम ने कहा कि जातीय संघर्ष फैलाने की साजिश हो रही है, अराजक लोगों को बेनकाब करें। सीएम ने कहा कि पुलिस स्टेशनों, सर्किलों और चौकियों के स्तर पर स्थानीय प्रशासन को कांवड़ संघों के साथ लगातार बातचीत में रहना चाहिए और सभी व्यवस्थाओं का पूर्व आकलन करना चाहिए।

यूपी में ग्रीन गोल्ड लेकर घर जाएंगे नवजात

■ सरकारी अस्पताल में जन्में बच्चों को योगी सरकार से मिलेगा ये गिफ्ट

लखनऊ। योगी सरकार की ओर से यूपी को हरा भरा प्रदेश बनाने के लिए एक से सात जुलाई तक जन्म लेने वाले बच्चों को अब ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट के साथ पौधे भी दिए जाएंगे। यह पौधे यूपी के सभी जिला अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी व अन्य सरकारी अस्पताल में जन्मे बच्चों को प्रदान किए जाएंगे। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से वन विभाग यह कार्य करने जा रहा है। प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने बताया कि पौधरोपण महाभियान-2025 में जनता की सहभागिता पर सरकार का जोर है। नवजात को उपहार स्वरूप पौधा देना बच्चे के जीवन में समृद्धि व विकास का परिचायक है। इसी के अनुरूप पहली से सात जुलाई (वन महोत्सव) की अवधि में जन्मे नवजात शिशुओं को ग्रीन गोल्ड सर्टिफिकेट के साथ एक पौधा भेंट के रूप में प्रदान किया जाएगा। वन महोत्सव के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित कर वन विभाग मूर्त रूप प्रदान करेगा। प्रधान मुख्य वन संरक्षक व विभागाध्यक्ष सुनील चौधरी ने सभी प्रभागों के वनाधिकारी को निर्देश दिया है कि स्वास्थ्य विभाग से समन्वय स्थापित कर संस्थागत प्रसव से जन्मे बच्चों को यह सर्टिफिकेट व पौधा दिया जाए। संस्थागत प्रसव में जिला अस्पताल, सीएचसी, पीएचसी व अन्य सरकारी अस्पतालों को शामिल किया जाए। भेंट स्वरूप सागौन, शीशम समेत इमारती प्रजाति के पौधों को प्राथमिकता दी जाए।

अर्थ व्यापार

सेंसेक्स 83755.87 | **निफ्टी** 25549 | **सोना रु.** 97159 प्रति 10 ग्राम (24 केरेट) | **चांदी रु.** 107150 प्रति किलो

बाजार में तूफानी तेजी, नौ माह के उच्चतम स्तर पर

मुंबई, वार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ब्याज दरों में अधिक कटौती के लिए फेडरल रिजर्व में संभावित नेतृत्व परिवर्तन करने को लेकर जारी अटकलों से यूरोपीय बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर हुई चौतरफा लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार में तूफानी तेजी रही।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1000.36 अंक अर्थात 1.21 प्रतिशत की छलांग लगाकर करीब नौ महीने के उच्चतम स्तर 83 अंक के मनोवैज्ञानिक स्तर के पार 83755.87 अंक पर पहुंच गया। साथ ही नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 304.25 अंक यानी 1.21 प्रतिशत उछलकर 25549 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 0.56 प्रतिशत मजबूत होकर 46,362.77 अंक और स्मॉलकैप 0.12 प्रतिशत बढ़कर 53,960.57 अंक हो गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4153 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2097 में लिवाली जबकि 1900 में बिकवाली हुई, वहीं 156 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में कारोबार के लिए रखी गई कुल 2975 कंपनियों के शेयरों में से 1474 में तेजी जबकि 1397 में गिरावट रही, वहीं 104 में टिकाव रहा। विश्लेषकों के अनुसार गुरुवार को डॉलर तीन साल के निचले स्तर पर आ गया, जबकि वैश्विक शेयर बाजारों ने बीते तीन दिनों में दूसरी बार नया रिकॉर्ड उच्च स्तर हासिल किया। इसकी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व में संभावित नेतृत्व परिवर्तन को लेकर अटकलें बताई जा रही हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प फेडरल रिजर्व के मौजूदा अध्यक्ष जेरोम पॉवेल की जगह जल्द ही नया चेहरा नियुक्त करने पर विचार कर रहे हैं। कहा जा रहा है कि ट्रम्प फेड से ब्याज दरों में तेजी से कटौती करने की मांग कर रहे हैं और इसी दिशा में अगले कुछ महीनों में पॉवेल का विकल्प चुनने की योजना बना रहे हैं। इस अटकल के बाद निवेशकों ने अमेरिकी ब्याज दरों में संभावित कटौती पर दांव लगाना शुरू कर दिया, जिससे डॉलर में भारी बिकवाली देखी गई। वहीं वैश्विक शेयर बाजारों में तेजी का रुख बना रहा और बाजार नई ऊंचाइयों पर पहुंच गए। इससे बीएसई में फोकस्ड आईटी, आईटी और रियल्टी में 1.04 प्रतिशत की गिरावट को छोड़कर अन्य 18 समूहों में तेजी रही। इस दौरान कमोडिटीज 1.39, सीडी 0.42, ऊर्जा 1.68, एफएमसीजी 0.61, वित्तीय सेवाएं 1.25, हेल्थकेयर 0.28, इंडस्ट्रियल्स 0.58, दूरसंचार 0.80, यूटिलिटीज 1.24, ऑटो 0.51, बैंकिंग 0.95, कैपिटल गुड्स 0.36, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.79, धातु 2.28, तेल एवं गैस 1.88, पावर 1.13, टेक 1.13 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.88 प्रतिशत चढ़ गए। अंतर्राष्ट्रीय स्तर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.26, जर्मनी का डैक्स 0.84 और जापान का निक्केई 1.65 प्रतिशत उछल गया।

सोने के भाव में कोई परिवर्तन नहीं दिखा

नई दिल्ली। सोने के दाम में गुरुवार को कोई बदलाव देखने को नहीं मिला। आईबीजेए के अनुसार 24 कैरेट सोने का दाम 97,159 प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ। वहीं चांदी की कीमत 1,950 बढ़कर 1,07,150 प्रति किलोग्राम हो गई है। इससे पहले ये 1,05,200 पर थी।

देश के चार महानगरों दिल्ली में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,100 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,850 रही, जब कि मुंबई में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट सोने की कीमत 91,550 थी, वहीं कोलकाता मे 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट की कीमत 90,700 रही। चेन्नई में 24 कैरेट सोने की कीमत 98,950 और 22 कैरेट सोने की कीमत 90,700 थी, वहीं भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 99,000 व 22 कैरेट सोने की कीमत 90,750 रही।

खाद्य तेलों में टिकाव, गेहूं महंगा, गुड़ सस्ता

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा, जबकि गेहूं महंगा हो गया वहीं गुड़ और मूंग दाल के भाव गिर गए।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जुलाई वायदा 36 रिंगिट बढ़कर 3975 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.20 सेंट की गिरावट के साथ 51.62 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में मिलाजुले रुख रहा। इस दौरान गुड़ 50 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया, जबकि चीनी के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में मूंग दाल में 150 रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। इस दौरान चना, दाल चना, मसूर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। अनाज: अनाज मंडी का रुझान मिश्रित रहा। इस दौरान गेहूं 50 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गया, जबकि चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर पड़े रहे। सरकारी वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:- दाल-दलहन: चना 5600-5700, दाल चना 6600-6700, मसूर काली 7900-8000, मूंग दाल 9300-9400, उड़द दाल 9500- 9600, अरहर दाल 8400-8500 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज: (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3000-3100 रुपये और चावल 3650-3750 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4200-4300, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4350-4450 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये। खाद्य तेल: सरसों तेल 17033 रुपये, मूंगफली तेल 17948 रुपये, सूरजमुखी तेल 16116 रुपये, सोया रिफाइंड 14102 रुपये, पाम ऑयल 13333 रुपये और वनस्पति तेल 14666 रुपये प्रति क्विंटल पर रहा है।

अमरनाथ यात्रा में तीर्थयात्रियों की संख्या में गिरावट: मनोज सिन्हा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने आज कहा कि वार्षिक अमरनाथ यात्रा के लिए पंजीकृत तीर्थयात्रियों की संख्या में पिछले साल की तुलना में मामूली गिरावट देखी गई है। हालांकि अब स्थिति में सुधार के संकेत दिख रहे हैं।

उन्होंने यहां आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि तीर्थयात्रा के लिए सभी मार्गों और आधार शिविरों में जम्मू-कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। सिन्हा ने कहा कि यात्रा के लिये 22 अप्रैल से पहले पंजीकरण में उछाल आया था, लेकिन आतंकवादियों ने पहलगाम में इस दिन पर्यटकों को निशाना बनाया, जिसमें 26 लोग मारे गए। सिन्हा ने कहा कि 22 अप्रैल के बाद पंजीकरण में थोड़ी गिरावट देखी गई। इस साल के आंकड़ों की तुलना 2024 से करते हुए उपराज्यपाल ने खुलासा किया कि इस बार अब तक 35,000 से 40,000 कम तीर्थयात्रियों ने पंजीकरण कराया है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि कुल संख्या पिछले साल की तुलना में 10.19 प्रतिशत कम है। उन्होंने कहा कि गिरावट के बावजूद प्रशासन इस बाबत 'आशावादी' है, क्योंकि स्थिति में सुधार है। उन्होंने कहा कि 22 अप्रैल तक यात्रा के लिए 2,36,801 पंजीकरण किए गए थे। हमने 22 अप्रैल से पहले पंजीकरण कराने वाले सभी लोगों से संपर्क किया और उनसे यात्रा में भाग लेने की पुष्टि करने के लिए कहा। अब तक 85,000 से अधिक तीर्थयात्रियों ने आने की पुष्टि की है और यह संख्या लगातार बढ़ रही है। सुरक्षा के मसले पर उपराज्यपाल ने आश्वासन दिया कि इस बाबत व्यापक व्यवस्था की गई है और पिछले वर्षों की तुलना में सुरक्षा कर्मियों का संख्याबल भी अधिक है। उन्होंने कहा ष्सुरक्षा के दृष्टिकोण से जम्मू- कश्मीर पुलिस, भारतीय सेना और केन्द्रीय सुरक्षा बलों ने सभी यात्रा मार्गों और आधार शिविरों में सुरक्षित और शांतिपूर्ण तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए कड़े कदम उठाए हैं। सिन्हा ने कहा कि अमरनाथ यात्रा 2025 के सुचारू और सुरक्षित संचालन के लिए मजबूत और बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि चाहे वह क्षेत्र वर्चस्व हो, माउंटेन रेस्क्यू पेट्रोल (एमआरपी) की तैनाती हो, या आधार शिविरों पर तीन स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था हो।

ईरान-इजरायल युद्ध से भारतीय कालीन उद्योग को अरबों का झटका

भदोही। ईरान-इजरायल युद्ध का असर काल. ीनों के निर्यात पर दिखाई पड़ने लगा है। कालीन नगरी भदोही में अरबों रुपये के निर्यात ऑर्डर निरस्त होने से कालीन उद्योग में बेचैनी है। कारपेट एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल (सीईपीसी) के प्रशासनिक समिति सदस्य एवं अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ (एकमा) के मानद सचिव पीयूष बरनवाल ने बताया कि ईरान व इजरायल दोनों भारतीय कालीनों के अच्छे आयातक देशों में माने जाते हैं।

युद्ध उन्माद में उलझे इन देशों में भारतीय कालीन की मांग न के बराबर हो गई है। वहीं अमे. रिका भारतीय कालीनों का प्रमुख आयातक देश है, जहां भारतीय कालीनों के कुल निर्यात का 25 से 30 फीसद अकेले अमेरिका को जाता है। ईरान-इजरायल युद्ध में अमेरिका के कूदने से हालात और बिगड़ने के आसार बन गए हैं। अस्थिरता के कारण अमेरिकी देशों से आने वाले बायर कतरा रहे हैं। जिसका भारी भरकम खामियाजा कालीन उद्योग जगत को भुगतना पड़ रहा है। पहलगाम की घटना की प्रतिक्रिया में भारत द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्की के पाकिस्तान को खुले समर्थन से बिगड़े हालातों के बीच दोनों देशों के बीच तनाव बड़ा है। तुर्किए भी भारतीय कालीनों का एक मजबूत कालीन आयातक देश माना जाता है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्की में भी कालीन निर्यात पर काफी विपरीत असर पड़ा है।

मणिपुर में पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान

इंफाल। मणिपुर में कोविड महामारी और उसके बाद मई 2023 की शर्मनाक घटना के बाद राज्य में पर्यटन उद्योग बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इस दौरान घरेलू और विदेशी पर्यटकों पर लगाए गए कड़े प्रतिबंधों की वजह से भी उनकी संख्या में भारी कमी दर्ज की गई है। मणिपुर हमेशा से ही विदेशी पर्यटकों के लिए प्रतिबंधित क्षेत्र रहा है, जहां आने के लिए प्रोटेक्टेड एरिया परमिट (पीएपी) की आवश्यकता होती है। इस नियम में कुछ समय के लिए ढील दे दी गई थी, लेकिन इसे फिर से 19 दिसंबर 2024 को विदेशी (संरक्षित क्षेत्र) आदेश 1958 के तहत लागू कर दिया गया।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज़ पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
HEALTH WITH CARE
जॉन्डिस क्योर
लिवर का जिगरी दोस्त
भूख की कमी, बदहजमी जॉन्डिस, फैटी लीवर, एल्कोहलिक लिवर डिजीज आदि से लड़ने की ताकत देता है ताकि आप रहे फिट एण्ड एक्टिव
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

श्रध्दांजलि सभा आज

मान्यवर– बडे दुःख के साथ सूचित कर रहे है कि हमारे

पूज्य पिता जी

श्री मनोहर लाल शर्मा जी

(पूर्व राज्य मंत्री उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष बी0एस0एम शिक्षण संस्थान रुड़की) (एडवोकेट)

का स्वर्गवास

दिनांक 15 जून 2025 को हो गया है

प्रभु की ऐसी ही इच्छा थी।

जग-मग रहेंगे दीपक, तुम जो जला गये हो।
रोशन रहेगी राहें, तुम जो दिखा गये हो।।
कर्म रहा जिनका धर्म, शिक्षा को पूर्ण सम्पर्ण।
उस मानव को नमन, प्रभु चरणों मे अर्पण।।

श्री मनोहर लाल शर्मा जी
(पूर्व राज्य मंत्री उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष बी0एस0एम शिक्षण संस्थान)
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, इंटरनेशनल गुड़विल सोसायटी ऑफ इंडिया

श्रध्दांजलि सभा आज

दिनांक – 27 जून 2025, दिन शुक्रवार

समय – श्रध्दांजलि सभा दोपहर 02:00 बजे

स्थान – बी0एस0एम0 इण्टर कॉलेज, रुड़की

रामकुमार शर्मा

रजनीश कुमार शर्मा एड्वोकेट
निदेशक बी. एस. एम. शिक्षण संस्थान

ममतेश कुमार शर्मा एड्वोकेट
उपाध्यक्ष बी.एस.एम. शिक्षण संस्थान, रुड़की

सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाएं: डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडे की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला स्तरीय समीक्षा समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न वित्तीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। राष्ट्रीय शहरी व ग्रामीण आजीविका मिशन, कौशल विकास मिशन तथा स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि बैंक एवं विभागीय अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक पहुँचे और जनहित में कार्य हो। सरकारी योजनाओं को गंभीरता से लें, यह केवल औपचारिकता नहीं, जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जनहित के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही बैंक फ्रॉड के प्रति लोगों को जागरूक करने व जागरूकता शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा की प्रत्येक बैंक आवंटित लक्ष्यों को शतप्रतिशत प्राप्त करना सुनिश्चित करें और सामाजिक सुरक्षा से संबंधित योजनाओं को प्रत्येक नागरिक तक पहुंचाए। जिलाधिकारी ने बैंकों को ऋण-जमा अनुपात सुधारने, कृषि क्षेत्र को प्राथमिकता देने, और लंबित वसूली प्रमाणपत्रों के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, जीवन ज्योति योजना, अटल पेंशन योजना और वित्तीय समावेशन से जुड़ी योजनाओं को भी प्राथमिकता से लागू करने पर बल दिया गया। बैठक में बिजनेस कोरेस्पोंडेंट की तैनाती, रुपे कार्ड का शत-प्रतिशत सक्रियीकरण, और ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थानों की समीक्षा जैसे बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। बैठक में सीडीओ रामजीशरण शर्मा, डीडीओ संतोष कुमार पंत, जिला पर्यटन विकास अधिकारी प्रकाश खत्री समेत अन्य मौजूद रहे।

पांच जुलाई से कार्य बहिष्कार पर रहेगा शिक्षक संघ

पदोन्नति के लिए आरपार की लड़ाई का ऐलान

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राजकीय शिक्षक संघ कुमाऊं मंडल ने शिक्षा विभाग में लंबित पदोन्नतियों को लेकर 5 जुलाई से प्रांतव्यापी कार्य बहिष्कार एवं चॉकडाउन आंदोलन शुरू करने का ऐलान किया है। संगठन का कहना है कि विगत 8 वर्षों से सरकार और विभाग की अनदेखी के चलते हजारों शिक्षक पदोन्नति से वंचित हैं। इस संबंध में गुरुवार को मंडल मुख्यालय में हुई प्रेस वार्ता में शिक्षक संघ के अध्यक्ष डा. गोकुल सिह मर्तोलिया और मंत्री रविशंकर गुसाई ने संयुक्त रूप से जनपद कार्यकारिणियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कि सभी ब्लॉक और विद्यालय इकाइयों को 5 जुलाई से शिक्षण कार्य पूर्ण रूप से बंद रखने और आंदोलन को सफल बनाने के लिए तैयारी में जुटे। उन्होंने कहा पदोन्नति हमारा हक है। विभाग की उदासीनता के चलते शिक्षक 25-25 साल की सेवा के बाद बिना पदोन्नति के ही सेवानिवृत्त हो रहे हैं, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। अब इस अन्याय के खिलाफ आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने कहा कि संगठन ने पूर्व में भी कई बार सरकार और विभाग से मांग की थी, लेकिन अब तक सिर्फ आश्वासन ही मिले हैं। पहली बार संगठन विद्यालयों में शिक्षण कार्य पूर्णतः बंद करने जा रहा है। उन्होंने बताया कि पूरे कुमाऊं मंडल में 5 जुलाई से एक भी विद्यालय में पठन-पाठन कार्य नहीं होगा। इस अवसर पर मंडल उपाध्यक्ष महेंद्र पटवाल, कृष्णा बिष्ट, संयुक्त मंत्री शिवराज बनकोटी, डा. ममता जोशी पाठक, प्रमोद मेहरा, कमला गुरुरानी, हेमा पंत मौजूद रहे।

एक नजर

नशा मुक्त अभियान के तहत दौड़े युवा

अल्मोड़ा। नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गुरुवार को मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया। दौड़ में पुलिस अधिकारी, कर्मचारियों और युवाओं ने उत्साह के साथ प्रतिभाग किया। वहीं, नशा नहीं करने और समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ ली। अन्तर्राष्ट्रीय ड्रग्स दिवस के अवसर आयोजित मैराथन दौड़ को एसएसपी देवेंद्र पींचा और सीओ गोपाल दत्त जोशी ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। नगर के आरसीएम मॉल से पुलिस लाइन तक दौड़ आयोजित हुई। जिसमें महिला वर्ग में निकिता कन्याल ने प्रथम, रश्मि आर्या ने द्वितीय और लता आर्या ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं, पुरुष वर्ग में धीरज सिंह बिष्ट ने प्रथम, हर्षित जोशी ने द्वितीय और नितेश सिंह जीना ने तीसरा स्थान बनाया। सभी विजेताओं को पुलिस प्रशासन की ओर से पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। समाज को नशा मुक्त बनाने की शपथ दिलाई गई। इस मौके पर यहां प्रतिसार निरीक्षक दूरसंचार उमाशंकर पांडे, एसओजी प्रभारी भुवन जोशी, लाइन सूबेदार मोहित कुमार मौजूद रहे।

कैलाश शर्मा ने बताए इमरजेंसी के हालात

अल्मोड़ा। आपातकाल की बरसी पर गुरुवार को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष कैलाश शर्मा ने प्रेस वार्ता की। इस दौरान उन्होंने आपातकाल को देश के इतिहास में सबसे काला दिवस बताया। पातालदेवी स्थित पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष शर्मा ने कहा कि 1975 में तत्कालीन इंदिरा सरकार द्वारा लगाए गए आपातकाल के विरोध में भाजपा पूरे देश में काला दिवस के रूप में मना रही है। कहा कि 25 जून 1975 भारत के लोकतांत्रिक इतिहास पर एक गहरा धब्बा लगा था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल ने संविधान, प्रेस, न्यायपालिका और आम जनता की स्वतंत्रता को कुचलने का काम किया। उन्होंने कहा कि यह भारत के लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला था तब कांग्रेस ने सत्ता बचाने के लिए पूरे देश को अंधेरे में धकेलने का काम किया। यहां प्रेस वार्ता में पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश बहुगुणा, मेयर अजय वर्मा, धर्मेंद्र बिष्ट, विनीत बिष्ट, राजेंद्र बिष्ट, जगत तिवारी समेत कई लोग मौजूद रहे।

पंचायत चुनाव को लेकर असमंजस

बागेश्वर। पंचायत चुनावों को लेकर अभी भी स्थिति स्पष्ट न होने के कारण दावेदार असमंजस की स्थिति में है। उनका कहना है कि एक बार स्थिति स्पष्ट होने के बाद वे अपना प्रचार प्रसार शुरू कर देंगे। हालांकि वे सोशल मीडिया के माध्यम से अपना ग्राउंड तैयार करने में जुटे हुए हैं। पंचायत चुनाव को लेकर गुरुवार को भी हाईकोट द्वारा स्थिति स्पष्ट न होने पर अभी भी संशय बना हुआ है। जिला पंचायत, क्षेत्र पंचायत, ग्राम प्रधान व वार्ड सदस्य अभी भी असमंजस की स्थिति में है। ऐसे कई दावेदारों का कहना है कि जब तक स्थिति स्पष्ट नहीं हो जाती वे अपना प्रचार प्रसार कैसे करें। वही दूसरी ओर वर्षा काल शुरू होते ही जिले में आपदा की स्थिति बनने लगी है। आए दिन जिले के कई मोटर सड़क आपदा की मार झेल रहे है। इस स्थिति में यदि चुनाव को लेकर निर्णय साफ होता है तो शासन प्रशासन के लिए नई चुनौती खड़ी होगी।

ज्ञानार्थी कॉलेज में एक सेमेस्टर की फीस माफ

काशीपुर। ज्ञानार्थी कॉलेज ने उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक सराहनीय पहल की है। कॉलेज प्रबंधन ने निर्णय लिया है कि वर्तमान सत्र में कॉलेज में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों की एक सेमेस्टर की फीस पूरी तरह माफ की जाएगी। यह योजना विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए लाभकारी है जो आर्थिक कारणों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। कॉलेज के इस फैसले की क्षेत्र में सराहना हो रही है। प्रवेश प्रक्रिया जारी है और इच्छुक विद्यार्थी कॉलेज कैंपस अथवा वेबसाइट पर संपर्क कर सकते हैं।

पुलिस ने नशे के दुष्परिणाम बताए

बागेश्वर। नगर में कोतवाली पुलिस ने नशे के दुष्परिणामों के बारे में लोगों को जागरुक किया। कोतवाल कैलाश नेगी ने युवकों को नशे की शपथ दिलाई। साथ ही नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी। स्थानीय एसबीआई तिराहे पर एकत्र हुए युवाओं को कोतवाल व उनकी टीम ने नशे के बारे में जागरूक किया। इस दौरान पुलिस ने एक बाइक रैली का आयोजन किया। रैली के माध्यम से लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में बताया। उन्होंने लोगों से भी अपील की है कि यदि उनके आसपास कोई नशे की सामग्री भेजता है या बेचता है तो इसकी सूचना पुलिस को दें ताकि नशे के कारोबार पर रोक लगाई जा सके।

शिकायत करने पर पिता-पुत्र व पुत्री को पीटा

काशीपुर। बदतमीजी व गाली-गलौच करने की पुलिस में शिकायत से नाराज एक ही परिवार के चार बच्चों ने एक व्यक्ति व उसके पुत्र व पुत्री को मारपीट कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। मौहल्ला महेशपुरा बाल्मीकि कालोनी निवासी नीरज पुत्र संतोष ने बताया कि उसके परिवार के साथ बिल्लू व उसके चार बच्चे उसके परिवार के सदस्यों के साथ बदतमीजी व गाली-गलौच करने की शिकायत बीती 30 अप्रैल 2024 को की थी जिससे चिढ़कर उक्त लोगों ने 21 जून 2025 की रात्रि करीब 8.30 बजे जब वह अपने घर जा रहा था तभी पीछे से जान से मारने की नियत से सनी, रोबिन, शिवम व आरती पुत्रगण बिल्लू ने उसके उपर हमला कर दिया, चीख पुकार सुननक उसके पुत्र समीर, पुत्री नैना आर्य व उसके साथ मारपीट करते हुए गंभीर रूप से घायल कर दिया जिससे उसे व उसके पुत्र व पुत्री को गंभीर चोटें आई।

बच्चा गायब कर बेचने की आरोपी महिला दोषमुक्त

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। जसपुर के एक अस्पताल से बच्चा गायब कर बेचने की आरोपी महिला को प्रथम एडीजे कोर्ट ने साक्ष्यों के अभाव में दोषमुक्त कर दिया है। मोहल्ला नईबस्ती, जसपुर निवासी साजिया पत्नी सलमान ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 29 सितंबर,2018 को उसने एक निजी अस्पताल में बच्चे को जन्म दिया। एक अक्तूबर, 2018 को उसकी परिचित ग्राम खेड़ा निवासी परवीन पत्नी शब्बन उसके नवजात पुत्र को मशीन में रखने की बात कहकर वहां से उठा ले गई। उसके बाद वह लौटकर नहीं आई। बाद में पता लगा कि उसने एक निसंतान महिला को 25 हजार रूपये में बेच दिया। जिसे उसने बच्चा अपनी बीमार भांजी का बताया था। उसी का इलाज कराने की बात कहकर बच्चा सौंपा था। अगले दिन अखबार में अस्पताल से बच्चा चोरी होने की खबर प्रकाशित हुई तो बच्चा लेने वाली महिला ने साजिया के घर जाकर उसे उसका बच्चा लौटा दिया। पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर आरोपी परवीन को गिरफ्तार कर लिया। विवेचना के बाद एसआई जावेद हसन ने परवीन के खिलाफ धारा 370 व 81 जेजे एक्ट के तहत कोर्ट में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। केस का विचारण प्रथम एडीजे मनोज गर्ब्याल की अदालत में हुआ। अभियोजन की ओर से सात गवाह पेश किए गए। बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता रहमत अली खान ने पैरवी की।

जीपैट परीक्षा में विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों ने लहराया परचम

होनहारों ने कुमाऊं विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय नैनीताल के भीमताल स्थित भेषज विज्ञान विभाग के विद्यार्थियों द्वारा अखिल भारतीय फार्मेसी दक्षता परीक्षा (जीपैट) 2025 में सफलता हासिल की है। विभाग के विभागाध्यक्ष एवं संकायाध्यक्ष प्रो. कुमुद उपाध्याय ने बताया कि प्रतिवर्ष भारत सरकार की संस्था नेशनल मेडिकल टेस्टिंग एजेंसी द्वारा देशभर के फार्मेसी स्नातकों हेतु अखिल भारतीय स्तर पर स्नातक फार्मेसी दक्षता परीक्षा का योजन किया जाता है जिसमें सफल प्रतिभागी विभिन्न राष्ट्रीय फार्मेसी संस्थानों में प्रवेश हेतु अर्ह होने साथ फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया से छात्रवृति प्राप्त करते हैं। कुमाऊं विश्वविद्यालय के भेषज विज्ञान विभाग के विद्यार्थी प्रतिवर्ष इस परीक्षा में सफलता प्राप्त करते हैं। प्रो.उपाध्याय के मुताबिक इस वर्ष भी 6 विद्यार्थियों ने इस परीक्षा में सफलता हासिल करके विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। इसमें बी फार्म अंतिम वर्ष के विद्यार्थी खुशी देवल ने जीपैट में 224 रैंक व नाइपर में 839 वीं रैंक जबकि अमित सिंह ने ज़ीपैट में 1037 रैंक और नाइपर में 324वी रैंक वहीं प्रशांत जोशी ने जीपैट में 1328 रैंक व नाइपर में 489 रैंक तथा मोहित सिंह ने जीपैट में 1340 रैंक व नाइपर में 796 वीं रैंक वही श्रुति जायसवाल ने ज़ीपैट में 2391 रैंक नाइपर में 598 रैंक अखिल भारतीय स्तर पर हासिल की है वहीं बी फार्म तृतीय वर्ष के छात्रआयुष मिश्रा ने जीपैट में अखिल भारतीय स्तर पर 896वीं रैंक हासिल की है। विद्यार्थियों की इस कामयाबी पर कुविवि के कुलपति प्रो दीवान सिंह रावत समेत भीमताल परिसर के निदेशक प्रो. एलके सिंह, विभागाध्यक्ष एवं डीन टेकनोलॉजी प्रोफेसर कुमुद उपाध्याय सहित विभाग के प्रो. अनीता सिंह, प्रो. अर्चना नेगी साह, डा. तीरथ कुमार, डा. महेंद्र सिंह राणा, डा. राजेश्वर कमल कांत सहित सभी गुरुजनों, कर्मचारियों तथा छात्रों ने खुशी जाहिर करते हुए सफल विद्यार्थियों को बधाई दी है।

संवैधानिक संस्थाओं को खत्म करना चाहती है सरकार: कुंजवाल

अल्मोड़ा। प्रदेश की भाजपा सरकार ने त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव व्यवस्था को कमजोर करने पर तुली हुई है। 5 साल में क्षेत्र पंचायत की एक बैठक करा कर सरकार संवैधानिक संस्थाओं को समाप्त करना चाहती है। यह बात विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने जारी बयान में कही है। कहा कि पूर्व में कांग्रेस की सरकार ने इन संस्थाओं को ठीक उसी प्रकार का संवैधानिक अधिकार दिया है, जैसा विधान सभाओं व लोक सभाओं को दिया है। संविधान की मंशा, साफ है कि चुनी हुई ग्राम-सभा, क्षेत्र-पंचायत, व जिला पंचायते स्वतन्त्र रूप से नियमों के तहत संचालित करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों का विकास व जनहित के कार्यों को अंजाम देते हुए ग्रामीणों अर्थव्यवस्था लोकतंत्र को मजबूती देने में सहयोग कर सके। कुंजवाल ने कहा कि दुर्भाग्य यह है कि, ना तो सरकार समय पर चुनाव ही करा पा रही है और अगर चुनाव किसी तरह हो भी गये तो इस चुनी हुई संस्थाओं में बैठक ना करा कर प्रशासक के तरह इन संस्थाओं का संचालन हो रहा है। इसका जीता जागता उदाहरण विगत पाँच वर्षों में विकासखण्ड स्तर पर क्षेत्र पंचायत की पहली बैठक में चुने प्रमुख को अन्य प्रस्ताव भी पारित किये उसके बाद 5 वर्ष तक एक भी बैठक ना कर सके सारे नियमों का उल्लंघन करते हुए 5 साल की कार्य योजना स्वीकृत धन का वितरण आदि कोई भी नियमों के अंतर्गत तो आता है उसे क्षेत्र पंचायत की बैठक में पास किया जाना उचित नहीं समझ गया, जिन क्षेत्र पंचायत सदस्यों व ब्लाक प्रमुखो को चुना गया था उनके अधिकारों को सरकार के आदेशों पर जिला प्रशासन ने जिला तरह समाप्त करने का कार्य किया है उससे स्पष्ट होता है कि इन संवैधानिक संस्थाओं को सरकार समाप्त करना चाहती है।

नवसृजित भवन में वृक्षारोपण

शाह टाइम्स संवाददाता

हल्दूचौड़। लाल बहादुर शास्त्री राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में यूजीसी, राज्य निर्वाचन आयोग और उच्च शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार नशा मुक्त भारत पखवाड़ा अंतर्राष्ट्रीय ड्रग मुक्त दिवस और वृक्षारोपण अभियान के तहत प्रभारी प्राचार्य डा. जेके गौतम के निर्देशन में रोवर रेंजर्स इकाई और वन वॉयस द वॉयस ऑफ यूथ क्लब के संयुक्त तत्वावधान में महाविद्यालय के नवसृजित परिसर भवन में आंवला, हरसिंगार, जामुन, अमरूद, अमलतास, बेल, बेला, सिल्वर ओक, गुलमोहर, मोरिंगा, नीम आदि विभिन्न प्रजातियों के दर्जनों छायादार और फलदार पौधों का रोपण परिसर के अन्दर किया गया।

वरिष्ठ प्रोफेसर डा. जयचंद्र कुमार गौतम, डा. बिपिन चन्द्र जोशी, डा. हेम चन्द्र पाण्डे और डा. दीपा बिष्ट द्वारा अपने-अपने विचार रखते हुए विद्यार्थियों को एक-एक वृक्ष नवसृजित परिसर में गोद लेने के साथ ही छात्र-छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण और नशा उन्मूलन की शपथ दिलाई गई।

इस अवसर पर अज़ीम प्रेमजी फाउंडेशन डा. दीपा बिष्ट, डा. बिपिन चन्द्र जोशी, डा. हेम चन्द्र, वन वॉयस द वॉयस ऑफ यूथ क्लब सदस्य अमित सिंह, कैलाश पाण्डे, राज शर्मा, निशिका गुप्ता, तनीषा राय, हेमा भंडारी, प्रियंका, गौरव, हिमांशु, प्रशांत, श्याम, डा. हेमलता गोस्वामी, डा. गीता तिवारी पाण्डे, डा. मंजू जोशी, डा. चन्द्रकान्ता, डा. मनोज कुमार जोशी, डा. प्रदीप मंडल, डा. जगत सिंह, डा. वीरेन्द्र सिंह, गिरीश चन्द्र पाण्डे, हरीश चन्द्र जोशी, दिनेश कुमार जोशी, प्रेमा भट्ट, हेमा जीना, मुन्नी जोशी, कविता असवाल, वीणा सनवाल, राकेश कुमार, जयपाल, उमाशंकर दुम्का आदि उपस्थित रहे।

शिविर का लोगों ने लाभ उठाया

शाह टाइम्स संवाददाता

कालाढूंगी। अमन क्लीनिक कालाढूंगी में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर में क्षेत्रभर से पहुंचे दर्जनों लोगों ने शिविर का लाभ उठाया। यह शिविर अमन क्लीनिक के स्वामी डा. अमन तुली के प्रयास से राम मूर्ति स्मारक इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज बरेली के द्वारा आयोजित किया गया। जिसमें हड्डी रोग विशेषज्ञ डा. हर्षवर्धन बुद्धिस्ट, नेत्र रोग विशेषज्ञ डा. निलिका सिंघल, श्वास रोग विशेषज्ञ डा. महक गोयल ने मरीजों को देखा एवं उचित परामर्श दिया। अमन क्लीनिक द्वारा राम मूर्ति हॉस्पिटल बरेली की टीम के द्वारा कालाढूंगी में पहली बार शिविर का आयोजन किया गया। यहां आयोजित शिविर में कालाढूंगी नगर सहित आसपास के क्षेत्रों से पहुंचे तकरीबन 115 लोगों ने लाभ उठाया। डा. जनरल फिजिशियन अमन तुली सहित राम मूर्ति हॉस्पिटल के उमेश वर्मा, आकाश जौहरी सहित अमन क्लीनिक के आदित्य तुली, जुनेद मंसूरी, संजय सैनी, मो. आलम, विकास कुमार आदि ने शिविर संचालन में सहयोग किया।

आपदा प्रभावित क्षेत्रों के दौरे पर विधायक

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। वर्षा काल के दौरान विधायक कपकोट गढ़िया लगातार आपदा प्रभावित क्षेत्रों का भ्रमण कर रहे हैं। कई जगह विधायक ने अपने निधि से सुधार के लिए ग्रामीणों की मदद की जा रही है। तो कही सम्बन्धित विभागों को कड़े निर्देश देते हुए राहत कार्य गतिमान रहने को कहा जा रहा है। बुधवार को विधायक सुरेश गढ़िया ने विधान सभा के पोथिंग व चीराबगड़ मोटर मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। मोटर मार्ग में भीषण बारिश के चलते पहाड़ी से बड़े बड़े बोल्डर व मलवा आने से सड़क जगह जगह पर बंद हो गई थी। उन्होंने कार्यदाई संस्था के अधिकारियों को तत्काल मौके पर जेसीपी मशीन भेजकर सड़क को यातायात के लिए खोलने के निर्देश दिए। साथ ही विधायक ने आपदा ग्रस्त क्षेत्रों का जायजा लिया। उन्होंने जनता से मुलाकात करते हुए कहा कि आपदा काल में शासन प्रशासन उनके साथ खड़ा है। इधर गढ़िया ने बताया कि सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सड़कों के लिए प्राप्त पैसा अवमुक्त करने के आदेश दिए है। सभी अधिकारी एकजुटता के साथ कार्य करे। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष गीता ऐठानी, हरीश कोरंगा, दयाल ऐठानी, हरीश मेहरा, प्रमोद पांडे, ओमप्रकाश ऐठानी सहित विभागीय अधिकारी मौजूद थे।

पौधारोपण आंदोलन अनवरत जारी

नैनीताल। संयुक्त कर्मचारी महासंघ कुमाऊं गढ़वाल मंडल विकास निगम के प्रांतीय आवाहन पर नियमितीकरण नियमावली कट ऑफ डेट 2025 को लेकर जारी किया जा रहा अनूठा पौधारोपण आंदोलन वीरवार को 356 वें दिन भी जारी रहा। महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष दिनेश गुरुरानी के नेतृत्व में पर्यटकों को पौधारोपण कार्यक्रम से जोडने के तहत स्लोगन देवभूमि में पर्यटक बनकर आईए पौधारोपण कर पर्यावरण मित्र बनकर जाइए के तहत वीरवार को उनके नेतृत्व में गुरना देवी मंदिर परिसर पिथौरागढ़ में स्थित गुरना वाटिका में विभिन्न प्रजाति के पौधों का रोपण किया गया। और पूर्व में लगाए गए पौधों का संरक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि उनका पौधारोपण कार्यक्रम जारी रहेगा।

भारी बारिश ने बढ़ाई मुश्किलें

शाह टाइम्स संवाददाता

बागेश्वर। जिले में बारिश का दौर जारी है। दिन में चटख धूप के बाद रात में हो रही भीषण बारिश से पहाड़ियां दरकने लगी हैं। जिससे आम जनमानस के लिए मुश्किलें बढ़ते जा रही है। जिले में बुधवार की रात झमाझम बारिश होते रही। जिससे एक बार फिर नदी नलों सहित सरयू गोमती नदी उफान पर रही। नदी का जल स्तर बढ़ने पर पुलिस प्रशासन द्वारा लोगों को नदी के आस पास न जाने की चेतावनी दी गई। वही सुरक्षा की दृष्टि से सरयू तट पर जल पुलिस भी तैनात कर दी है। इधर गुरुवार की सुबह से ही चटक धूप खिली रही। दिन भर लोग गर्मी से बेहाल हुए। वही तेज धूप के कारण पानी से भरे पगड़ियां दरकने लगी है। जिला आपदा प्रबंधन कार्यालय से मिली जानकारी अनुसार बारिश से कपकोट-कर्मी, भानी-हरसिंग्याबगड़, दूनी-सुकुंडा, पपों-रतायस, कपकोट-पिंडारी, बदियाकोट-बोरबलड़ा, धरमघर-सनगाड़, बाछम-खाती, भयूं-गुलेर, चेताबगड़, मुनार-गांसी, गुलम-परगड़ा मोटर मार्ग पहाड़ी से मलबा व बोल्डर आने से बंद रही। जिसमें गुरुवार की सुबह जेसीपी मशीनों द्वारा सड़कों को खोलने का कार्य शुरू किया गया। देर शाम तक कुछ सड़कें खोल दी गई। जबकि अभी भी 5 सड़कों पिंडरीग्लेशायर मोटर मार्ग, काफली कमेडा मोटर मार्ग, बदियाकोट बोरबलड़ा मोटर मार्ग, सगाड़ मोटर मार्ग, मुनार गांसी मोटर मार्ग में कार्य जारी है। वही विभाग ने बताया कि सबसे अधिक बारिश कपकोट तहसील में 75 एमएम हुई, गरुड़ में 36 तथा बागेश्वर में 18 एमएम बारिश हुई है। जबकि सरयू नदी का जलस्तर बढ़कर 866.30 मीटर, गोमती नदी का जलस्तर 863.50 मीटर पर रहा।

डीएसए में गंदगी के ढेर

नैनीताल। नैनीताल के डीएसए मैदान व कार पार्किंग के बीच बारिश का पानी जमा होने से गंदगी फैल रही है। वहीं लोगों नद क्षेत्र में शौच कर और गंदगी फैला दी है जो बीमारियों को दस्तक दे रही है। बता दें कि पालिका की अनदेखी के चलते डीएसए मैदान व कार पार्किंग के बीच बारिश का पानी जमा हो रहा है। साथ ही लोगों की ओर से क्षेत्र में शौच किया जा रहा है। जिससे क्षेत्र में दुर्गंध फैल रही है और मच्छर होने का भय बना हुआ है। पार्किंग से लाखों रुपया कमाने के बाद भी पालिका पार्किंग के समीप सफाई नहीं करा पा रही है। जिसके चलते यह गंदगी बीमारियों को दावत दे रही है। एसडीएम नवाजिश खलीक ने बताया कि पालिका के अधिकारियों को क्षेत्र में सफाई करने के निर्देश दे दिए हैं। साथ ही खुले में शौच करने वालों के खिलाफ कार्रवाई के भी निर्देश दिए हैं।

भारत में दो तिहाई अंधत्व का कारण कैटरेक्ट

मिथकों के कारण लोग टालते हैं सर्जरी: डा. महिपाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भारत में कैटरैक्ट (मोतियाबिंद) बुजुर्गों में रोके जा सकने वाले अंधत्व का सबसे बड़ा कारण बना हुआ है। जून माह को कैटरैक्ट जागरूकता माह के रूप में मनाते हुए सेंटर फॉर साइट ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स ने समय पर निदान और सर्जरी की आवश्यकता पर जोर दिया। विशेषज्ञों के अनुसार, देश में अंधत्व के 66 प्रतिशत से अधिक मामलों के लिए अकेले कैटरैक्ट जिम्मेदार है। इसके बावजूद, जागरूकता की कमी और मिथकों के चलते लोग सर्जरी में अनावश्यक देरी करते हैं। कैटरैक्ट एक ऐसी स्थिति है जिसमें आंख का प्राकृतिक लेंस धुंधला हो जाता है, जिससे देखने में धुंधलापन आता है। यह आमतौर पर उम्र बढ़ने से होता है, लेकिन मधुमेह, आंख की चोट, लंबे समय तक स्टेरॉयड के उपयोग और यूवी किरणों के संपर्क से भी हो सकता है। सेंटर फॉर साइट के चेयरमैन व मेडिकल डायरेक्टर डा. महिपाल सिंह सचदेव ने बताया कैटरैक्ट सिर्फ बुजुर्गों की बीमारी नहीं है। यह बच्चों और युवाओं में भी हो सकता है। साथ ही यह सोच गलत है कि कैटरैक्ट दवाओं, खानपान या व्यायाम से ठीक हो सकता है। इसका एकमात्र प्रभावी इलाज सर्जरी है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दृष्टि के अत्यधिक बिगड़ने तक सर्जरी का इंतजार करना नुकसानदेह हो सकता है। समय पर सर्जरी से बेहतर परिणाम और जल्दी रिकवरी होती है। डा. महिपाल ने बताया कि आज आधुनिक तकनीक, जैसे फेमटो लेजर-असिस्टेड कैटरैक्ट सर्जरी, बिना ब्लेड वाली, कंप्यूटर-गाइडेड प्रक्रिया है जो अधिक सटीक और सुरक्षित है। साथ ही, एक्सटेंडेड डेप्थ-ऑफ-फोकस, मल्टीफोकल और टोरिक लेंस जैसे प्रीमियम इंट्राओक्युलर लेंस से मरीजों को चश्मे की निर्भरता से भी राहत मिलती है। सेंटर फॉर साइट आधुनिक डायग्नोस्टिक तकनीक के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में मुफ्त नेत्र जांच शिविर, एनजीओ सहयोग, और किफायती अथवा निःशुल्क सर्जरी के माध्यम से हजारों जरूरतमंदों को लाभ पहुंचा चुका है।

गजेंद्र राणा ने लोक गीतों से जमाया रंग

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में दस दिवसीय कुमाऊं महोत्सव जारी है। बुधवार शाम स्टार नाइट लोक कलाकारों के नाम रही। लोक कलाकारों ने एक से बढ़कर कुमाऊंनी-गढ़वाली गीतों की प्रस्तुति देकर दर्शक दीर्घा में बैठे लोगों को झूमने में मजबूर कर दिया। महोत्सव के शुभारंभ के बाद उत्तराखंड के प्रसिद्ध गायक गजेंद्र राणा ने बांद भानुमति व फुर्की बांद...आदि गीतों से महोत्सव में रंग जमा दिया। वहीं, अन्य कलाकारों ने भी लोक गीतों से महोत्सव में समा बांध दिया। देर रात तक कार्यक्रमों का आनंद लेने बड़ी संख्या में लोग डटे रहे। इसके अलावा महोत्सव में बच्चों की ओर से विभिन्न योगासनों की प्रस्तुति दी गई। यहां मेयर अजय वर्मा, पूर्व पालिकाध्यक्ष प्रकाश चंद्र जोशी, ललित लटवाल जी, अजय वर्मा, हेमलता वर्मा, विनीत बिष्ट, गोविंद माटेला, कैलाश गुरुरानी, जगदीश वर्मा, मुराद खान, राजेंद्र तिवारी, अमरनाथ सिंह नेगी, डा. संतोष बिष्ट आदि मौजूद रहे।

पांच सड़कों पर यातायात बाधित

शाह टाइम्स संवाददाता

अल्मोड़ा। जिले भर में मौसम लगातार मिजाज बदल रहा है। गुरुवार को तेज बारिश के बाद मलबा आने जिले के पांच ग्रामीण सड़कों पर यातायात बाधित रहा। जिससे ग्रामीणों को आवगमन में भारी परेशानी झेलनी पड़ी। हालांकि प्रशासन की ओर से जेसीबी से बंद सड़कों को खोलने का कार्य किया जा रहा है। गुरुवार को भी दिन भर मौसम बदलता रहा। दिन की शुरुआत आसमान में घने बादलों और रिमझिम बारिश के साथ हुई। बारिश होने से लोगों को उमस से काफी राहत मिली, लेकिन ग्रामीण क्षेत्र के लोगों का जनजीवन इससे अस्त व्यस्त हो गया है। बारिश के कारण ग्रामीण क्षेत्र की सड़कों पर मलबा और बोल्डर गिरने से आवाजाही बाधित हो रही है। जिले की पांच ग्रामीण सड़कों मकड़ाऊ दशोला, चौसाला-चिल, गल्ली-रैल, आटि-दशीली और सिंगौली-अभ्याड़ी पर मलबा आने से यातायात ठप हो गया। यातायात ठप होने से ग्रामीणों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। जिला आपदा कंट्रोल रूम से मिली जानकारी अनुसार रानीखेत में सर्वाधिक 44 मिमी, अल्मोड़ा नगर में 13.2, सोमेश्वर में 40 और चौखुटिया में 19 मिमी बारिश दर्ज की गई। क्वारब मार्ग से यात्रियों की मुसिबत कम होने का नाम नहीं ले रही है। गुरुवार को बारिश के चलते मार्ग कीचड़ से पट गया। जिसके चलते मार्ग में बस फंसने से डेढ़ घंटे से अधिक समय तक यातायात प्रभावित रहा। सूचना के बाद पहुंची प्रशासन की टीम ने बस को धक्का लगाकर आगे किया। इसके बाद भी लोगों को राहत नहीं मिली। कीचड़ हटाने तक करीब डेढ़ घंटे तक वाहनों का संचालन बंद करना पड़ा। आवाजाही सुचारू होने तक सड़क के दोनों छोर में वाहनों का काफिला जमा हो गया। जिन्हें आगे निकलने के लिए यात्रियों को लंबा इंतजार करना पड़ा।

1975 में लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला गया था: त्रिवेन्द्र रावत

इमरजेंसी की 50वीं बरसी पर पूर्व सीएम ने कांग्रेस पर बोला हमला

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि आज ही के दिन 1975 में देश के लोकतांत्रिक मूल्यों को कुचला गया। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर ताला लगा, संविधान को ताक पर रखकर सत्ता के नशे में एक आपातकाल थोपा गया। लेकिन, यह वही भारत है जहाँ लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने आवाज बुलंद की, लाखों युवाओं ने सड़कों पर उतरकर लोकतंत्र की मशाल को जलाए रखा। यदि उन रणबाँकों ने अत्याचार के खिलाफ साहस नहीं दिखाया होता तो आज हम स्वतंत्र भारत में सांस न ले रहे होते। आपातकाल के 50 साल पूरे होने पर गुरुवार को नगर निगम सभागार में पत्रकारों से बातचीत करते हुए पूर्व सीएम एवं हरिद्वार से सांसद त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने कहा कि आपातकाल में कांग्रेस ने संविधान को सबसे अधिक चोट पहुंचाई। वर्तमान में संविधान बचाने का कांग्रेसी नारा पूरी तरह से हास्यास्पद है। कांग्रेस वर्तमान में भी सिर्फ इंदिरा गांधी और जवाहर लाल नेहरू के एजेंडे पर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आपातकाल से पहले दूरे देश में मजदूर संगठन व विपक्षी दल कांग्रेस की नीतियों के खिलाफ आंदोलन कर रहे थे। इस बीच 12 जून 1975 को आए इलाहाबाद हाईकोर्ट के इंदिरा गांधी के चुनाव को अवैध घोषित किए जाने के फैसले ने पूरे देश में भूचाल ला दिया। अपने हाथों से देश की सत्ता जाते देख 25 जून 1975 की मध्यरात्रि को इंदिरा गांधी ने देश पर आपातकाल थोप दिया। इस दौरान प्रेस पर सेंसर लगा दी गई। विपक्ष और संघ के नेताओं की खिलाफ कार्रवाई की गई। उत्तर प्रदेश की सरकार के आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने के बाद संघ के नेताओं की बड़े पैमाने पर गिरफ्तारी की गई। देश को आपातक. ाल में झोंकने वाली कांग्रेस के नेता अब देश में संविधान को बचाने की बात कर रहे हैं। जबकि आपातकाल के दौरान संविधान को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाया गया। वार्ता के दौरान मेयर गजराज सिंह बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, प्रदेश प्रवक्ता प्रकाश रावत, प्रदेश मीडिया प्रभारी चन्दन बिष्ट आदि मौजूद रहे।

राज्य आंदोलनकारी नंदन सिंह बिष्ट को दी श्रद्धांजलि

हल्द्वानी। चिन्हित राज्य आंदोलनक. ारी संयुक्त समिति की ओर से गुरूवार को एक शोक सभा का आयोजन कर शीशमहल निवासी राज्य आंदोलनकारी नंदन सिंह बिष्ट के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। समिति के पदाधिकारियों और सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर ईश्वर से प्रार्थना की। शोक सभा में वक्ताओं ने नंदन सिंह बिष्ट के उत्तराखंड राज्य आंदोलन में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें समर्पित और निस्वार्थ कार्यकर्ता बताया, जिनकी सामाजिक सेवाएं सदैव स्मरणीय रहेंगी। शोक सभा में जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट, कमल मेहरा, हेम पाठक, अयोध्या प्रसाद केसरवानी, भुवन जोशी, जोशना पांडे, हेमलता जोशी, बृजेश भट्ट आदि मौजूद रहे।

गोलीकांड का मुख्य आरोपी समेत छह लोग गिरफ्तार

बिड़ला स्कूल के पास 23 जून की रात दिया था वारदात को अंजाम

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। 23 जून को हुए सनसनीखेज गोलीकांड और जानलेवा हमले की गुत्थी आखिरकार सुलझ गई है। मामले के मुख्य आरोपित रोहित मंडोला उर्फ राजा समेत छह आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वारदात के बाद से फरार चल रहा रोहित मंडोला बुधवार को खुद ही पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर चुका था, जबकि अन्य पांच को पुलिस पहले ही दबोच चुकी थी। जानकारी के अनुसार, यह पूरा हमला पुरानी रंजिश के चलते किया गया। घटना 23 जून की शाम करीब 7.30 बजे उस समय हुई जब हरीश सिंह मेहरा, अपने साथी नीरज भगत, भूपेंद्र सिंह बोरा और गणेश सिंह दरम्वाल के साथ कार से बिड़ला स्कूल से छड़ायल की ओर जा रहे थे। जैसे ही उनकी कार प्रेमपुर लोश्ज्ञानी रोड से आगे बढ़ी, पहले से घात लगाए बैठे रोहित मंडोला व उसके 10-12 साथियों ने घेराबंदी कर हमला बोल दिया।

हमलावरों ने कार सवारों को बर्बरता से पीटा। बीच-बचाव करने आए भूपेंद्र सिंह पर रोहित मंडोला ने जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। गोली लगने से भूपेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद एक और गोली भूपेंद्र को मारी गई। अन्य आरोपितों में अन्नू बिष्ट, विशाल बिष्ट, अक्षय रंगवाल और उज्ज्वल परगाई हथियारों से लैस थे, जबकि सात-आठ अन्य ने लाठियों से हमला किया। घटना के दौरान कार पर पथराव भी किया गया। हमले में हरीश, भूपेंद्र और गणेश गंभीर रूप से घायल हुए और उनका इलाज निजी अस्पताल में जारी है। वहीं, नीरज भगत ने किसी तरह मौके से भागकर अपनी जान बचाई और हमले का वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिया। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने दबिश देकर पांच से अधिक हमलावरों को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था, जबकि मुख्य आरोपित रोहित मंडोला ने आत्मसमर्पण कर दिया। फिलहाल सभी आरोपित लॉकअप में बंद हैं और शुक्रवार को कोर्ट में पेश किए जाएंगे। स्थानीय सूत्रों का कहना है कि पुलिस द्वारा मामला दबाने की कोशिश की जा रही थी, लेकिन वीडियो फुटेज और गंभीर घायलावस्था ने इसे हाईप्रोफाइल बना दिया। पुलिस अब मामले में गैंगवार और आपराधिक साजिश की धाराएं भी जोड़ सकती है।

लोकतंत्र सेनानियों को किया सम्मानित

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। देश में 25 जून 1975 को तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी द्वारा लगाए गए आपातकाल के विरोध में हल्द्वानी में नगर निगम सभागार में आपातकाल स्मृति दिवस के रूप में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर आपातकाल के उस काले अध्याय को दुख के साथ याद किया गया, जिसमें हजारों जनसंघ कार्यकर्ताओं और अन्य दलों के नेताओं को जेलों में डाल दिया गया था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि आपातकाल भारतीय लोकतंत्र पर सबसे बड़ा आघात था। उस दौर में नागरिकों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीन ली गई थी और लोकतंत्र को कुचला गया था। उन्होंने कहा कि देश को आजादी दिलाने वालों के सपनों को कुचलने वाली वह रात, आज भी हर लोकतंत्र प्रेमी के लिए एक पीड़ा है। कार्यक्रम में आपातकाल के दौरान लोकतंत्र की रक्षा में संघर्ष करने वाले बुजुर्ग लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर नैनीताल-ऊधमसिंह नगर के सांसद अजय भट्ट, मेयर गजराज सिंह बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह बिष्ट, महामंत्री नवीन भट्ट, राज्य महिला आयोग की सदस्य कंचन कश्यप, रंजन बर्गली, दर्जा मंत्री नवीन वर्मा, रेनू अधिकारी, दीपक मेहरा, दिनेश आर्या, वरिष्ठ कवि गोविन्द कश्यप 'वीरा' सहित मौजूद रहे।

सड़क हादसे में घायल बुजुर्ग की मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। सड़क हादसे में घायल रानीखेत अल्मोड़ा निवासी बुजुर्ग की उपचार के दौरान गुरुवार को एसटीएच में मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक चिनियानौला रानीखेत निवासी कुंदन सिंह द्ध66 वर्षत्र पुत्र रूप सिंह को बुधवार को रानीखेत में एक अज्ञात ट्रक ने टक्कर मार दी। बुजुर्ग को आसपास के लोगों ने घायल अवस्था में रानीखेत अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार देने के बाद हालत नाजुक होने पर जयपाल को एसटीएच रेुर कर दिया गया। यहां उपचार के दौरान गुरुवार को उन्होंने दम तोड़ दिया। मेडिकल चौकी प्रभारी बीएस मेहता ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

ट्रेन में चपेट में आए व्यक्ति की सात दिन बाद मौत

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। लालकुआं में एक सप्ताह पूर्व ट्रेन की चपेट में आकर घायल हुए अधेड़ की उपचार के दौरान मौत हो गई है। लालकुआं के राजीवनगर निवासी जयपाल (51 वर्ष) पुत्र लीलाधर 19 जून को रेलवे पटरी क्रॉस करते समय तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। हादसे में उनके शरीर के अंग का एक हिस्सा कट गया था। गंभीर हालत में जयपाल को एसटीएच में भर्ती कराया गया। जहां उनका उपचार चल रहा था। गुरुवार को सात दिन इलाज चलने के बाद उनकी मौत हो गई।

नोटिसों पर भड़के विधायक सुमित हृदयेश

कहा-एक भी गरीब परिवार का आशियाना नहीं टूटने देंगे

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। शहर विधायक सुमित हृदयेश ने गुरुवार को आवास विकास स्थित पंचेश्वर मंदिर परिसर में प्रशासन द्वारा लगाए गए आपत्ति कैंप का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय निवासियों को अतिक्रमण के नाम पर भेजे जा रहे नोटिसों पर तीखी नाराजगी जताई और कैंप में स्वयं उपस्थित होकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। विधायक हृदयेश ने कहा कि प्रशासन की कार्रवाई गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को लक्ष्य बनाकर की जा रही है, जो निंदनीय है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि इससे पूर्व वह सुभाष नगर में आयोजित आपत्ति कैंप में भी शामिल हुए थे और दर्जनों आपत्तियां प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत की थीं। उन्होंने आरा. ेप लगाया कि अब तक उन आपत्तियों का कोई स्पष्ट और लिखित जवाब नहीं मिला है। विधायक ने सख्त लहजे में अधिकारियों को चेतावनी दी कि कोई भी बाहरी अधिकारी यहां आकर अपनी सनक नहीं थोप सकता। प्रशासन का यह एकतरफा रवैया और गुंडा राज किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि वह इन गलियों में पले-बढ़े हैं और हर घर से उनका व्यक्तिगत जुड़ाव है। उन्होंने दोहराया कि एक भी गरीब का आशियाना उजड़ने नहीं दिया जाएगा। हृदयेश ने अधिकारियों से कार्यप्रणाली में पारदर्शिता लाने की मांग करते हुए कहा कि जब तक सभी आपत्तियों का विधिवत निस्तारण नहीं होता, तब तक कोई भी निर्णायक कार्रवाई नहीं की जानी चाहिए। उन्होंने आमजन को आश्वस्त किया कि प्रशासन चाहे जितनी को. शिश कर ले, वह हर स्थिति में जनता के साथ खड़े रहेंगे।

नर्सिंग कॉलेज में वार्षिक पुस्तकालय महोत्सव

6 दिन चलेंगे प्रोग्राम, बुक टॉक व बुक रिव्यू प्रतियोगिता का आयोजन

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में स्थित राजकीय नर्सिंग कॉलेज हल्द्वानी में गुरूवार से वार्षिक पुस्तकालय महोत्सव-2025 का शुभारंभ किया गया। महोत्सव का आयोजन आज यानि गुरूवार से 1 जुलाई (छह दिवसीय) तक किया जाएगा। महोत्सव के अंतर्गत कई सारी नूतन लाइब्रेरी प्रतियोगिताओं का आयोजन छात्र-छात्राओं के साथ किया जा रहा है। बताते चलें कि राजकीय नर्सिंग कॉलेज हल्द्वानी, उत्तराखंड का पहला नर्सिंग कॉलेज है, जहां वाइब्रेंट लाइब्रेरी को लेकर तेजी से प्रयास किये जा रहे हैं। गुरुवार को बुक टॉक प्रतियोगिता एवं बुक रिव्यू प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दोनों प्रतियोगिताओं में 114 बच्चों ने प्रतिभाग किया। निर्णायक मंडल के सदस्यों के तौर पर उमेश पांडे, गीतांजलि साह, नीता बिष्ट, गीता आर्या, ज्योति बुढ़लाकोटी, तारा राणा, रंजना उपाध्याय, खष्टी जोशी, हेमलता एवं वैशाली मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन कॉलेज की छात्रा अदिति पुंडीर, पूजा रौतेला एवं छात्र अमित बिष्ट, विमल कुमार ने किया। राजकीय मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डा. अरुण जोशी ने बताया कि लाइब्रेरी गतिविधियां पुस्तकालय का एक बहुत महत्वपूर्ण आयाम हैं। इसलिए इस फेस्टिवल में विभिन्न लाइब्रेरी गतिविधियों के माध्यम से छात्र-छात्राओं में लाइब्रेरी एवं किताबों के प्रति रुचि बढ़ाने को लेकर प्रयास किये जा रहे हैं। राजकीय नर्सिंग कॉलेज हल्द्वानी की प्राचार्या डा. सबिस्ता अहमद नाज़ ने बताया कि कल यानि आज शुक्रवार को शेयर्ड रीडिंग प्रतियोगिता एवं स्वरचित कविता प्रतियोगिता व 28 जून को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता तथा 1 जुलाई को सोशल अवेयरनेस ड्रामा प्रतियोगिता एवं समापन समारोह का आयोजन किया जाएगा।

शिया कब्रिस्तान में कब्रों को पहुंचाया नुकसान

नैनीताल। नगर के तल्लीताल थाना क्षेत्र में अराजक तत्वों की ओर शिया कबब्रस्तान में कब्रों को क्षतिग्रस्त किए जाने का मामला सामने आया है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। तल्लीताल निवासी मुश्ताक अली खान ने ज्योलीकोट चौकी में शिकायती पत्र देते हुए कहा है कि बीते दिनों कुछ असामाजिक तत्वों की ओर से ग्राम दयोता स्थित शिया कब्रस्तान में 15 से 20 कब्रों को क्षतिग्रस्त कर तोड़फोड़ की गई है। आरोप लगाया जा रहा है कि अराजक तत्वों की ओर से माहौल बिगाडने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कब्र तोडने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। मामले में तल्लीताल के थाना प्रभारी रमेश सिंह बोरा ने बाताया कि मामले में शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स दिवस पर शिविर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अंतरराष्ट्रीय ड्रग दिवस के अवसर पर गुरुवार शाम हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत एक विशेष जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें एक स्वस्थ जीवन शैली अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

कार्यक्रम का आयोजन विकासखंड हल्द्वानी, जिला प्रशासन एवं समाज कल्याण विभाग जनपद नैनीताल के संयुक्त प्रयासों से किया गया। शिविर की शुरुआत जिला क्रीड़ा अधिकारी निर्मला पंत द्वारा नशे को कहें ना स्वस्थ जीवन को अपनाएं की शपथ दिलाकर की गई। इस मौके पर सहायक समाज कल्याण अधिकारी राहुल आर्य ने स्टेडियम में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे लगभग 300 बच्चों को नशा मुक्ति की शपथ दिलाई। जनजागरूकता कार्यक्रम के साथ ही खेल विभाग द्वारा एक दिवसीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसका उद्घाटन खेल उपनिदेशक रसिका सिद्दीकी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता के अंत में विजेता खिलाड़ियों को आकर्षक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उपक्रीड़ा अधिकारी वरूण बेलवाल, त्रिलोक सिंह जीना, विनय जोशी, शुभांगनी शाह, गोविंद लटवाल, अंकुश रौतेला, श्याम भट्ट, राहुल सिंह, बिमला रावत आदि मौजूद रहे।

राजमार्ग पर गड्ढों की मरम्मत

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नैनीताल-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग पर उभरे गड्ढे आम जनमानस के लिए खतरा बन गए थे। सड़क पर उभरे गड्ढ़ों को एडीबी ने इमल्शन से भर दिया है। जिससे वाहन चालकों को आराम मिल रहा है। बता दें कि बुधवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ नैनीताल पहुंचे लेकिन उनके आने से पहले सारे विभाग हर चीज को व्यवस्थित करने में जुट गए। एडीबी ने ताकुला व रूसी क्षेत्र में सड़क के गड्ढों को कंक्रीट से भर दिया लेकिन रात हुई बारिश से सड़क पर दोबारा गड्ढे उभर गए। इधर बुधवार को बारिश के चलते गड्ढे नहीं भर पाए। जिसके चलते लोगों को कार या बाइक चलाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। वीरवार को मौसम साफ होने पर एडीबी ने इमल्शन की मदद से सड़क के गड्ढों को भर दिया। एडीबी के सहायक अभियंता अनिल परिहार ने बताया कि इमल्शल से सड़क के गड्ढे भर दिए गए हैं।

तीन आंगनबाड़ी केंद्रों का लोकार्पण

भविष्य निर्माण के सेंटर बने आंगनबाड़ी केंद्र: कैबिनेट मंत्री रेखा आर्या

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने गुरुवार को हल्द्वानी नगर क्षेत्र में तीन आंगनबाड़ी केंद्रों के नवनिर्मित भवनों का लोकार्पण किया। ये केंद्र राजेन्द्र नगर प्रथम (राजपुरा), सुभाष नगर चतुर्थ और दमुवाढूंगा मल्ली बमौरी क्षेत्रों में बनाए गए हैं। प्रत्येक भवन की लागत 18.57 लाख रुपये रही है। इस अवसर पर मंत्री रेखा आर्या ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल भवन नहीं, बल्कि उत्तराखंड के भविष्य को आकार देने वाली संस्थाएं हैं। उन्होंने कहा कि बच्चों के पोषण, शिक्षा और संस्कार की पहली जिम्मेदारी इन केंद्रों की होती है, और स्वस्थ बचपन से ही कुशल मानव संसाधन तैयार होते हैं। रेखा आर्या ने कहा कि हाल ही में 7000 से अधिक आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं की नियुक्ति से प्रदेश में बाल विकास सेवाओं की दक्षता और पहुंच में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। मंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों से एकल महिला स्वरोजगार योजना को घर-घर तक पहुंचाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि योजना की जानकारी ज्यादा से ज्यादा पात्र महिलाओं को दी जाए ताकि वे सरक. ारी सहायता लेकर आत्मनिर्भरता की दिशा में कदम बढ़ा सकें। कार्यक्रम में पार्षद प्रीति आर्या, अनुसूचित मोर्चा अध्यक्ष रविंद्र बाली, रजनी बाली, भरत वल्दिया, हेमंत साहू, वीरेंद्र जायसवाल, हीरालाल साहू, पार्षद पंकज त्रिपाठी, पूर्व पार्षद राजेंद्र भाकुनी, पार्षद नेहा अधिकारी, दिनेश वर्मा और विक्रम अधिकारी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बढ़ती उम्र में घुटनों के दर्द को न बनाएं लाचारी: डा. यादव

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। उम्र बढ़ने के साथ घुटनों में दर्द, अकड़न और चलने-फिरने में कठिनाई आम हो जाती है। सीढ़ियां चढ़ना, बागवानी करना या पास की दुकान तक जाना भी चुनौती बन जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार, यह स्थिति आमतौर पर ऑस्टियोआर्थराइटिस या पुराने जोड़ों की क्षति के कारण होती है, और समय पर इलाज न होने पर जीवन की गुणवत्ता प्रभावित होती है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वैशाली के ऑर्थोपेडिक्स एवं जॉइंट रिप्लेसमेंट विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर डा. अखिलेश यादव ने बताया कि वजन नियंत्रित रखना, हल्का व्यायाम करना, आरामदायक जूते पहनना और संतुलित आहार लेना जोड़ों की सेहत के लिए जरूरी है। डा. यादव ने बताया कि यह तकनीक पारंपरिक विधियों की तुलना में अधिक सटीक है। इसमें कम चीरा, कम रक्तस्राव, कम दर्द और तेज रिकवरी होती है। अधिकांश मरीज सर्जरी के दिन ही चलने लगते हैं और जल्दी सामान्य जीवन में लौटते हैं। रोबोटिक तकनीक से घुटनों के इम्प्लांट का एलाइनमेंट बेहतर होता है, जिससे दीर्घकालिक लाभ मिलता है। हजारों वरिष्ठ नागरिक अब इस तकनीक के ज़रिए दोबारा चल-फिर पाने की आज़ादी महसूस कर रहे हैं।

प्रो. वाइएस पांगती की पुस्तक का विमोचन

लेखकों को उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने बधाई दी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। सूबे के उच्च शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने नैनीताल क्लब में वीरवार को कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर के वनस्पति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी, प्राध्यापक डा. कंचन उप्रेती, डा. नवीन चंद्र पांडे, गोविंद बल्लभ पंत पर्यावरण संस्थान लद्दाख के डा. नवीन चंद्र, यूसेक देहरादून के डा. गजेंद्र सिंह तथा फैलो ऑफ नेशनल अकादमी ऑफ साइंसेज प्रो. यशपाल सिंह पांगती द्वारा लिखित पुस्तक हिमालयन ग्रीन ट्रेजर यूजफुल प्लांट्स ऑफ उत्तराखंड वेस्टर्न हिमालय इंडिया का विमोचन किया। पुस्तक के विमोचन के बाद डा. रावत ने सभी लेखकों को बधाई दी। प्रो. तिवारी ने बताया कि पुस्तक में उत्तराखंड की 757 कुलों की 1265 पौधों की प्रजातियों का वर्णन है जिसमें द्विबीजपत्री की 125 कुल तथा 1052 वंश एकबीज पत्री की 24 कुल तथा 102 वंश तथा 163 प्रजातियां शामिल है।

जिमनास्पर्म की 5 फैमिलीज 9 वंश तथा 14 प्रजाति शामिल हैं। टेरीडोफ्फाइटस की 16 कुल तथा 26 वंश 36 प्रजाति शामिल हैं। सभी के अपडेटेड नाम, बोटेनिकल नाम तथा विवरण व उपयोग तथा वितरण इस पुस्तक में दिया गया है। पुस्तक को इंदु बुक सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड न्यू दिल्ली द्वारा प्रकाशित किया गया है। 850 पृष्ठों की पुस्तक में कई पौधों की रंगीन चित्र दिए गए हैं। पुस्तक की कीमत 3995 रुपए रखी गयी है। पुस्तक का आमुख प्रो. प्रदीप के जोशी चेयरमैन एनटीए व पूर्व चेयरमैन यू पीएससी न्यू दिल्ली ने लिखा है। इस अवसर पुस्तक के लेखकों की ओर से सूबे के उच्च शिक्षा मंत्री डा. रावत को शॉल उड़ाकर तथा पुष्प गुच्छ तथा 6 पौधों के फ्लायर भी भेंट किए गए। पुस्तक के विमोचन के मौके पर विधायक सरिता आर्य समेत डा. विजय कुमार, डा. मोहित सिंह रौतेला, नितिन सिंह कार्की, डा. दीपक मेलकनी, मोहित लाल साह, भारत सिंह मेहरा तथा निखिल बिष्ट आदि शामिल रहे। दूसरी ओर पुस्तक के विमोचन होने के बाद डीएसबी परिसर की निदेशक प्रो. नीता बोरा शर्मा तथा अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. संजय पंत ने सभी लेखकों को बधाई दी है।

भिक्षुओं की संख्या बढ़ी

नैनीताल। लेकसिटी में इन दिनों पर्यटकों के साथ भिक्षुकों की भीड़ भी बढ़ गई है। जबरन पैसे मांगते भिक्षुक पर्यटकों को परेशान कर रहे हैं। लोग लगातार पुलिस व पालिका से भिक्षुकों को शहर से खदेड़ने की मांग कर रहे हैं लेकिन उसके बाद भी नयना देवी मंदिर के बाहर भिक्षुकों का जमावड़ा लगा है। बता दें कि हर पर्यटन सीजन के दौरान पर्यटकों से पहले यहां दर्जनों भिक्षुक पहुंच जाते हैं। जो डीएसए भवनए बैंड स्टैंड और रिकशा स्टैंड में रात बिताकर दिन में मंदिर और बाजार क्षेत्र में लोगों से पैसे मांगते हैं। इन दिनों इनकी तादाद शहर में बढ़ रही है। भिक्षुक पैसे मांगकर पर्यटकों को परेशान कर रहे हैं। लोग भिक्षुकों को को शहर से खदेड़ने की मांग कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को भी नयना देवी मंदिर के समीप भिक्षुकों का जमावड़ा लगा रहा। जो स्थानीय दुकानदारों व पर्यटको को परेशान करते नजर आए। कोतवाल हेम चंद्र पंत ने बताया कि जल्द ही पूर्व की तरह अभियान चलाकर भिक्षुकों को शहर से बाहर किया जाएगा।

नाव चालकों को छाता बांटे

शाह टाइम्स संवाद्दाता

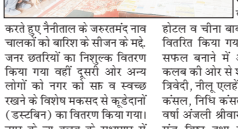

नैनीताल। नगर की सामाजिक सरो. कारों से जुड़ी प्रमुख संस्था आशीर्वाद वूमेंस क्लब की ओर से वीरवार को अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वह्व करते हुए नैनीताल के जरुरतमंद नाव चालकों को बारिश के सीजन के मद्दे. जनर छतरियों का निशुल्क वितरण किया गया वहीं दूसरी ओर अन्य लोगों को नगर को साफ़ व स्वच्छ रखने के विशेष मकसद से कूडेदानों (डस्टबिन) का वितरण किया गया। नगर के न्यू क्लब के सभागार में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आशीर्वाद वूमेंस क्लब के मुताबिक जिन नाव चालकों को छतरियों का वितरण किया गया उनमें विपिन, चंदन, ललित, नरेंद्र, जगदीश, लकी, विनोद, सुरेश, गोपाल, कमल कुमार, कमल, तारो समेत सुधा, गुड्डू, मनोज, हीरा लाल, रोहन, आमिर, प्रदीप तथा ताहिर शामिल रहे वही डस्टबिन न्यू क्लब के सदस्यों समेत पूजा, शांति देवी, हिमालय होटल व चीना बाबा मंदिर के पास वितरित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में आशीर्वाद वूमेंस कलब की ओर से शोभा गुप्ता, रेखा त्रिवेदी, नीलू एलहेंस, मानसी, रेखा कंसल, निधि कंसल, मोनिका साह, वर्षा अंजली श्रीवास्तव, गीता साह, मंजू बिष्ट तथा मीनू वशिष्ठ ने सहयोग दिया। अंत में रेखा त्रिवेदी ने सभी आभार व्यक्त किया।

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक **एस.एन. राना** द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजडू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं कृष्णा लोहा भण्डार, प्रथम तल काला ढुंगी रोड, हल्द्वानी (उत्तराखंड) से प्रकाशित।

सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
☎05946-250286
मुख्यालय:
मोबाइल-9720007290
R.N.I. No. UTTHIN/2003/10264
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

वाटर पार्क में डूबने से बालिका की मौत

- पुलिस को बिना सूचना दिए कर दिया गया दाह संस्कार
- वाटर पार्क स्वामी ने कार्रवाई से बचने के लिए पार्क में लगा दिया ताला

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता । बिना लाइव जाकेट के वाटर पार्क के पानी में उतरी नाबालिग बालिक की पानी में डूबने से मौत हो गई। इस घटना के बाद परिवार व वाटर पार्क स्वामी में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में बालिका को उपचार के लिए निजि चिकित्सक के पास ले जाया गया, लेकिन बालिका अपना दम तोड़ चुकी थी। बिना सुरक्षा के चलाए जा रहे वाटर पार्क को इस घटना के बाद बन्द कर दिया गया तथा घटना की जानकारी पुलिस से छिपाकर मामले को रफादाफा कर दिया गया है। जबकि घटना चर्चा का विषय बनी हुई है।

बता दें कि नानकमत्ता के पास से सटे राजमार्ग के पास सहानी पौध साला से कुछ दूरी पर स्थित एक वाटर पार्क काफी समय से संचालित है। इस वाटर पार्क में बच्चों की सुरक्षा के लिए कोई भी इंतेजाम होना नहीं बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि बीते बुधवार की दोपहर में थाना नानकमत्ता की चौकी प्रतापपुर के अंर्तगत आने वाले ग्राम प्रतापपुर निवासी पूर्व ग्राम प्रधान की पोती परिवार के कुछ लोगों के साथ वाटर पार्क में आयी थी। नाबालिग जब पानी में उतरी तो उसे ना तो लाइव जाकेट सुरक्षा के लिए पहनाई गई ना ही वहां वाटर पार्क के पास किसी को सुरक्षा के लिए तैनात किया गया। बताया जा रहा है कि परिवार के लोगों की नजर बचते ही बालिका पानी में डूब गई, जिसके आस पास कोई ना होने के कारण बालिका की मौत हो गई। पता चलने पर परिवार व वाटर पार्क संचालक में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में बालिका को निजी चिकित्सक को दिखाया गया तब तक बालिका दम तोड़ चुकी थी। कार्रवाई के डर से वाटर पार्क स्वामी द्वारा परिवार पर दबाव बनाकर मामले की सूचना पुलिस को नहीं देने दी गई तथा मामले को छुपाते हुए दफा दफा कर बालिका का संस्कार की कर दिया। जबकि इस घटना को लेकर नगर क्षेत्र में खूब चर्चाएं हो रही हैं। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर कुछ लोगों द्वारा बालिका का फोटो शेयर कर उसे श्रद्धांजलि देकर दुख प्रकट किया जा रहा है।

भूमि के मुआवजे की मांग

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। तहसील क्षेत्र के ग्राम सुनपहर के दर्जनों ग्रामीणों ने गुरुवार को उप जिला अधिकारी तुषार सैनी को एक प्रार्थना पत्र सौंपकर नेशनल हाईवे की जद में आ रही भूमि के बदले में मुआवजे की मांग की। एसडीएम को सौंपे गए प्रार्थना पत्र में ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम सुनपहर में उनकी भूमि धरी जमीन है जिस पर वर्तमान में वह काबिज काश्त है। ग्रामीणों ने कहा कि निर्माणाधीन मझोला सितारगंज नेशनल हाईवे मे उनकी भूमि धरी जमीन कट रही है जिसका ग्रामीणों ने मुआवजा देने की गुहार लगाई है। इस मौके पर दीपक कुमार, महिपाल, भवसागर, जीवन राव, चंद्रपाल, सूरज पाल, सूरत, सुदेश कुमार, हरि शरन, अनिल कुमार तथा प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

अगवा नाबालिग बिहार से बरामद

- पुलिस ने आरोपी युवक को दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। कोतवाली पुलिस ने भदईपुरा से बहला फुसलाकर अगवा की गई नाबालिग लड़की को बरामद कर आरोपी युवक को गिरफ्तार कर लिया है।

एसएसआई नवीन बुधानी ने बताया कि 17 मई को सुभाष कालोनी निवासी रंजन सिन्हा पुत्र अरूण सिन्हा भदईपुरा क्षेत्र से एक नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर भगा ले गया था।

परिजनों ने इस मामले में मुकदमा दर्ज कराया था। मुकदमा दर्ज होने के बाद पुलिस ने छानबीन की तो पता चला कि आरोपी मूल रूप से सुभानपुर थाना काशीचख जिला नवादा बिहार का रहने वाला है।

पुलिस ने बिहार जाकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और उसके घर से नाबालिग लड़की को बरामद कर लिया। आरोपी के खिलाफ पोक्सो एक्ट सहित अन्य धाराओं में कार्रवाई की जा रही है।

साथ ही नाबालिग लड़की का मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है। मामले की जांच महिला एसआई नेहा राणा कर रही है।

एसएसबी ने नशे के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। भारत नेपाल सीमा स्थित मेलाघाट में नशामुक्त भारत पखवाड़ा अभियान के तहत गुरुवार को एसएसबी ने जागरुकता अभियान चलाया।

57 बटालियन सशस्त्र सीमा बल कमांडेंट सशस्त्र सीमा बल सीमा चौकी मेलाघाट द्वारा सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों के साथ मिलकर नशा मुक्ति को लेकर अभियान चला कर लोगों को जागरूक किया। एसएसबी द्वारा चलाए जा रहे इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नशे से होने वाले कुप्रभावों से बचने, नशे की बुराइयों के प्रति लोगों में चेतना उत्पन्न करने तथा समाज में को नशा मुक्त बनाने की दिशा में एक सार्थक पर करना है। इस दौरान सीमावर्ती क्षेत्र के लोगों को नशे के दुष्परिणामों के बारे में जानकारी दी गई।

वहीं सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीणों ने नशा न करने और दूसरों को भी नशे से दूर रखने का संकल्प लिया। आपको बता दें कि सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल द्वारा सीमा की सुरक्षा के साथ-साथ राष्ट्र निर्माण, सामाजिक चेतना और युवा सशक्तिकरण की दिशा में भी निरंतर कार्य किया जाता रहा है। इस दौरान सहायक कमांडेंट दिनेश कुमार, सहायक उप निरीक्षक अमृत भाई, सुशील कुमार, प्रवेश कुमार तथा आदित्य सहित एसएसबी के अनेकों जवान व सीमावर्ती क्षेत्र के ग्रामीण मौजूद रहे।

प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियां आधुनिक जीवनशैली के लिए वरदानः महापौर

गायत्री चेतना केंद्र में एक्यूप्रेशर चिकित्सा एवं प्रशिक्षण शिविर का किया शुभारंभ

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। गंगापुर रोड, नंद बिहार स्थित गायत्री चेतना केंद्र में एक्यूप्रेशर चिकित्सा एवं प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ महापौर विकास शर्मा ने फीता काटकर किया। यह शिविर 10 जुलाई तक चलेगा, जिसमें विभिन्न असाध्य रोगों का उपचार बिना दवा के किया जाएगा, साथ ही प्रशिक्षणार्थियों को एक्यूप्रेशर चिकित्सा का प्रशिक्षण भी प्रदान किया जाएगा।

शिविर के शुभारंभ अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए महापौर विकास शर्मा ने कहा आज की तेज रफ्तार और तनावपूर्ण जीवनशैली में दवाओं पर निर्भरता लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसे में एक्यूप्रेशर जैसी प्राकृतिक चिकित्सा पद्धतियां न केवल सुरक्षित हैं, बल्कि शरीर की स्वाभाविक रोग-प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाती हैं। हमारे पूर्वजों ने जो ज्ञान और चिकित्सा पद्धतियां विकसित की थीं, वे आज भी उतनी ही प्रभावशाली हैं। एक्यूप्रेशर जैसी पद्धति इस बात का प्रमाण है कि दवा के बिना भी शरीर के भीतर संतुलन स्थापित कर रोगों का समाधान किया जा सकता है। आज की पीढ़ी को दवा-निर्भर जीवन के बजाय प्राकृतिक विकल्पों की ओर लौटने की आवश्यकता है।

महापौर ने कहा कि ऐसे शिविर समाज के हर वर्ग के लिए उपयोगी हैं, विशेषकर उन लोगों के लिए जो लम्बे समय से जटिल रोगों से जूझ रहे हैं और महंगी दवाओं एवं इलाज से थक चुके हैं। उन्होंने आयोजकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि गायत्री चेतना केंद्र और भारतीय एक्यूप्रेशर संस्थान द्वारा उठाया गया यह कदम समाज में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक अनुकरणीय प्रयास है।

इस अवसर पर अखिल विश्व गायत्री परिवार शाखा रुद्रपुर के प्रतिनिधि अशोक कुमार छाबड़ा ने जानकारी दी कि 10 जुलाई तक चलने वाला यह प्रशिक्षण एवं चिकित्सा शिविर भारतीय एक्यूप्रेशर संस्थान, लखनऊ के निदेशक एवं प्रयागराज के प्रोफेसर अमर प्रताप सिंह चन्द्रवंशी एवं उनकी विशेषज्ञ टीम द्वारा संचालित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि शिविर के अंतर्गत रोजाना तीन पालियों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जाएंगे। प्रशिक्षण उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। रोगियों के नि:शुल्क उपचार के लिए प्रात: 10:30 से दोपहर 12:00 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। शिविर में डायबिटीज, ब्लडप्रेशर, गठिया, दमा, मिर्गी, स्पॉन्डिलाइटिस, मोटापा, किडनी एवं हृदय रोग, पथरी, लकवा, स्त्री रोगों सहित अनेक असाध्य रोगों के उपचार की विधियां अपनाई जा रही हैं। इस अवसर पर ललित राठौर, भाजपा मण्डल अध्यक्ष मुकेश पाल, मस्त राम शर्मा, भोला प्रसाद यादव, आशीष छाबड़ा, राजेश शैली, विकास सचान, सुशील कुमार शर्मा, मंजू दनाई, इंदू, पूनम सिंह समेत तमाम लोग मौजूद रहे।

एक नजर

खंडहर में मिला शव, पुलिस मौके पर पहुंची

शाह टाइम्स संवाददाता

किच्छा। सिंचाई विभाग के खंडहरों में एक व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने सूचना पर शव को कब्जे में लेकर के पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। सूचना पर सिंचाई विभाग के आवासीय खंडहरों में पहुंच कर उपनिरीक्षक जगदीश मेहरा कांस्टेबल दीपक बोरा ने निरीक्षण करके पाया कि मृतक नशे का आदी है। पूछताछ के बाद मृतक की पहचान वार्ड नंबर 16 निवासी भगवान दास के रूप में हुई इसकी सूचना उसके परिजनों को दी गई । घटना स्थल पर उसके परिजन पहुंच गए। जानकारी में आया है कि मृतक के नशे की आदत से परिवार के लोग भी परेशान थे तथा मृतक आए दिन परिवार के सदस्यों से झगड़ा करता रहता था, जिस वजह से परिवारजन मृतक से कोई सरोकार नहीं रखते थे। कुछ दिन पूर्व मृतक अपने परिवार से झगड़ा कर इन्हीं खंडहरों में रहने चला आया था।

पेयजल की बर्बादी रोकने के लिए एडवोकेट ने लिखा डीएम को पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। दलित भाजपा नेता एडवोकेट सूरज सागर ने एसडीएम डा. अमृता शर्मा के माध्यम से जिलाधिकारी को पत्र भेजकर जल जीवन मिशन के तहत ग्राम सभा नंदपुर नरका टोपा में लगातार हो रही पेयजल की बर्बादी को रोकने की मांग की है।

सागर ने पत्र में लिखा है कि पेयजल की बर्बादी रोकने के लिए संबंधित ठेकेदार अथवा संस्था घोर लापरवाही कर रही है। पानी की टंकियों पर टोटी नहीं लगाई गई है और पाइपलाइन भी जगह-जगह से लीक है और नए कनेक्शन के लिए भी लोग इधर-उधर भटक रहे हैं। भीषण गर्मी में हो रही पेयजल की बर्बादी को सागर ने घोर लापरवाही बताया है और लापरवाह संस्था अथवा व्यक्तियों के खिलाफ भी कार्रवाई करने की मांग करते हुए शीघ्र ही पेयजल की बर्बादी रोकने की मांग की गई है।

खाली पड़ी भूमि धरी जमीन पर कब्जा करने का लगाया आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। ग्राम सुनपहर में स्थित भूमिधारी जमीन पर एक व्यक्ति ने गांव के ही एक व्यक्ति पर जबरदस्ती कब्जा करने तथा मना करने पर गाली-गलौज करने, मारपीट पर उतारू होने व जाति सूचक शब्दों से अपमानित करने का आरोप लगाते हुए सत्रहमील पुलिस चौकी प्रभारी को एक शिकायती पत्र सौंपा है। शिकायती पत्र के मुताबिक ग्राम उकरौली लालारखास, थाना सितारगंज निवासी गुरुबचन पुत्र सैलाबी प्रसाद की भूमि धरी जमीन ग्राम सुनपहर तहसील खटीमा में खतौनी संख्या 134 के खेत नंबर 19/4, 18/1, 54 मि. 112 तथा 116 में है। जिसका वह भूमि धरी मालिक है। पीड़ित के शिकायती पत्र के मुताबिक उसके पिता सैलाबी प्रसाद का स्वास्थ्य खराब होने के कारण वह अपनी जमीन पर खेती-बड़ी करने नहीं पहुंच पाया था लेकिन जब वह बुधवार को सुनपहर स्थित अपनी भूमि धरी जमीन पर फसल बिजाई करने आया तो गांव के ही सुरजीत सिंह पुत्र स्वर्गीय हरजिंदर सिंह ने उसको खेत में ट्रैक्टर चलाने से मना कर दिया तथा उसके साथ गाली गलौज की। वहीं पीड़ित ने आरोप लगाया है कि आरोपी द्वारा जाती सूचक शब्दों से उसको अपमानित किया गया और आरोपी मारपीट पर उतारू हो गया। वहीं पीड़ित द्वारा जानकारी लेने पर पता चला कि प्रार्थी की जमीन पर सुरजीत सिंह पुत्र स्वर्गीय हरजिंदर सिंह तथा ओमप्रकाश पुत्र सीताराम जबरदस्ती कब्जा कर फसल लगाने की कोशिश में हैं। पीड़ित ने शिकायती पत्र सौंप कर उसकी जमीन पर किए जा रहे जबरदस्ती कब्जे के प्रयास को रोकने तथा न्याय की गुहार लगाई है। वहीं इस मामले में सत्रहमील पुलिस चौकी प्रभारी ललित सिंह बिष्ट ने बताया कि मामले में जांच कर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

नशा मुक्त भारत अभियान के तहत पुलिस ने चलाया नशा मुक्त अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद उधम सिंह नगर मणिकांत मिश्रा के निर्देशानुसार जसपुर, ऊधम सिंह नगर पुलिस द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत

दिनांक 12 से 26 जून तक राष्ट्रीय स्तर पर चलाए गए नशा मुक्त भारत अभियान के क्रम में जसपुर कोतवाली क्षेत्र के स्कूल-कॉलेजों और मुख्य मुख्य चौराहों पर नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जागरूकता अभियान संबंधी फ्लेक्सियां लगाई गईं व पोस्टर चस्पा किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर निकाली जागरुकता रैली

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर गुरुवार को बाजार पुलिस चौकी से खटीमा पुलिस द्वारा उच्च अधिकारियों के निर्देश पर जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान दर्जनों ई-रिक्शा में नशे के विरुद्ध फ्लेक्सी स्लोगन लगाकर खटीमा मुख्य चौराहे से गोटिया, इस्लामनगर, कंजाबाग से होते हुए थाने तक जन जागरूकता रैली निकाली गई। इसके अलावा उप निरीक्षक रूबी मौर्य द्वारा निर्मल दर्शन नशा मुक्ति केंद्र के साथ मिलकर ईस्टर कंपनी तथा नई बस्ती इस्लामनगर क्षेत्र में नशा उन्मूलन के संबंध में लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय एवं क्षेत्र के युवाओं और लोगों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी देकर नशे के प्रति जागरूक और सचेत किया गया।इस दौरान पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिंह दसौनी, उनि पंकज महर, उनि रूबी मौर्य, का इसाक मोहम्मद, दीपक कुमार, नवीन खोलिया तथा त्रिभुवन आदि शामिल थे।

जलभराव से निपटने को नगर निगम ने कसी कमर

- जल निकासी के होंगे पुख्ता इंतजाम, सर्वे के दौरान मौके पर लिए कई फैसले

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। मानसून से पहले रुद्रपुर शहर को जलभराव की समस्या से निजात दिलाने के उद्देश्य से महापौर विकास शर्मा ने गुरुवार को सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग, एनएचएआई ,नगर निगम और गल्फार कंपनी के अधिकारियों की संयुक्त टीम के साथ शहर के विभिन्न जलभराव वाले क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से बरसात से पूर्व जल निकासी की व्यवस्था को पूरी तरह से दुरुस्त करने के लिए कहा। ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। निरीक्षण के दौरान एनएचएआई ने जल निकासी के लिए कई काम कराने पर सहमति जताई।

इससे पहले महापौर ने बीते दिनों नगर निगम कार्यालय में सिंचाई विभाग, लोक निर्माण विभाग, जल निगम, उत्तर प्रदेश सिचाई विभाग और विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की थी। बैठक में बरसात के दौरान जलभराव और जर्जर और झूलते विद्युत तारों का मुद्दा प्रमुखता से उठा था। बैठक के दौरान सामने आए बिंदुओं की वास्तविक स्थिति जानने के लिए महापौर ने स्वयं स्थलीय निरीक्षण करने की बात कही थी। इसी के तहत बुधवार को उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ शहर में विद्युत आपूर्ति की स्थिति का जायजा लिया था। गुरुवार को उन्होंने संयुक्त टीम के साथ जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण कर जलभराव के कारणों को जानने की कोशिश की साथ ही समस्या से निपटने के लिए तैयारियों को लेकर भी अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया।

निरीक्षण की शुरुआत रोडवेज स्टेशन के पास डीडी चौक से की गई, जहां जरा-सी बारिश में ही जलभराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। इस पर नाराजगी जताते हुए महापौर ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से इस समस्या का समाधान करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि यह स्थान शहर का प्रमुख चौराहा है, जहां जलभराव की स्थिति न केवल शहर की छवि को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि स्थानीय लोगों को भी भारी असुविधा झेलनी पड़ती है। सर्वे के दौरान तय किया गया कि रोडवेज के पास जलभराव की समस्या से निपटने के लिए एनएच अलग से नाले की खुदाई करके जल निकासी दुरूस्त करेगा। इसके अलावा महापौर ने बगवाड़ा मंडी, रामनगर, रेशम बाड़ी,भदईपुरा, इंदिरा चौक, फुलसुंगा, तीन पानी डाम सहित अन्य जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का भी मौके पर जाकर निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों से इन स्थानों पर भी जलभराव के कारणों समाधान करने को कहा। उन्होंने कहा कि मानसून से पूर्व सभी तैयारियों को पूर्ण कर लिया जाए। सर्वे के दौरान जलभराव से निपटने के लिए हाईवे पर होटल ली कैशल के बगल में निकासी हेतु कलवट डालने, बगवाड़ा नहर से निकासी हेतु कलवट डालने और इंडस्ट्रीयल एरिया में ठण्डी सड़क पर निकासी हेतु पुलिया का निर्माण करने का निर्णय लिया। एनएचएआई के अधिकारी विकास मित्तल ने इन कार्यों को शीघ्र कराने का आश्वासन दिया।

चोरी की बाइक के साथ एक बाल अपचारी पकड़ा

- पुलिस ने चोरी की दो बाइकें की बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। कोतवाली पुलिस ने चोरी की दो बाइक के साथ एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को किशोर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बाजपुर के सुभाष नगर वार्ड नंबर 8 निवासी गोविंद कुमार ने 24 जून को कोतवाली में तहरीर दी गई थी, जिसमें पीड़ित ने पुलिस को बताया कि उनकी बाइक हीरो होंडा ग्लैमर (लाल रंग), जो 20 जून को दोपहर उनके घर से चोरी हो गई थी। प्राप्त तहरीर के आधार पर अज्ञात व्यक्ति के विरुद्ध मामला दर्ज कर एसआई कैलाश नगरकोटी को विवेचना सौंपी गई। एसएसपी मणिकांत मिश्रा के आदेश पर बाजपुर सीओ विभव सैनी के नेतृत्व में एसएचओ प्रवीण कोश्यारी द्वारा एक टीम गठित की गई। गठित टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज की जांच में एक संदिग्ध व्यक्ति की पहचान हुई। पुलिस टीम द्वारा केशोवाला तिराहा क्षेत्र में चेकिंग के दौरान बन्नाखेड़ा मार्ग पर मजार के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति को दो बाइक के साथ संदिग्ध अवस्था में पाया गया।

एसएसआई विनोद फर्त्याल द्वारा पूछताछ में उसने दोनों बाइक को चोरी करना स्वीकार किया और बताया कि वह दोनों बाइक को बैलपड़ाव (रामनगर) में बेचने की फिराक में था। पूछताछ में यह भी सामने आया कि दूसरी बाइक को उसने दो-तीन दिन पूर्व बाजपुर के सुभाष नगर क्षेत्र से चोरी किया था। गिरफ्तार युवक बाल अपचारी है, जिसे संरक्षण में लेकर किशोर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। पुलिस टीम द्वारा गिरफ्तार बाल अपचारी के पास से बाइक हीरो होंडा ग्लैमर- (लाल रंग) मय बाइक स्प्लेंडर प्लस को बरामद कर लिया है। पुलिस टीम द्वारा की गई इस त्वरित और प्रभावी कार्रवाई से क्षेत्र में हो रही बाइक चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास भी बढ़ेगा। पुलिस टीम में एसएसआई विनोद फर्त्याल, एसआई कैलाश नगरकोटी, का. जगदीश कोठियाल, सुरेन्दर कम्बोज शामिल रहे।

शिविर में विशेषज्ञों ने किया साधकों का उपचार

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। अखिल विश्व गायत्री परिवार के द्वारा पांच दिवसीय प्राकृतिक चिकित्सा उपचार शुद्धि योग एवं प्राकृतिक आहार उपचार शिविर का आयोजन किया गया । शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय साधको के अलावा दूर दराज से असाध्य रोगियों व प्राकृतिक चिकित्सा प्रेमियी,गायत्री परिवार के सदस्यों ने भागीदारी की। शिविर का गुरुवार को विधिवत समापन हो गया।

सिटी कॉन्वेंट स्कूल में चलने वाले पांच दिवसीय शिविर में स्टीम बाथ,मिट्टी लेप, एनीमा, प्राकृतिक आहार,उपवास,योग,गायत्री जाप आदि से प्राकृतिक उपचार किया गया । प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ जितेन्द्र सिंह प्रज्ञ और पन्नालाल,नंदू भैया की देखरेख में साधकों का उपचार किया गया।

समापन दिवस पर मुख्य अतिथि बसंत पाण्डेय प्रबधक गायत्री पीठ हल्द्वानी ने मां गायत्री के चित्र के आगे दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभ आरम्भ किया और गायत्री परिवार के संस्थापक आचार्य श्रीराम शर्मा के उद्देश्यों और विश्व कल्याण के कार्यो की विस्तार से जानकारी दी और प्राकृतिक चिकित्सा का शिविर भविष्य में फिर लगा कर इस पद्यति के प्रचार प्रसार और लाभ जन जन तक पहुचाने के लिए गायत्री परिवार से जुड़ने की अपील की।

इस अवसर पर मोहन सिंह बिष्ट, भुवन चन्द्र भट्ट, जगदीश चन्द्र पाण्डेय, पुष्पा उपाध्याय, मंजू कुंवर, दया भट्ट, मीना बोरा, ज्योतिपाल, जगत सिंह सिरोला, अशोक वर्मा, गीता वर्मा, पुष्पा धामी, शिविर के आयोजक प्रबन्धक मोहन चन्द्र उपाध्याय, नर सिंह कुंवर, शांति पाण्डेय, प्रवीन उपाध्याय, बीएस मेहता, तिलक उपाध्याय समेत तमाम लोग मौजूद रहे ।

गन्ना प्रबंध समिति चुनाव को मतदाता सूचियों का अवलोकन

- 4007-514 हेक्टेयर गन्ना क्षेत्र के लिए 50 डेली गेट निर्वाचित
- प्रबंध समिति के डायरेक्टर का चुनाव चार जुलाई को होगा

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। खटीमा- मझोला सहकारी गन्ना विकास समिति के 4007.514 हेक्टेयर गन्ना क्षेत्र के 11 डायरेक्टर के नामांकन पत्र बुधवार से बिक्रय शुरू हो गया है। मंगलवार 24 जून को गन्ना विकास समिति कार्यालय पर मतदाता सूचियों का अवलोकन किया गया। 50 डेलीगेटों (सामान्य निकाय के प्रतिनिधि) का 20 जून को निर्विरोध निर्वाचन हुआ था। वहीं चंदेली, दियां चांदपुर, नगला, नौगवां ठग्गूं, नौसर कुटरा, पूरनापुर बेरीघाट, प्रतापपुर, बनबसा, बरी अंजनियां, मझोला तथा सुनपहर निर्वाचन क्षेत्र के लिए 11 प्रबंध कमेटी सदस्यों डायरेक्टरों का निर्वाचन चार जुलाई को होना है।

डायरेक्टर पदों के प्रत्याशी 25 जून को नामांकन पत्र खरीदेंगे। सहकारी गन्ना विकास समिति सचिव महेन्द्र यादव ने बताया कि प्रबंध कमेटी सदस्यों के निर्वाचन संबंधी तैयारियों की प्रक्रिया जारी है। सचिव यादव ने बताया कि 24 जून को अंतिम मतदाता सूची का प्रदर्शन किया गया तथा 25 जून को नामांकन पत्रों की बिक्री, दाखिल करना तथा प्राप्त नामांकन पत्रों की सूची का प्रदर्शन होगा। 26 जून को नामांकन पत्रों की जांच आपत्तियों का निराकरण, वैघ नामांकन की सूची का प्रदर्शन होगा। 27 को नामांकन पत्र वापसी और अंतिम वैघ नामांकन पत्रों की सूची का प्रदर्शन व चुनाव चिन्ह आवंटन होंगे। आवश्यकता पड़ने पर 4 जुलाई को मतदान व निर्वाचन परिणाम घोषित होंगे। पांच जुलाई को सभापति, उपसभापति एवं अन्य समितियों को भेजे जाने वाले प्रतिनिधियों का निर्वाचन होगा। समिति सचिव महेन्द्र यादव ने बताया कि गत वर्ष 3582 हेक्टेयर गन्ने का क्षेत्रफल था। इस वर्ष 4007. 514 हेक्टेयर क्षेत्रफल में गन्ना है।

विश्व मादक पदार्थ दिवस पर किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

बाजपुर। जिला उधम सिंह नगर विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वाधान में विश्व मादक पदार्थ दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर सचिव योगेंद्र कुमार सागर के निर्देशन में उप जिला चिकित्सालय बाजपुर में वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डा. महेंद्र कुमार जयशवाल की अध्यक्षता में विश्व मादक पदार्थ दिवस पर पराविधिक कार्यकर्ता मोहम्मद शहीद ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ऊधम सिंह नगर से मिलने वाली नि:शुल्क विधिक सेवाओं और नालसा राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 15100 की जानकारी दी। डा. महेंद्र कुमार ने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के विषय मे जानकारी दी।

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स पंजाब राईस मिल रुद्रपुर रोड किच्छा जिला उधम सिह नगर, उत्तराखण्ड जो कि एक पंजीकृत सांझेदारी फर्म है में दिनांक 24.06.2025 से फर्म का पुनर्गठन नवीन शर्तो के अनुरूप नवीन सांझीदार Sh.Manoj Yadav S/o Sh. Ramanand Yadav Aadhar No-5850 9126 6707 and Smt-Anshu Yadav W/o Sh-Manoj Yadav Aadhar No-9914 7378 0129 शमिल कर लिया गया है तथा Shri Satish Kumar S/o Shri Pyarelal and Smt. Sunita wife of Shri Satish Kumar फर्म से अपनी स्वेच्छा से पृथक हो गये है। अब फर्म के निरन्तर/नये/कन्टिन्यू सांझीदार Sh. Manoj Yadav and Smt Anshu Yadav जी हैं।
कृते मैसर्स पंजाब राईस मिल रुद्रपुर रोड किच्छा जिला उधम सिह नगर, उत्तराखण्ड द्वारा मनोज यादव, सांझीदार।

पुलिस से नशे के प्रति ग्रामीणों को किया जागरुक

शाह टाइम्स संवाददाता

नानकमत्ता । नशा मुक्ति अभियान के तहत प्रतापपुर चौकी पुलिस ने ग्रामीणों को नशे के प्रति जागरूक करते हुए पुलिस को सहयोग करने की अपील की। गुरुवार को प्रतापपुर चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक राजेंद्र पंत के नेतृत्व में थाना नानकमत्ता के ग्राम प्रतापपुर,सड़ासड़िया चौराहे पर नशे के दुष्प्रभाव से लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान चौकी प्रभारी राजेंद्र पंत ने यहां लोगों को जागरुक करते हुए कहा कि नशे की जद में आकर कई कई युवा अपने जीवन के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अपने आस पास होने वाले नशे के कारोबार व नशा बेचने वालों की सूचना पुलिस को दें। सूचना देने वालों के नाम गोपनीय रखे जाएंगे तथा नशे का कारोबार करने वालों के विरुद्ध नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जाएगी। यहां प्रतापपुर चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक राजेंद्र पंत, सिपाही गिरीश चन्द्र, नीरज नेगी, ग्राम प्रधान अवतार सिंह, प्यारा सिंह, जसपाल सिंह, तेज प्रताप सिंह, रघू सिंह बोरा सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

पूर्णागिरि मेले को लेकर प्रशासन गंभीर

मेले के वर्ष भर जारी रहने से चंपावत जिले का होगा समग्र विकासः जिलाधिकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। उत्तर भारत में आस्था के प्रमुख केंद्र पूर्णागिरि मेले में तीर्थ यात्रियों को बेहतर सुविधाएं मिलने एवं मुख्यमंत्री द्वारा इस मेले को वर्ष भर आयोजित करने की घोषणा को जमीनी भी रूप देने के लिए जिलाधिकारी मनीष कुमार ने यहां की परिस्थितियों का जायजा लेना शुरू कर दिया है। उन्होंने ककराली गेट से लेकर मुख्य मंदिर तक पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण चूका गांव का भी सरसरी तौर पर निरीक्षण किया।

वर्तमान में जिला पंचायत प्रतिवर्ष 15 मार्च से 15 जून यानी तीन माह तक के लिए की मेले में यात्रियों को सुविधाएं देती है, जबकि बरसात को छोड़कर शेष माहों में भी यहां तीर्थ यात्रियों की आवाजाही बनी रहती है। बरसात में किरोड़ा एवं बटलागाड़ तीर्थ यात्रियों की राह रोक देते हैं। यहां साल भर तक मेला आयोजित करने के लिए विशेषज्ञों की राय ली जाएगी। तीर्थ यात्रियों के लिए धर्मशाला, पार्किंग, स्वच्छता, चिकित्सा, पेयजल, आदि की स्थाई सुविधा के लिए अलग नजरिए से देखने की जरूरत होगी। हालांकि जिलाधिकारी ने अपने दौरे में साथ गए तकनीकी अधिकारियों को विभिन्न कार्यों की डीपीआर बनाने को कहा है। वैसे लोग पूर्णागिरि मेले का वैष्णो देवी की तर्ज पर समग्र विकास के लिए यहां भी ट्रस्ट बनाने की मांग करते आ रहे हैं। इसके लिए चंपावत जिले की स्थापना के साथ ही यहां के एक पीसीएस अधिकारी को वैष्णो देवी भेज कर ट्रस्ट बनाने के लिए रफ कार्य किया भी जा चुका है, जो अभी ठंडे बस्ते में पड़ा हुआ है।

पूर्णागिरि को ट्रस्ट का रूप देने से पूर्व ष्पूर्णागिरि मेला विकास प्राधिकरणष की भी मांग दबी हुई है यदि बनबसा से पूर्णागिरि तक के क्षेत्र को प्राधिकरण की परिधि में लाते हुए यहां का विकास किया जाए तो मेला क्षेत्र का फैलाव होने के साथ वर्ष भर तीर्थ यात्रियों की आवाजाही सुनिश्चित रखी जा सकती है। जिलाधिकारी ने अपने पहले दौर में मेले की व्यवस्थाओं व भविष्य के विकास की संभावनाओं पर अपना ध्यान केंद्रित किया है। डीएम का मानना है कि यहां वर्ष भर मेला आयोजित किए जाने से जिले का पर्यटन,धार्मिक पर्यटन, इको टूरिज्म की व्यापक संभावनाओं को यह मेला मूर्त रूप देगा। जिलाधिकारी के भ्रमण में पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, एडीएम जयवर्धन शर्मा, एसडीएम निलेश नौटियाल, आकाश जोशी समेत तकनीकी विभागों के अधिकारी साथ थे।

जूनियर नेशनल बॉक्सिंग चैम्पियनशिप में खुशी चंद ने जीता स्वर्ण पदक

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। रोहतक, हरियाणा में 19 जून से 25 जून, 2025 तक सम्पन्न हुई जूनियर नेशनल बालक-बालिका बॉक्सिग चैम्पियनशिप-2025 में पिथौरागढ़ की खुशी चंद ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीतकर जनपद एवं राज्य का गौरव बढ़ाया है। खुशी ने 44-46 भार वर्ग में पहले मुकाबले में यूपी, दूसरे मुकाबले में केरल, क्वार्ट्र फाइनल में पंजाब एवं सेमीफाईनल में चंडीगढ़ एवं फाइनल मुकाबले मे दिल्ली की मुक्केबाज को 3-2 से पराजित कर प्रतियोगिता में उल्लेखनीय जीत दर्ज की।

खुशी चंद वर्तमान में मल्ल एकेडमी में विजेन्द्र मल्ल से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। खुशी चंद अंत. रराष्ट्रीय बॉक्सर निकिता चंद की बहन है तथा मूल रूप से बड़ालू गॉव की रहने वाली है। खेल विभाग के अधीन संचालित आवासीय बालिका बॉक्सिग छात्रावास, पिथौरागढ़ में प्रशिक्षणरत अलिशा ने इसी चैम्पियनशिप में कॉस्य पदक जीता। अलिशा वर्तमान में छात्रावास, पिथौरागढ़ में सुनीता मेहता एवं कै. देवी चंद से प्रशिक्षण प्राप्त कर रही है। जिला क्रीड़ा अधिकारी अनूप बिष्ट ने बताया कि खुशी का चयन 15 से 30 अगस्त तक चीन में होने वाले ट्रेनिंग/टूर्नामेंट के लिये भी हुआ है तथा अक्टूबर में बहरीन में होने वाली एशियन यूथ चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

विकास एवं रोजगार रोक सकता है पलायन

■ सीमा से लगे लेटी गांव में खेती फल-फूल व मौन पालन की है अपार संभावनाएं: डा. लखेड़ा

शाह टाइम्स संवाददाता

लोहाघाट। नेपाल सीमा से लगे लोहाघाट ब्लॉक के अंतिम गांव लेटी के विकास एवं पलायन रोकने के लिए स्थानीय पीजी कॉलेज के डा. प्रकाश लखेड़ा ने गांव के लोगों से पूछ कर यहां की जाने वाली पारंपरिक जैविक खेती एवं बाग. वानी को आधुनिक ज्ञान विज्ञान से जोड़ने एवं रोजगार के माध्यम से लोगों का पलायन रोकने पर जोर दिया है।

यह बात सीमावर्ती क्षेत्र में पलायन की स्थिति का अध्ययन करने गए डॉ लखेड़ा ने कहा कि सीमावर्ती क्षेत्रों के लोग हमारे नागरिक ही नहीं बल्कि बिना वर्दी की ऐसी सुरक्षा दीवार है जिनकी बराबर सीमा की घटनाओं में नजर रहती है। सीमा के इस गांव में सड़क यातायात, शिक्षा, चिकित्सा स्वास्थ्य, की स्थिति सोचनीय है। जीवन की घोर जटिलताओं के बीच संघर्ष करते आ रहे लोगों का अपनी माटी से मोह बना हुआ है। यहां की जाने वाली जैविक खेती की लागत कम करने यहां पपीता, आम, कटहल, कड़ी पत्ता, सिट्रस फलों का अलग ही स्वाद है। तथा इनके उत्पादन की अपार संभावना है। हाड़ तोड़ मेहनत के बाद लोग उत्पाद करते हैं, तो मार्केटिंग की समस्या से उन्हें जूझना पड़ता है। सर्दी जुकाम जैसे रोगों को तो यहां के लोग यूं ही मरोड़ देते हैं। यहां की सड़क, पुल, सिंचाई नहरें टूटी हुई है। लोगों का कहना है कि सड़कों के मामले में नेपाल भारत से आगे बढ़ता जा रहा है। डॉ लखेड़ा का कहना है कि यहां के लोगों के नेपाल से रोटी- बेटी के रिश्ते रहे हैं। जिससे यहां की संस्कृति में दोनों देशों का घालमेल रहा है। इस दौरान यहां के युवाओं को स्वामी विवेक. ानंद जी के संदेश से जोड़ते हुए उन्हें नशे से दूर रहने व दूसरों को ऐसा करने से रोकने की प्रेरणा देते हुए डॉ लखेड़ा ने कहा सीमा क्षेत्र के युवाओं को बलशाली होने से ही सीमाओं की रक्षा की जा सकती है। इस दौरान उन्होंने युवाओं को स्वामी जी की मूर्तियां भी भेंट की।

छात्र-छात्राओं से की नशे से दूर रहने की अपील

■ अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाया

शाह टाइम्स संवाददाता

बनबसा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंपावत के तत्वावधान में केंद्रीय विद्यालय नंबर वन में अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस मनाया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य चंदन सिंह की अध्यक्षता और पीएलबी विजेंद्र अग्रवाल और पीएलबी अर्जुन सिंह के संयुक्त संचालन में केंद्रीय विद्यालय नंबर वन के ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को नशे के सेवन से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताते हुए उन्हें नशे के विरुद्ध जागरूक किया।

इस अवसर पर पीएलबी बृजेंद्र अग्रवाल ने छात्र-छात्राओं से आग्रह किया कि वह मादक पदार्थों से दूर रहें और उन्हें नशा ही करना है तो वह पढ़ाई का नाश करें ताकि अपना उज्जवल भविष्य बना सकें। रियलमी अर्जुन सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार समाज कल्याण और सशक्तिकरण मंत्रालय के सर्वे और आंकड़ों के मुताबिक देशभर में 37 करोड लोग किसी न किसी प्रकार का नशा करते हैं। यह आंकड़ा बेहद डरावना और गंभीर है। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वह संकल्प लें कि वह जीवन में कभी भी किसी भी प्रकार का नशा नहीं करेंगे। पीएलबी शमशाद बानो ने नशा जिस प्रकार से समाज में फैल रहा है और युवाओं को भी अपनी चपेट में लेता जा रहा है, यह बहुत गंभीर है। पीएलबी हरिप्रिया जोशी ने कहा कि आज आसानी से समाज में कहीं भी मादक द्रव्य उपलब्ध हो जाते हैं और अब समय आ गया है की नीति नियंता नशे को रोकने के लिए और भी गंभीर व्यवस्था बनाएंस पीएनबी रितु महर ने कहां की बच्चों पर घर परिवार के माहौल का भी बहुत असर पड़ता है। पीएलबी दीपा देवी ने नशे के विरुद्ध छात्र-छात्राओं को आगाह करते हुए उपस्थित सभी लोगों को नशे के विरुद्ध शपथ दिलवाई। पीएलबी पूजा जोशी ने कहा कि नशा समाज में बहुत तेजी से अपनी जड़े प्रसार रहा है। इस अवसर पर मौजूद विद्यालय के प्रधानाचार्य चंदन सिंह और अग्निशमन विभाग और पुलिस विभाग से आए प्रतिनिधियों ने भी नशे के विरुद्ध छात्र-छात्राओं को जागरूक किया।

एक नजर

प्रॉपर्टी डीलर आनंद सिंह नेगी का निधन

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। प्रॉपर्टी डीलर आनंद सिंह नेगी के आकस्मिक निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों,सामाजिक और छात्र संगठनों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

इस दौरान विधायक दीवान सिंह बिष्ट, ब्लॉक प्रमुख रेखा रावत,सांसद प्रतिनिधि इंदर सिंह रावत,भाजपा के प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल,भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व पालिकाध्यक्ष भागीरथ लाल चौधरी,पूर्व पालिकाध्यक्ष उर्मिला चौधरी,पूर्व विधायक रणजीत सिंह रावत,सांसद प्रतिनिधि नवीन करगेती,पूर्व ब्लॉक प्रमुख संजय नेगी,युवा कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता एडवोकेट फैजुल हक,भाजपा नगर अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती,भाजपा नेता गणेश रावत,भाजपा नेता शिशुपाल सिंह रावत,भाजपा नेत्री आशा बिष्ट,कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देशबंधु रावत,भाजपा ग्रामीण मंडल के पूर्व अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह रावत,भाजपा नेता संजय बिष्ट,पूर्व राज्यमंत्री पुष्कर दुर्गापाल,युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुमित लोहनी, छात्रसंघ अध्यक्ष ललित कड़कोटी,पूर्व राज्यमंत्री अमिता लोहनी,पूर्व मंत्री दिनेश मेहरा,पूर्व सभासद रुबीना सैफी, डॉक्टर जफर सैफी,सभासद तनुज दुर्गापाल, पूर्व सभासद भुवन डंगवाल,नेकी की दीवार के संयोजक ताराचंद्र घिल्डियाल,युवा कांग्रेस नेता अभिमन्यु डंगवाल, प्रधान हज्जन नरगिस,प्रधान प्रतिनिधि हाजी शकील अहमद अंसारी,भाजपा नेता विपिन कांडपाल,शोभा कांडपाल,भाजपा के पूर्व नगर अध्यक्ष सत्यप्रकाश शर्मा,रुचि गिरी शर्मा,भाजपा नेता अनवर मलिक,राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी, रिनेसा कॉलेज के प्रबंध निदेशक आलोक गुसाई,पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य धीरेंद्र सिंह चौहान आदि लोगों ने शौक व्यक्त किया है।

पानी की बाल्टी छूने पर नाराज हुई युवती ने लगाई फांसी

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। ट्रांजिट कैंप क्षेत्र में गुरुवार को एक 20 वर्षीय युवती द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर लेने का मामला सामने आया। मृतका फार्मासिस्ट कोर्स कर चुकी थी और एक होम्योपैथिक क्लीनिक में कार्यरत थी। घटना के बाद परिवार में मातम छा गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और मामले की जांच शुरू कर दी है।

मृतका की पहचान अर्चना सरकार (24) निवासी डी ब्लॉक, ट्रांजिट कैंप के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, अर्चना रिजर्व स्वभाव की थी और अपने सामानों को लेकर काफी सतर्क रहती थी। परिवारजनों ने बताया कि अर्चना पूर्व में भी दो-तीन बार आत्महत्या का प्रयास कर चुकी थी, इसी वजह से उसके पिता ने कमरे के दरवाजे की चिटकनी तक हटा दी थी। घटना के दिन मामूली बात पर नाराज होकर अर्चना ने जान दे दी। बताया गया कि उसकी मां ने पानी से भरी एक बाल्टी को हाथ लगा दिया था, जिस पर अर्चना नाराज हो गई थी।

सीएम हेल्पलाइन पोर्टल की समीक्षा की

शाह टाइम्स संवाददाता

पिथौरागढ़। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता सीएम हेल्पलाइन पोर्टल की समीक्षा हेतु वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बैठक आहुत हुई, जिसमें जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी, पुलिस अधीक्षक रेखा यादव, मुख्य विकास अधिकारी डा. दीपक सैनी, प्रभागीय वनाधिकारी आशुतोष सिंह सहित जनपद के समस्त विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया।

बैठक में मुख्यमंत्री ने कुछ शिकायतकर्ताओं की शिकायतों की स्थिति जानने हेतु फोन के माध्यम से बात की। इस दौरान जनपद पिथौरागढ़ के निवासी जोशी की पानी की समस्या की शिकायत हेतु मुख्यमंत्री ने बात की जिस पर शिकायतकर्ता ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि उनकी पानी की समस्या वाली शिकायत का निस्तारण 48 घंटे के अन्दर ही हो गया था और संबन्धित विभाग के अधिकारी ने कॉल कर जानकारी भी दी।

उन्होंने बताते हुए कहा कि कोई भी परेशानी होती है तो वह ब्ड हेल्पलाइन पोर्टल का इस्तेमाल करते हैं और उन समस्याओं का निस्तारण 24 से 48 घंटे के अन्दर ही हो जाता है। मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि क्या आप अब संतुष्ट हैं।

इस पर उन्होंने मुख्यमंत्री और जिला प्रशासन का धन्यवाद ज्ञापित किया और उन्होंने इस पोर्टल हेतु बधाई भी दी और इस अच्छे और नेक काम के लिए शुभकामनाएं भी दी।जिलाधिकारी विनोद गोस्वामी ने समस्त विभागों को बधाई दी और ये भी माना कि शिकायतों के निस्तारण हेतु सारे अधिकारी व्यक्तिगत रूप से कॉल कर रहे हैं जिस वजह से इस बार पेंडिंग शिकायतें नहीं हैं। मुख्यमंत्री के सुझाव के क्रम में जिलाधिकारी प्रत्येक माह के 2 एवं 4 मंगलवार को ब्ड हेल्पलाइन पोर्टल की शिकायतों हेतु जनपद के समस्त विभागों साथ बैठक करेंगे।

नगर पालिका ने तीन मीट विक्रेताओं का किया चालान

शाह टाइम्स संवाददाता

चंपावत। नगर पालिका द्वारा नगर क्षेत्र में स्वच्छता को बनाए रखने के लिए आज नगर क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में ईओ ने दलबल के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान मीट विक्रेताओं द्वारा दुकान में गंदगी रखने तथा मांस के टुकड़े को सड़क में फेंकने पर एंटी लेटरिंग एक्ट 2016 के तहत तीन लोगों का चालान कर उनसे 3000 का राजस्व प्राप्त किया।

पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण 27 जून को

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। मुस्लिम छीपी वेलफेयर सोसाइटी, जसपुर के नव निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह 27 जून 2025 को रात्रि 10:00 बजे खेड़ा रोड स्थित जसपुर के सिटी पैलेस में आयोजित किया जाएगा । उक्त जानकारी मुस्लिम छिपी वेलफेयर सोसाइटी के नवनियुक्त अध्यक्ष नफीस कैलेंडर वालों ने दी।

होली चाइल्ड में समस्या-समाधन कौशल पर कार्यशाला आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रपुर। होली चाइल्ड स्कूल में "समस्या-समाधान को बढ़ावा देने" विषय पर एक प्रेरणादायक एवं प्रभावशाली कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में विद्यालय के प्रधानाचार्य मिंटू दुबे, उप-प्रधानाचार्य (प्रशासन) प्रदीप जोशी एवं उप-प्रधानाचार्य (शैक्षणिक) मंजू अधिकारी के साथ-साथ सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

इस विशेष सत्र का संचालन मिलेनियम पब्लिकेशन से पधारे सुप्रसिद्ध विषय विशेषज्ञ सुनंदा कपूर द्वारा किया गया। उनकी प्रस्तुति न केवल ज्ञानवर्धक रही, बल्कि सभी प्रतिभागियों को सक्रिय रूप से जोड़ते हुए अत्यंत रोचक एवं विच. ारोत्तेजक गतिविधियों से भरपूर रही। कार्यशाला ने शिक्षकों को एक ऐसा मंच प्रदान किया जहां वे एक-दूसरे से सीखते हुए, अपने अनुभव साझा कर, विद्यार्थियों में समस्या-समाधान कौशल विक. सित करने के नए दृष्टिकोण प्राप्त कर सके। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्राचार्य मिंटू दुबे ने सुनंदा कपूर का आभार व्यक्त करते हुए आज के युग में समस्या-समाधान कौशल की अनिवार्यता पर बल दिया।यह कार्यशाला अत्यंत सफल रही, जिसमें प्रतिभागियों ने न केवल ज्ञान अर्जित किया, बल्कि अपनी शिक्षण शैली में नवाचार लाने की प्रेरणा भी प्राप्त की।

अलग-अलग मामलों में दस आरोपियों को दबोचा

■ जानलेवा हमला, पुलिस से अभद्रता समेत कई आरोप

शाह टाइम्स संवाददाता

रामनगर। कोतवाली पुलिस रामनगर ने एक युवक पर जानलेवा हमला करने के मामले में फरार चल रहे सात आरोपियों को गिरफ्तार किया तो वहीं पुलिस ने रात्रि डियूटी के दौरान हेड कांस्टेबल और एक अन्य पुलिस कर्मी के साथ गाली गलौज करने के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की।

घटना के संबंध में कोतवाली के वरिष्ठ रूप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि 13 जून की रात को शिवलालपुर चुंगी शाने पंजाब ढाबे के समीप दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई थी जिसमें ग्राम बेड़ाझाल निवासी सारिम की हत्या हो गई थी उन्होंने बताया कि इस मामले में घटना के मुख्य आरोपी सिकंदर व उसके कुछ साथियों को पुलिस पूर्व में जेल भेज चुकी है। उन्होंने बताया कि इस मामले में मुख्य आरोपी सिकंदर भी घायल हो गया था जिस पर घायल सिकंदर के पिता पूर्व सभासद मोहम्मद उस्मान की तहरीर पर उक्त घटना में शामिल आरोपियों की तलाश के लिए प्रहलाद नारायण मीणा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नैनीताल द्वारा प्रकाश चन्द पुलिस अधीक्षक हल्द्वानी को विशेष टीम गठित कर आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी के लिए निर्देशित किया गया।इसी के तहत पुलिस क्षेत्राधिकारी रामनगर सुमित पांडे के पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक कोतवाली अरुण कुमार सैनी के निर्देशन में कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया।उक्त टीम द्वारा तत्काल कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी अविनाश पुत्र विजय सिंह निवासी बेड़ाझाल रामनगर, अंकित, सौरभ, पवन सैनी, आशीष शर्मा, विशाल सैनी, योगेन्द्र कुमार उर्फ जोनी, मारूफ उर्फ वसीम सहित कुल 09 आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त हथियार बरामद किये गये।उन्होंने बताया कि सभी आरोपियों को कोर्ट में पेश करने की कार्यवाही की गई है।बताया कि आईआरबी बैलपडाब में तैनात हेड कांस्टेबल कमल मेहरा और एक अन्य पुलिस कर्मी के साथ 24 जून की रात को चोरपानी तिराहे पर पिकेट ड्यूटी कर रहा था इसी बीच मोहल्ला खताड़ी निवासी इमरान, मारूफ और मोहम्मद शमी द्वारा पुलिसकर्मी के साथ अभद्रता एवं गाली-गलौज करने के साथ ही उसका मोबाइल फोन छीनने का प्रयास किया गया उन्होंने बताया कि इस मामले में भी उक्त तीनों आरो. पियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने की कार्रवाई की है।कोर्ट ने आरोपियों को जेल भेज दिया है।इस दौरान पुलिस टीम मे कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार सैनी, वरिष्ट उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस, उप निरीक्षक जोगा सिंह, उप निरीक्षक तारा सिंह राणा, उप निरीक्षक धर्मेन्द्र कुमार,उप निरीक्षक गगनदीप सिंह, कॉस्टेबल गोविंद सिंह,जसवीर सिंह, दिनेश नाथ, अशोक काम्बोज, महबूब आलम शामिल रहे।

विधयक पांडे ने विद्युत की चपेट में आए युवक के परिजनों को सौंपा चेक

शाह टाइम्स संवाददाता

गदरपुर। पिछले एक साल पूर्व अपने घर के खुले बाथरूम में नहा रहे युवक की करंट की चपेट में आने से मृत्यु हो गई थी। इस मामले में क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडे के प्रयासों से परि. जनों को मुआवजा धनराशि का चेक सौंपा गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पिछले एक वर्ष पूर्व वार्ड नंबर 3 निवासी युवक विशेष अपने घर के बाहर खुले बाथरूम में नहा रहा था जिसके ऊपर विद्युत विभाग की लाइन जा रही थी। अचानक करंट की चपेट में आने से नहा रहे युवक विशेष झुलस गया सूचना मिलने पर परि. जनों द्वारा तत्काल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करते हुए पोस्टमार्टम भेजा। वहीं

अब गुरुवार को क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडे के प्रयासों से विद्युत विभाग की ओर से मृतक विशेष के परिजनों को 320000 की धनराशि का चेक प्रदान किया गया। इससे पूर्व भी क्षेत्रीय विधायक अरविंद पांडे के प्रयासों से मृतक के परिजनों को 80000 रुपये की सहायता राशि दी जा चुकी हौ इस दौरान पूर्व पालिका अध्यक्ष राकेश भुड्डी, अतुल पांडे,योगेश पा, अनिल जेटली, संतोष गुप्ता, नितिन गुप्ता,सुरेश कंबोज, राहुल कुमार आदि मौजूद थे।

पुलिस ने चलाया नशा मुक्त अभियान

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद उधम सिंह नगर मणिकांत मिश्रा के निर्देशानुसार जसपुर, ऊधम सिंह नगर पुलिस द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अन्तर्गत दिनांक 12 से 26 जून तक राष्ट्रीय स्तर पर चलाए गए नशा मुक्त भारत अभियान के क्रम में जसपुर कोतवाली क्षेत्र के स्कूल-कॉलेजों और मुख्य मुख्य चौराहों पर नशे के विरुद्ध चलाए जा रहे जागरूकता अभियान संबंधी फ्लेक्सियां लगाई गईं व पोस्टर चस्पा किए गए।

अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

शाह टाइम्स संवाददाता

खटीमा। अंतर्राष्ट्रीय नशा निषेध दिवस पर गुरुवार को बाजार पुलिस चौकी से खटीमा पुलिस द्वारा उच्च अधिकारियों के निर्देश पर जन जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। इस दौरान दर्जनों ई-रिक्शा में नशे के विरुद्ध फ्लेक्सी स्लोगन लगाकर खटीमा मुख्य चौराहे से गोटिया, इस्लामनगर, कंजाबाग से होते हुए थाने तक जन जागरूकता रैली निकाली गई।

इसके अलावा उप निरीक्षक रूबी मौर्य द्वारा निर्मल दर्शन नशा मुक्ति केंद्र के साथ मिलकर ईस्टर कंपनी तथा नई बस्ती इस्लामनगर क्षेत्र में नशा उन्मूलन के संबंध में लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान स्थानीय एवं क्षेत्र के युवाओं और लोगों को नशे के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी देकर नशे के प्रति जागरूक और सचेत किया गया।इस दौरान पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक मनोहर सिंह दसौनी, उनि पंकज महर, उनि रूबी मौर्य, का. इसाक मोहम्मद, दीपक कुमार, नवीन खोलिया तथा त्रिभुवन आदि शामिल थे।

स्वतंत्रता सेनानी व उनकी पत्नी को मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

शाह टाइम्स संवाददाता

जसपुर । मोहल्ला चौहान निकट आर्य समाज मंदिर, निवासी लोकतंत्र सेनानी डॉक्टर लोकमन सिंह गहलोत व उनकी धर्मपत्नी चित्रा देवी को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा 25 जून 2025 को आपातकाल के विरोध में मनाये गए काले दिवस पर देहरादून में आयोजित सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया ।उन्होंने सम्मानित किए जाने पर मुख्यमंत्री का आभार वक्त किया और उनकी कार्य प्रणाली की सराहना की ।लोकतंत्र सेनानी डॉक्टर लोकमन सिंह गहलोत ने बताया कि 25 जून सन 1975 को जब आपातकाल लागू हुआ था,तब वे बरेली के स्टेट आयुर्वैदिक कॉलेज में ट्रेनिंग कर रहे थे। उस समय उन्होंनेे वहीं के अपने 04 अन्य साथियों के साथ मिलकर आपातकाल के विरोध में सत्याग्रह किया था और उन्होंने सत्याग्रह में शामिल लोगों के साथ आपातकाल का डटकर विरोध किया था । जिसके दौरान उन्होंने आपातकाल के विरोध में जमकर नारेबाजी की थी और आपातकाल विरोधी पैंपलेट वितरित किए थे। जिसके दौरान 25 दिसंबर सन् 1976 को पुलिस ने उन्हें व उनके साथियों को गिरफ्तार कर लिया था और जेल भेज दिया गया था। वे और उनके साथी 5 माह तक बरेली जिला जेल में बंद रहे । उनके साथ सत्याग्रह करने व जेल जाने वालों में बरेली इंटर कॉलेज के 2 छात्र, एक छात्र बरेली डिग्री कॉलेज का व एक एडवोकेट शामिल थे।

प्रख्यात शिक्षिका व समाजसेविका बीना पांडे का निधन

बाबा नीम करौली महाराज की अनन्य भक्त भी थीं, नम आंखों से नैनीताल ने विदाई दी

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। सरोवर नगरी नैनीताल की जानी-मानी शिक्षिका और समाजसेवा में अग्रणी रहीं बीना पांडे का मंगलवार को दिल्ली में हृदयगति रुकने से निधन हो गया। 76 वर्षीय बीना पांडे तल्लीताल बाजार निवासी थीं और स्व. कर्नल अनिल पांडे की पत्नी थीं। उनके निधन की खबर से पूरे नैनीताल शहर में शोक की लहर दौड़ पड़ी, और शिक्षा व सामाजिक जगत ने एक प्रेरणादायी व्यक्तित्व को खो दिया।

बीना पांडे बिशप शा। इंटर कॉलेज की वरिष्ठ शिक्षिका रहीं, जहां से उन्होंने दीर्घकालीन शिक्षण सेवा के बाद सेवानिवृत्ति ली थी। अपने कार्यकाल में उन्होंने न केवल शिक्षा दी, बल्कि अनेक छात्र-छात्राओं के जीवन को दिशा दी। उनके विद्यार्थियों और सहकर्मियों में उनके प्रति अपार सम्मान था।

सेवानिवृत्ति के बाद बीना पांडे अपने पुत्र अभय पांडे के साथ दिल्ली और पुत्री रोहिणी पांडे कुमार के साथ इंग्लैंड में रहती थीं। निधन के समय वे दिल्ली में थीं। परिजनों के अनुसार, बीना पांडे नीम करौली बाबा की अनन्य भक्त थीं और जीवन की अंतिम सांस तक नैनीताल में रहने की इच्छा रखती थीं। उनकी यही अंतिम इच्छा पूरी करते हुए पुत्र अभय पांडे उनका पार्थिव शरीर नैनीताल स्थित उनके आवास लेकर आए, जहां से गुरुवार को बैंड-बाजे और गेंदे के फूलों से सजे शव वाहन के साथ उनकी अंतिम यात्रा निकाली गई। शवयात्रा तल्लीताल डांठ से पाषाण देवी मंदिर होते हुए पाइंस स्थित श्मशान घाट पहुंची, जहां धार्मिक रीति-रिवाजों के साथ उनका अंतिम संस्कार किया गया। इस दौरान इंग्लैंड से उनकी पुत्री रोहिणी पांडे कुमार भी नैनीताल पहुंचीं और परिवार के साथ इस भावुक क्षण में सहभागी बनीं। नाती धनंजय कुमार, नातिनी रूपरना कुमार, दामाद दीपक कुमार, भाई अभय बिष्ट, संजय बिष्ट सहित पूरा परिवार मौजूद रहा और हर आंख नम थी। बीना पांडे की अंतिम यात्रा में शहर के व्यापारी, समाजसेवी, शिक्षाविद, पूर्व छात्र और जनप्रतिनिधियों ने बड़ी संख्या में भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। शवयात्रा में अमनदीप आनंद, भुवन लाल शाह, नासिर खान, सुखदीप आनंद, राजेंद्र मंडल, शोभा तिवारी, संजय मेहरा, योगेश शाह, हनी छाबड़ा, कनक शाह, दिनेश, मोहम्मद महफूज सिद्दीकी, कर्नाटक पप्पू, संजू बिष्ट, मोहन नेगी, नीरज पंत, भागवत पंत, कमल खान, रजब खान, उमेश जोशी, पूरन तिवारी समेत अनेक गणमान्य नागरिकों ने दुख जताया और उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

ड्रग डिस्कवरी पर दिया व्याख्यान

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। कुमाऊं विश्वविद्यालय के एमएमटी टीसी तथा वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित रिफ्रेशर कोर्स जिसकी थीम रिसेंट एडवांसेज इन प्लांट साइंस रही के अंतिम दिन यानी वीरवार को मेनार्ड के निदेशक डा. बी कालाकोटी ने ड्रग डिस्कवरी पर विस्तृत व्याखयान दिया। इसी क्रम में एनबीआरआई के पूर्व वैज्ञानिक डा. एकेएस रावत ने पौधों की रासायनिक उपयोगिता पर बल दिया तत्पश्चात प्रतिभागियों ने एमसीक्यू के सवाल हल किए। समापन अवसर पर निदेशक प्रो. दिव्या उपाध्याय ने सभी सहायक प्राध्यापकों को कहा कि ये कोर्स हमें विषय पर अपडेट करते हैं तथा विषय पर नया करने तथा शोध को बढ़ावा देने के लिए नए सूत्र देता है। कोर्स कॉर्डिनेटर तथा विभागाध्यक्ष प्रो. ललित तिवारी ने सभी का धन्यवाद किया तथा कहा कि ये ट्रेनिंग हमें नई ऊर्जा देते हैं तथा बेहतर पाठ्यक्रम तैयार करने तथा विद्यार्थियों को ओर बेहतर शिक्षा देने के लिए प्रोत्साहित करने का मंत्र देते हैं। उन्होंने कुलपति प्रो.दीवान सिंह रावत समेत निदेशक प्रो. दिव्या ,डक्क रितेश साह तथा जतिन सहित सभी रिसोर्स पर्सन विमला, प्रो. एसपी सिंह, डा. डीके उप्रेती, डा. जीएस रावत, डा. सामंत, डा. कालाकोटी, प्रो. एन दुबे तथा प्रो. पांडे तथा डा. एकेएस रावत सहित सभी का धन्यवाद दिया। रिफ्रेशर कोर्स का समापन प्रमाण पत्र वितरण की घोषणा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर डा. मनीष बेलवाल, रीना दुबे, डा. मीरा माथुर, डा. लवलीन कौर सहित 146 प्रतिभागी जो जममू से केरल तथा गुजरात से बंगाल राज्यों से संबंधित रहे उपस्थित रहे।

भूमाफियाओं को धामी सरकार का संरक्षण

पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने नैनीताल में प्रदेश सरकार पर बोला हमला

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। सूबे के पूर्व सीएम हरीश रावत ने वीरवार को नैनीताल में पत्रकार वार्ता में कहा कि प्रदेश की धामी सरकार खनन माफियाओं तथा भूमाफियाओं को खुला संरक्षण दे रही है।

उन्होंने त्रिस्तरीय पंचायती चुनाव के मुद्दे पर कहा कि हाईकोर्ट के सामने जितने बिंदु आए हैं, सरकार ने जानबूझ यह गलतियां की हैं। कहा कि सरकार का पहले से ही पंचायत चुनाव कराने का इरादा नहीं था चुनाव टालने का था। इस तरीके से सारी प्रक्रिया को आगे बढ़ाया है जिस कारण मामला कोर्ट पंहुचा। पूर्व सीएम रावत ने कहा कि सबसे बढ़ी खामी सरकार का रूल बनाना उनको फॉलो नहीं करना है। कहा कि पंचायत राज्य एकट 2016 के अधीन रोस्टर बना हुआ है। उसका परिणाम कया होगा जिससे पूरी पंचायती चुनाव की धज्जियां उड़ा दी इससे साफ जाहिर होता है कि सरकार पंचायत चुनाव कराना नहीं चाहती। श्री रावत ने आरोप लगाया कि सरकार अपने ही मनपसंद के लोगों को खड़ा करके चुनाव जिताना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की धामी सरकार हर मोर्चे पर विफल साबित हो रही है। हालत यह है कि महिलाओं पर अत्यचार के मामले में बलात्कार के मामले में सत्ता के लोगों के नाम आ रहें है और सरकार उनको छुपाने के काम कर रही है। रावत ने कहा कि बेरोजगारी को रोकने के लिए सरकार कुछ नहीं कर रही है।सडको पर बड़े-बड़े डंपरो से लोगों को रौदने के मामले आ रहें हैं, जाम पूरे प्रदेश की बड़ी समस्या बन गया है। उन्होंने कहा धामी सरकार की विफलताओं को लेकर जल्द ही कांग्रेस कार्यकर्ता घर घर जाएंगे और हर मोर्चे पर विफल हो चुकी सरकार की नामाकियों को गिनाएंगें और जनता को कांग्रेस के प्रति जागरुक किया जाएगा। नगर के नैनी रिट्रीट होटल में हुई पत्रकार वार्ता के दौरान पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डा.रमेश पांडे, जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष राहुल छिम्वाल, पालिकाध्यक्ष डा. सरस्वती खेतवाल, नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नगर अनुपम कबडवाल, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अवतार सिंह समेत युवा कांग्रेसी नेता त्रिभुवन सिंह फर्तियाल, पूर्व पालिकाध्यक्ष मुकेश जोशी तथा संजय कुमार संजू समेत कई कांग्रेसी मौजूद रहे।

सफाई कर्मियों का धरना खत्म

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। नेशनल पेंशन स्कीम एनपीएस के भुगतान की मांग को लेकर नैनीताल में सोमवार से चला आ रहा देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ का धरना प्रदर्शन वीरवार को समाप्त हो गया। आंदोलित कर्मियों को पालिका प्रशासन की ओर से तीन दिन में समस्या के समाधान का आश्वासन दिया गया है। पालिका प्रशासन से हुई वार्ता के बाद संगठन ने प्रदर्शन को फिलहाल स्थगित कर दिया है। बता दें नेशनल पेंशन स्कीम एनपीएस के तहत कर्मचारियों की जमा धनराशि कर्मचारियों को दिए जाने की मांग को लेकर देवभूमि उत्तराखंड सफाई कर्मचारी संघ के बैनर तले सोमवार को पालिका कार्यालय में पर्यावरण मित्रों ने धरना प्रदर्शन शुरू किया था। वीरवार को हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि पालिका की ओर से उनके एनपीएस की वर्ष 2020 से पूर्व की राशि अल्मोड़ा अर्बन को ऑपरेटिव बैंक की मल्लीताल की शाखा में जमा की गई है। पूर्व में कर्मचारियों को प्लान नंबर जारी न होने के चलते धनराशि नहीं दी गई। अब उन्हें संबंधित नंबर भी जारी किया चुका है। नियमों के तहत प्रतिकूल परिस्थितियों में धनराशि दिए जाने का प्रावधान है लेकिन कर्मचारियों को इसका भुगतान नहीं किया जा रहा है। मामले को लेकर वीरवार को दोपहर बाद आंदोलित पर्यावरण मित्रों की पालिका के ईओ रोहिताश शर्मा से वार्ता हुई। तय हुआ कि तीन दिन के अंदर समस्या का समाधान कर दिया जाएगा। जिसके बाद संघ के अध्यक्ष त्रिलोचन टांक ने आंदोलन को स्थगित करने की घोषणा की। इस दौरान संघ के उपाध्यक्ष कमल कुमार, मनोज कुमार, विक्की सिललान, मंगू लाल, महेंद्र लाल, अमन टांक, रोहित, अमित सहदेव, रवि कुमार, मनोज कुमार, दीपक कुमार, मनीष कीर्ति, राजा, दिनेश रत्नाकर, मनोज कुमार, शोभा, बबली, अनिता व मीनू आदि मौजूद रहे।

डुंगरीपंत के पास अलकनंदा नदी में मिला महिला का शव

शाह टाइम्स संवाददात

श्रीनगर। रूद्रप्रयाग घोलतीर के समीप हुई बस दुर्घटना में लापता हुए एक यात्री का शव अलकनंदा नदी में डुगरीपंत के समीप मिला है। पुलिस द्वारा शव को नदी से निकालकार रूद्रप्रयाग पुलिस के सुपुर्द कर दिया गया है।

गुरूवार को रूद्रप्रयाग में हुए बस हादसे में लापता यात्रियों की खोजबीन में श्रीनगर पुलिस, एसएसबी, एसडीआरएफ व जल पुलिस के जवान जुटे रहे। नगर क्षेत्र में अलकनंदा नदी पर सुबह से ही सर्च आपरेशन चलाया गया। इस दौरान अलकनंदा नदी में डुगरीपंत के पास अलकनंदा नदी में 40वीं पीएससी आपदा राहत दल के जवानों को एक शव मिला। जवानों के द्वारा शव को नदी से बाहर निकाला गया। एसडीआरएफ इंस्पेक्टर मंजरी नेगी ने बताया कि दुर्घना की सूचना मिलने के बाद से ही नदी तटों पर जवनों को तैनात किया गया है व खोजबीन जारी है। मौके पर ओबीएम व राफ्ट की सहायता से भी सर्च अभियान जारी है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली श्रीनगर जयपाल सिंह नेगी ने बताया कि रूद्रप्रयाग पुलिस द्वारा शव को कब्जे में लेकर रूद्रप्रयाग ले जाया गया। कहा कि शव की शिनाख्त 41 वर्षीय गौरी सोनी, मध्यप्रदेश के रूप में की गई है।

एसएसपी नैनीताल अवमानना के दोषी

पूर्व के आदेश का अनुपालन करने पर हाईकोर्ट ने जवाब मांगा

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाई कोर्ट ने पूर्व के आदेश का अनुपालन नहीं करने पर नैनीताल जिले के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी (एसएसपी) प्रहलाद नारायण मीणा को अवमानना का दोषी पाते हुए उन्हें अवमानना का नोटिस जारी करते हुए चार सप्ताह के भीतर अपना पक्ष रखने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई चार सप्ताह बाद कि तिथि नियत की है। बता दें कि वीरवार को मामले की सुनवाई वरिष्ठ न्यायमूर्ती मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ में हुई। मामले के अनुसार जिला उधमसिंह नगर के रुद्रपुर निवासी भारती सागर ने अवमानना याचिका दायर कर कहा है कि उनके पति वर्ष 2007 में थाना काठगोदाम जिला नैनीताल में तैनात थे।

ड्यूटी के दौरान 22 अक्टूबर 2007 को उनकी मृत्यु सड़क दुर्घटना में हो गयी थी। वर्ष 2018 में उनके द्वारा पेंशन व अन्य लाभों दिलाये जाने के लिए उच्च न्यायालय में याचिका दायर की। उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका को निस्तारित करते हुए विभाग को निर्देश दिए कि उनको इसका लाभ दिया जाय। उनको इसका लाभ न देते हुए सरकार ने खण्डपीठ ने इस आदेश के खिलाफ विशेष अपील दायर की। खण्डपीठ ने

एकलपीठ के आदेश को सही पाते हुए विभाग की अपील को सिरे से खारिज कर दिया। उसके बावजूद भी उन्हें पेशननरी लाभ नहीं दिये गए। जिसके खिलाफ वीरवार को उनके द्वारा मीणा के खिलाफ पूर्व के आदेश का अनुपालन करने हेतु अवमानना याचिका दायर करनी पड़ी।

डेरा प्रमुख की हत्या के आरोपी को राहत नहीं

हाईकोर्ट ने नानकमत्ता के प्रमुख डेरा साहिब तारसेशन बाबा की हत्या करने के आरोपी दिलबाग सिंह की जमानत याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद न्यायमूर्ती रविन्द्र मैठाणी की एकलपीठ ने आरोपी को फिलहाल कोई राहत नहीं देते हुए अगली सुनवाई हेतु 8 जुलाई की तिथि नियत की है। बता दें कि वीरवार को हुई सुनवाई पर बिपक्षी के द्वारा उसे सजा दिलाये जाने को लेकर कई सबूत न्यायालय में पेश किए। कहा कि आरोपी व उसमें अन्य साथी बुलेट मोटर साइकिल में आये थे। जिसकी पुष्टि सीसीटीवी कैमरे, गवाह, पोस्ट मार्टम रिपोर्ट से हुई है। जबकि आरोपी की तरफ से कहा गया कि जांच में कई नए तथ्य आ गए है लिहाजा उनको कोर्ट के सामने पेश करने के लिए और अतरिक्त समय दिया जाय। जिसपर कोर्ट ने अगली सुनवाई हेतु 8 जुलाई की तिथि नियत की है। मामले के अनुसार 28 मार्च 2024 को नानकमत्ता उधमसिंह नगर के डेरा साहिब के प्रमुख की हत्या अज्ञात हमलावरों के द्वारा प्रबंधक बाबा तारसेशन की हत्या गोली मारकर कर दी थी। हत्या के हमलावर बुलेट मोटरसाइकिल में आये थे। जिसकी पुष्टि लगे सीसीटीवी कैमरे व प्रत्यक्षदर्शियों के द्वारा की गई। इस सम्बंध में थाने जाकर में जाकर गुरुद्वारा के पूर्व प्रबंधक हरबंस सिंह चुघ, तराई महासभा के उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह संधू व हरगोविंद सिंह ने मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस की काफी जांच के बाद आरोपी पकड़े गए।

दून घाटी अधिसूचना-1989 निरस्त करने को हाईकोर्ट में चुनौती

नैनीताल। उत्तराखण्ड हाईकोर्ट ने दून घाटी अधिसूचना 1989 को राज्य सरकार के द्वारा निरस्त करने के खिलाफ दायर जनहित याचिका पर सुनवाई की। मामले की सुनवाई के बाद मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ती आलोक महरा की खण्डपीठ ने अगली सुनवाई 27 जून (आज) को भी जारी रखी है। कोर्ट ने कहा कि क्यों न याचिकाकर्ता को एक मौका दिया जाए कि जिससे वह अपना पक्ष केंद्र सरकार के इस विभाग में रखें जिसमें सर्वोच्च न्यायलय ने आदेश दिए थे कि दून घाटी को ईको सेंसटिव जोन ही रहने दिया जाय। साथ में कोर्ट ने यह भी कहा कि केंद्र सरकार स्थिति से अवगत कराएं।
मामले के अनुसार समाजसेवी अभिनव थापर ने जनहित याचिका दायर कर कहा कि केंद्र सरकार ने 1989 में दून घाटी को पर्यावरणीय दृष्टि से इको सेंसटिव जोन घोषित किया था। अब राज्य सरकार इसका स्वरूप बदल रही है जबकि इसका स्वरूप बदलने के लिए केंद्र सरकार की अनुमति लेनी आवश्यक है कयोकि उसी का नोटिफिकेशन है जबकि राज्य सरकार प्रदेश के मुखय प्रदूषित क्षेत्र देहरादून, काशीपुर व ऋषिकेश को साफ करने के नाम पर करोड़ों रुपये का बजट केंद्र से ले रही है जो कि नोटिफिकेशन के विरुद्ध है। नोटिफिकेशन में कई शर्त रखी गयी है। उनका अनुपालन करने के बाद ही राज्य सरकार केंद्र की अनुमती के बाद नोटिफाइड कर सकती है।

पंचायत चुनाव पर कानूनी असमंजस के बीच कफोल गांव ने फिर दिखाया लोकतांत्रिक का अनुशासन

नई टिहरी। हाईकोर्ट और सरकार के बीच आरक्षण को लेकर जारी कानूनी खींचतान के कारण त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव असमंजस में हैं, लेकिन टिहरी जनपद के भिलंगना ब्लॉक की बासर पट्टी स्थित कफोल गांव के ग्रामीणों ने इस असमंजस से ऊपर उठकर लोकतंत्र की परिपक्वता का परिचय देते हुए निर्विरोध निर्वाचन की परंपरा को आगे बढ़ाया है। गांव में आयोजित एक सामूहिक बैठक में मौजूदा आरक्षण के अनुरूप सर्वसम्मति से राजेंद्र सिंह परमार को फिर से ग्राम प्रधान चुनने पर सहमति जताई गई है।

■ ग्रामवासियों ने राजेंद्र सिंह परमार को पांचवीं बार सर्वसम्मति से निर्विरोध प्रधान बनाने की बनाई सहमति

गौरतलब है कि पृथक उत्तराखंड राज्य के गठन के बाद से कफोलगांव में लगातार निर्विरोध निर्वाचन की परंपरा चली आ रही है, जिससे गांव में आपसी सौहार्द, पारदर्शिता और विकास का वातावरण बना है। अब तक चार बार निर्विरोध ग्राम प्रधान चुने जा चुके हैं और राजेंद्र सिंह परमार को यह सम्मान पांचवीं बार मिलने जा रहा है। ग्रामीणों का मानना है कि ग्राम प्रधान पद के लिए आपसी समन्वय और एकमत से चयन करने की परंपरा ने गांव को न केवल राजनीतिक विवादों से दूर रखा है, बल्कि विकास कार्यों में निरंतरता और पारदर्शिता भी सुनिश्चित की है। इस सामूहिक निर्णय के दौरान कीर्ति सिंह बिष्ट, सोहन बिष्ट, पूर्व बीडीसी सदस्य जितेंद्र कठैत, जसपाल बिष्ट, नरेंद्र बिष्ट, राजपाल बिष्ट सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे।

सीएसडी कैंटीन को जाने वाली सड़क को दुरुस्त किया जाए

श्रीनगर। पूर्व सैनिक एवं जन कल्याण समिति श्रीनगर ने स्वीत श्रीकोट स्थित सीएसडी कैंटीन जाने वाली सड़क को दुरुस्त कर डामरीकरण करने की मांग की है। गुरुवार को इसी मुद्दे पर महापौर से वार्ता कर संगठन की ओर से उन्हें एक ज्ञापन भी दिया गया। पूर्व सैनिक एवं जन कल्याण समिति के सदस्य कैप्टन भूपेंद्र सिंह, कैप्टन वीरेंद्र सिंह कुंवर के नेतृत्व में गुरुवार को निगम महापौर आरती भंडारी से भेंट की।
वार्ता में उन्होंने महापौर से स्वीत श्रीकोट में राष्ट्रीय राजमार्ग से सीएसडी कैंटीन को जाने वाली सड़क को डामरीकृत करने की मांग की। वीरेंद्र कुंवर,राजेंद्र प्रसाद भट्ट, चतर सिंह राणा महापौर से वार्ता करने और ज्ञापन देने वालों में शामिल थे।

16.35 लाख की साइबर ठगी करने वाले को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कोटद्वार। कोतवाली पुलिस ने एक महिला और एक युवक को डिजिटल अरेस्ट कर 16. 35 लाख की ठगी करने वाले साइबर ठग को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। गुरुवार को पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ दिन पहले वादिनी आरती बेलवाल निवासी-जौनपुर कोटद्वार द्वारा कोतवाली में व्हाट्सऐप काल से उनके बच्चे और पति को जान से मार देने की धमकी देने संबधी रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

रिपोर्ट में उन्होंने कहा कि कॉलर द्वारा लगातार कई दिनों तक कॉल करके मुझे डराकर पैसे की मांग की। इससे भयभीत होकर उन्होंने इधर-उधर से पैसो की व्यवस्था कर अज्ञात कॉलर को यूपीआई व खाते में ट्रांसफर कर कुल 6 लाख 90 हजार रुपये की धनराशि दे दी। वहीं दूसरी ओर वादी गणेश चौधरी निवासी बालासौड़ ने भी कोतवाली में उनके विदेश में नौकरी कर रहे भाई के वीजा समाप्त होने का झांसा देकर व डराकर उनसे 9 लाख 45 हजार रुपये की धनराशि ठगने की रिपोर्ट दर्ज कराई। अभियोग के सफल निस्तारण के लिए गठित पुलिस टीम ने जब बैंक खातों की जांच की तो यह तथ्य प्रकाश में आया कि उक्त दोनों साइबर धोखाधड़ी की घटनाओं को एक ही साइबर गैंग द्वारा अंजाम दिया गया है।

एक नजर

लैंडो लीग फुटबॉल प्रतियोगिता जुलाई में

नैनीताल। नगर के डीएसए मैदान में जुलाई के पहले सप्ताह से 102वीं लैंडो लीग फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। बता दें प्रतियोगिता डीएसए और नगरपालिका के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जाएगी जिसके लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डीएसए के फुटबॉल सचिव पवन खड़ायत ने बताया कि प्रतियोगिता में आवेदन की अंतिम तिथि 30 जून रखी गई है। प्रतियोगिता में प्रतिवर्ष 30 से 35 टीमें प्रतिभाग करती हैं और इस वर्ष अभी तक उनके पास 15 आवेदन आ चुके हैं।

जल्द होगा रामलीला मंच का निर्माण

बागेश्वर। मां बाराही मंदिर में जल्द रामलीला मंच का निर्माण होगा। दस लाख रुपये से बनने वाले मंच के लिए क्षेत्रीय विधायक सुरेश गड़िया, नगर पंचायत अध्यक्ष गीता ऐठानी ने भूमि पूजन किया। विधायक गड़िया ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बनने से पूरे उत्तराखंड के अंदर रामलीला का मंच बनने जा रहे हैं। इस मौके पर रामलीला कमेटी के अध्यक्ष हरीश ऐठानी, दयाल सिंह ऐठानी, चंपा देवी, ओम प्रकाश ऐठानी, धाम सिंह ऐठानी, पूर्व व्यापार मंडल अध्यक्ष शेर सिंह ऐठानी, पूर्व सभासद तनुज तिरुवा, खीम सिंह आदि मौजूद रहे।

राज्य आंदोलनकारी कुंजबिहारी के निधन पर जताया शोक

श्रीनगर। राज्य आंदेलनकारी व पूर्व पालिकाध्यक्ष पौड़ी कुंजविहारी नेगी का 85 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन पर विभिन्न संगठनों से जुड़े लोगों ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है। दिव्यगंत कुंजविहारी नेगी गढ़वाल विवि स्थापना, पृथक राज्य उत्तराखंड, हिंदी आंदोलन सहित अनेक जन आंदोलनों में नेगी कीअग्रणी भूमिका रही है। गुरूवार को आईटीआई घाट पर गढ़वाल विवि के अधिकारियों एवं विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुडे लोगों ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धाजंलि अर्पित की। वहीं गढ़वाल विवि के कुलपति सचिवालय में कुंजविहारी नेगी के निधन पर दो मिनट का मौन रखते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस मौके पर गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह, कुलसचिव डॉ. हरभजन सिंह चौहान, प्रभारी अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ. विजयकांत पुरोहित, वित्त अधिकारी डॉ. सजय ध्यानी, डॉ. बीएस भंडारी, जन संपर्क अधिकारी आशुतोष बहुगुणा, प्रो. मोहन सिंह पंवार, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कृष्णानंद मैठाणी, अनील स्वामी, अरूण कुकशाल, गणेश कुकशाल, पुष्कर चौहान सहित आदि मौजूद थे।

कीर्तिनगर में उपजिलाधिकारी चावला ने संभाला कार्यभार

श्रीनगर। कीर्तिनगर की नवनियुक्त उपजिलाधिकारी नीतू चावला के पदभार संभालने पर भाजपाईयों ने खुशी व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सहित प्रदेश स्तरीय नेताओं का आभार व्यक्त किया है। स्थानीय लोगों ने कहा कि कीर्तिनगर में उपजिलाधिकारी की स्थायी नियुक्ति होने से अब लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ मिलेगा। साथ ही लोगों को तहसील स्तर के कामकाज के लिए इधर उधर नहीं भटकना पड़ेगा। मौके पर प्रदेश स्तरीय नेताओं का आभार प्रकट करने वालों में विनोद सिंह रावत, डा. उत्तम सिंह भंडारी, राम सिंह मेहरा, राम सिंह बुटोला, आंचला नेगी, रामलाल नौटियाल, संतोष मेहता, अवतार मेहरा, मोहन सिंह, कल्पना कठैत, जय सिंह कठैत सहित आदि मौजूद थे।

डॉ. बिष्ट बने गढ़वाल विवि के मुख्य छात्रावास अधीक्षक

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल केंद्रीय विश्वविद्यालय में इतिहास विभाग के डॉ. सुरेंद्र सिंह बिष्ट को विश्वविद्यालय का मुख्य छात्रावास अधीक्षक बनाया गया है। डॉ. बिष्ट खेल उप छात्रावास अधीक्षक के साथ ही खेल निदेशक का जिम्मा भी देख रहें है। गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह के निर्देशन पर कुलसचिव ने मुख्य छात्रावास अधीक्षक के लिए आदेश जारी किए है। प्रो. बिष्ट पहले विवि में एनसीसी अधिकारी भी रह चुके हैं। ज्ञात हो कि पूर्व में छात्रों के आक्रोश को देखते हुए गढ़वाल विवि के मुख्य छात्रावास अधीक्षक समेत सहायक छात्रावास अधीक्षकों ने सामुहिक रूप से इस्तीफा दे दिया था। गुरूवार को कुलसचिव प्रो. हरभजन सिंह चौहान ने अग्रीम आदेशों तक डॉ. एसएस बिष्ट को छात्रावास अधीक्षक का जिम्मा सौंपा है। इस मौके पर गढ़वाल विवि के कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश सिंह ने नवनियुक्त मुख्य छात्रावास अधीक्षक डॉ. एसएस बिष्ट को तत्काल प्रभाव से छात्रावास से जुड़े कार्यों को नियमानुसार सम्पादित करने के निर्देश दिए। कहा कि छात्रवासों में छात्रों को किसी भी प्रकार की समस्या हो उसको निस्तारण करने को कहा। कुलपति प्रो. श्रीप्रकाश ने पूर्व में जिन भी छात्रावास अधीक्षकों ने अपना इस्तीफा दिया है और जो भी कार्य करने में सहमत नहीं है वह अपनी समस्या को मुख्य छात्रावास अधीक्षक व डीएसडब्ल्यू को लिखित रूप में दे सकते है।

निशुल्क नेत्र रोग शिविर का 120 से अधिक मरीजों ने लिया लाभ

श्रीनगर। कीर्तिनगर ब्लॉक अंतर्गत लोस्तु बड़ियारगढ़ के तेगड़ बाजार में द हंस फाऊंडेशन हॉस्पिटल सतपुली के सहयोग से गुरुवार को निशुल्क नेत्र रोग जाँच शिविर का आयोजन किया गया। कांग्रेस कमेटी देवप्रयाग जिलाध्यक्ष उत्तम सिंह असवाल ने बताया कि पूर्व प्रधान शूरवीर सिंह भंडारी एवं सामाजिक कार्यकर्ता मनमोहन सिंह पंवार के संयोजन में द हंस फाऊंडेशन हॉस्पिटल सतपुली के सहयोग से क्षेत्र में निशुल्क नेत्र रोग जाँच शिविर में 120 से अधिक मरीजों की आँखों की जाँच की गई। शिविर में 25 से 30 मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद पाया गया जिनका 28 जून को सतपुली हॉस्पिटल में नि:शुल्क ऑपरेशन किया जाएगा। शूरवीर भंडारी एवं मनमोहन पंवार ने कहा कि द हंस फाउंडेशन हॉस्पिटल लगातार स्वास्थ्य के क्षेत्र में उत्तराखंड में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है। निशुल्क कैंप में मरीजों को निशुल्क दवाईयाँ एवं चश्में भी वितरित किए गए। इस मौके पर अमित सिंह, ऑप्टोमेट्रिस्ट भूपेंद्र रावत, रविंद्र नेगी, संतोष सहित कई लोग उपस्थित रहे।

एसबीआई शाखा श्रीनगर ने किया 55 यूनिट रक्तदान

श्रीनगर। गुरूवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर के टीचिंग बेस चिकित्सालय में भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) श्रीनगर शाखा द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया।
शिविर में लोगों ने बढ़चढ़ कर प्रतिभाग कर स्वैच्छिक रूप से 55 यूनिट रक्तदान किया गया। जिससे ब्लड बैंक को सुपूर्द किया गया। इस मौके पर शाखा प्रबंधक अजय कुमार सिंह ने कहा कि किसी का जीवन बचाने के लिए रक्तदान करना जरुरी है। कहा कि ब्लड डोनेट करके लोगों की मदद की जा सकती है। रक्तदान महादान है, इसे जीवनदान के बराबर माना जाता है। रक्तदान न केवल अन्य व्यक्ति के जीवन को बचाता है, बल्कि यह रक्त देने वाले को स्वस्थ बनने में भी मदद करता है, इसलिए यह दोनों के लिए फायदेमंद है।

उत्तराखण्ड पॉवर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
Corporate Identity No. U40109UR2001SGC025867/2358
विक्टोरिया क्रास विजेता, गबर सिंह ऊर्जा भवन, कांवली रोड, देहरादून
दूरभाष: 91-135-2763672-76, फैक्स-91-135-2760289
ई-निविदा तिथि विस्तार सूचना
इस कार्यालय द्वारा पूर्व में आमंत्रित सी सी पी – I/1/2025–2026 जोकि 11 के0वी0 वी सी बी इनकमिंग पैनल 500एमवीए 800/400/5ए, 11के0वी0 फीडर वी सी बी पैनल 500 एमवीए 400/200/5ए एंव 11 के0वी0 बस कपलर 500 एमवीए की आपूर्ति हेतु आमंत्रित की गयी थी को अपरिहार्य कारणों से विस्तारित किया जाता है। ई-निविदा दिनांक 14.7.2025 के 17:00 बजे तक क्रय एवं जमा की जा सकती है। ई-निविदा का भाग-एक दिनांक 15.7.2025 को 15:45 बजे खोला जायेगा।
अन्य नियम व शर्त मूल ई-निविदा के अनुसार रहेगी। विस्तृत विवरण के लिए कृपया वेवसाईट www.uktenders.gov.in को देखें।
अधीक्षण अभियन्ता
No.: 366/EE(CM)/UPCL/A-2 Dt. 26.06.2025 कारपोरेट (अनुबंध एवं क्रय-प्रथम)
"राष्ट्र हित में बिजली बचायें।" बिजली बचाने हेतु एल.ई.डी. बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं० 1912)
विद्युत बिलों के 24X7 ऑनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं
(विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं० 18001804185/फैक्स नं0 0135-2760911 पर दें)

होटल राजमहल रामपुर में कसीनो के खेल का भंडाफोड़

महिलाएं परोसती थी ड्रिंक व पत्ते, गंगनहर पुलिस ने दो दर्जन को दबोचकर लगा दी सील

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। अवैध कार्यों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों पर कोतवाली गंगनहर पुलिस ने थाना भगवानपुर पुलिस के सहयोग से रामपुर चुंगी स्थित होटल राजमहल में चल रहे बड़े खेल का भंडाफोड़ करते हुए होटल के अंदर से आठ महिलाएं और 24 पुरुष हिरासत में लिए। मौके से फरार होटल स्वामी सहित अन्य जिनमें एक कथित पूर्व पार्षद भी शामिल है कि तलाश की जा रही है।

कसीनो की सूचना पर औचक तौर पर होटल पहुंची पुलिस टीम को देख मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। मौके से कसीनो कॉइन, ताश गड्ड़ियां, एंट्री कार्ड व दो लाख 74 हजार के करीब नगदी सहित अन्य समान बरामद किया गया। हिरासत में लिए गए आरोपियों को माननीय न्यायालय पेश किया जा रहा है। पूछताछ में सामने आया कि ग्राहकों को लुभाने के लिए होटल पर विशेष तौर पर महिलाओं को रखा गया था जिनका काम शॉर्ट ड्रेसेज पहनकर ग्राहकों को ड्रिंक्स सर्व करना और ताश के पत्ते बांटना था। पकड़े गए आरोपियों में 25 वर्ष के युवा से लेकर 62 वर्ष का बुजुर्ग भी शामिल है। 'पकड़े गए आरोपित-गोपाल भंडारी, सुशील कुमार, मुकेश उर्फ मोन्टी, नरेन्द्र, रमेश कुमार, सुभाष चन्द, संजय थार्पा, कृष्णकुमार , शुभम पुत्र,

ऋषभ गोयल, अमन कन्नोजीया उर्फ ध्रुव, अर्जुन पुंडीर, तेज सिंह , अरुण कुमार , दीवान सिंह, रोहिल , सुरेन्द्र सिंह, पंकज कुमार , शुभम पुत्र , हरि सिंह, जितेन्द्र, मोहित , साकिर पुत्र व कुल आठ महिलाओं को मौके से हिरासत में लिया गया।

आरोपियों से 1- कसीनो कॉइन- 18952- ताश की गड्ड़ी- 103- नगदी 274600/- 4- एंट्री कार्ड- 215- शराब खाली व

❖आरोपियों से पौने तीन लाख की नकदी बरामद, पकड़े गए 25 साल के युवा से लेकर 60 साल का बुजुर्ग भी शामिल

आधी भरी हुई बोतल - 056- बियर के केन खाली व भरी हुई- 067- कांच के गिलास- 168- मोबाइल फोन- 01 'पुलिस टीम-' 1- प्रभारी निरीक्षक गंगनहर आर. के. सकलानी 2- प्रभारी निरीक्षक भगवानपुर सुर्यभूषण नेगी3- प्रभारी निरीक्षक रुड़की मणिभूषण श्रीवास्तव 4- वरिष्ठ उ0नि0 अजय शाह 5- उ0नि0 नवीन कुमार6- उ0नि0 मनदीप सिंह7- उ0नि0 पंकज कुमार8- उ0नि0 करुणा रोकली9- उ0नि0 ज्योति नेगी10- अपर उ0नि0 कांता प्रसाद 11- अपर उ0नि0 मनीष कवि 12- हे0कां0 इसरार13- हे0कां0 लखपत14- हे0कां0 अशोक तिवारी15- कां0 भूपेंद्र 16- कां0 नितिन 17- कां0 प्रभाकर 18- कां0 अजयवीर19- कां0 अजय दत्त20- कां0 चालक लाल सिंह21- म0कां0 पूजा रावत 22- म0हो0गा0 संयोगिता23- म0हो0गा0 बबीता धीमान 24- म0हो0गा0मुकेश बाला आदि शामिल रहे।

पकड़ी गई महिलाएं ग्राहकों को लुभाने के लिए शॉर्ट ड्रेस पहनकर सर्व करती थी ड्रिंक्स

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। रुड़की राजमहल होटल में चल रहे कसीनो के अवैध खेल में पकड़ी गई महिलाएं शॉर्ट ड्रेस पहनकर ग्राहकों को लुभाने के लिए ड्रिंक्स सर्व करने का काम करती थी। पकड़े गए 24 पुरुष विभिन्न प्रदेश और अलग जिलों से है। वहीं मामले में पुलिस ने होटल स्वामी,पूर्व सभासद समेत चार लोगों के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया है जो कि फरार हैं। कोतवाली गंगनहर पुलिस द्वारा अब जुआ के बड़े खेल का भी भंडाफोड़ किया गया है। गंगनहर कोतवाली पुलिस ने रामपुर चुंगी स्थित होटल राजमहल में छापेमारी की। इस दौरान कसीनो खेल रहे लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने चारों ओर से घेराबंदी करते हुए आठ महिलाएं और 24 पुरुषों को हिरासत में लिया है। होटल स्वामी मेहरबान कुर्बान पुत्र मेहरबान विपिन पूर्व पार्षद विकास निवासी सहारनपुर अभिषेक लोधी डोईवाला देहरादून मौके से फरार हो गए। जिसकी तलाश में पुलिस जुटी हुई है। हिरासत में लिए गए आरोपियों को न्यायालय पेश किया जा रहा है।

किशोरी को बहला फुसलाकर भगाने वाला आरोपी दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। थाना पुलिस ने एक नाबालिक किशोरी को बहला फुसला कर भागने वाले आरोपी को दबोच कर किशोरी को सकुशल बरामद कर लिया है।

जानकारी के अनुसार वादी निवासी थाना भगवानपुर द्वारा थाना भगवानपुर आकर तहरीर दी कि मेरी नाबालिग पुत्री को 1. साजेब पुत्र मतलूब निवासी ग्राम खेलड़ी थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वारद्वारा बहलाफुसलाकर भगा कर ले जाने के सम्बन्ध में दी जिसके आधार पर थाना भगवानपुर पर स0मु0अ0स0- मु0अ0सं0-210/2025 धारा-137(2)पंजीकृत किया गया। अभि0 की गिरफ्तारी व अपर्हता की सकुशल बरामदगी हेतु श्रीमान वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद हरिद्वार महोदय के आदेश के क्रम में थाना भगवानपुर पुलिस की गठित टीम द्वारा मुकदमा उपरोक्त वांछित अपराधी गिरफ्तारी व अपर्हता की तलाश किये जा रहे थे दिनांक-25/06/25को अभि0 साजेब पुत्र मतलूब निवासी ग्राम खेलड़ी थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वार को गिरफ्तार किया तथा अपर्हता को सकुशल बरामद किया गया नियमाअनुसार अन्य विधि कार्रवाई की जा रही है। ''नाम पता अभि0 साजेब पुत्र मतलूब निवासी ग्राम खेलड़ी थाना भगवानपुर जनपद हरिद्वारपुलिस टीम''1- म0उ0नि0 पूजा पाण्डेयख्रथाना भगवानपुर 2- का0 रामपाल तोमर ख्रथाना भगवानपुर शामिल रहे।

पुलिस ने लोगों को नशे के प्रति किया जागरूक

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा नशा करने वाले व्यक्तियों को थाना क्षेत्र के सुलतानपुर मे बुलाकर नशे से होने वाले नुकसान के बारे में जागरूक किया है। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुऍ बताया मनानीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड सरकार द्वारा चलाये जा रहे हैं अभियांन ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन 2025 को साकार करने के लिए विश्व ड्रग्स दिवस के अवसर पर पुलिस मुख्यलय एसएसपी हरिद्वार द्वारा क्षेत्र में अभियांन नशे से आजादी पकवाड़ा चलाने के लिए निर्देशित किया था जिसमें सुलतानपुर क्षेत्र में प्रचार प्रसार कर सुलतानपुर में एक गोष्टी का आयोजन किया गया गोष्ठी में नशा करने वाले आदतन नशेड़ीयों व आसपास के लोगों को बुलाकर नशे से होने वाले नुकसान व युवा पीढ़ी को नशे की लत से दुर रखने के लिए नशे से भविष्य में होने वाले नुकसान के संबंध में जानकारी दी गई उन्होंने कहा की सभी को अपने घर परिवार गांव क्षेत्र मे लोगों को समझाना चाहीये की जिस घर में भी नशा घुस जता

है वह घर बर्बाद हो जता है इसीलिए सभी को चाहीये की सभी अवैध नशे से दुर रहे और अपने को व परिवार को सुरक्षित रखे।

प्रतिबंधित 30 किलो मांस के साथ एक आरोपी दबोचा

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। पुलिस के द्वारा 30 किलोग्राम प्रतिबंधित मांस के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा जनपद में अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त अपराधियों संदिग्ध व्यक्तियों असामाजिक तत्वों पर अंकुश लगाए जाने के लिए लक्सर पुलिस को निर्देशित किया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम ने लक्सर क्षेत्र के निरंजनपुर रायसी में बंगाली डेरा के पास खाली खंडहर में एक व्यक्ति को वन्य सुरक्षित जीव कछुए को मारकर उसके मांस व अंक को काटकरव छांटकर करते हुए पकड़ा गया है उसके कब्जे से 30 किलोग्राम कछुए के मांस शारीरिक अंग व उपकरण दो भाले एक छूरी बरामद की गई है पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम काम सिंह पुत्र मांगा निवासी निरंजनपुर बंगाली डेरा थाना कोतवाली लक्सर उम्र 45 वर्ष बताया उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में रायसी पुलिस चौकी प्रभारी कमलकांत रतूड़ी कांस्टेबल महेंद्र सिंह अनिल वर्मा शामिल रहे।

13 साल का नाबालिग लापता तलाश जारी

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। क्षेत्र के खेड़ी कला गांव से एक 13 वर्षीय बच्चा बुधवार शाम घर से कहीं चला गया है जिसकी परिजनो के द्वारा तलाश की जा रही है। राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने बताया कि खेड़ी कला से घर से गायब बच्चों की तरह मिला है जिस पर नाबालिग की तलाश की जा रही है उन्होंने आमजन से यह भी कहा की उस बच्चे ने ब्लैक लोअर वह ग्रह कलर की शर्ट पैहन रखी है अगर किसी को कहीं भी उस बच्चे की जानकारी हो तो है उसकी सूचना तुरंत ही लक्सर पुलिस को दें।

पुलिस ने एक झपटमार युवक पकड़ा, मोबाइल बरामद

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। थाना पुलिस ने एक झपटमार को दबोच कर फैक्ट्रीकर्मी से छीना गया मोबाइल बारामद कर लिया है।

जानकारी के अनुसार छोटू कुमार पुत्र मोहन दास निवासी ग्राम सुनहरा कोतवाली गंगनहर जिला हरिद्वारद्वारा तहरीर दी गयी कि दिनांक 24/06/25 को ब्लाइज कम्पनी के आगे गली मे स्थित गते की फ्रैक्ट्री रायपुर भगवानपुर से अज्ञात चोर द्वारा वादी का रेडमी 11 फोन झपटा मारपर ले जाने के सम्बन्ध में थाना भगवानपुर पर मु0अ0सं0 209/25 धारा-304(2) बीएनएस पंजीकृत किया गया। उक्त घटना के सफल अनावरण हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना भगवानपुर द्वारा पुलिस टीम का गठन कर आवश्यक कार्यवाही के निर्देश दिये गये। पुलिस टीम द्वारा घटनास्थल के आस पास लगे सीसीटीवी फुटेज संकलित कर विषलेशण किया गया जिससे पुलिस टीम को काफी महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त हुई है। तथा क्षेत्र में मुखबिर मामूर किये गये। परिणाम स्वरूप पुलिस टीम को दिनांक-25/06/2025को मुखबिर की सूचना पर 01आरोपी 1. सौयब पुत्र असलम निवासी ग्राम सिकन्दरपुर भैसवाल थाना भगवानपुर जिला हरिद्वार मय वादी के मोबाईल रेडमी के साथ गिरफ्तार किया व (2) विधि विवादित किशोर को पुलिस सरक्षंण मे लिया गया। आरोपी से रेडमी फोन बरामद किया है। पुलिस टीम का विवरण-1-अ0उ0नि0 प्रदीप चौहान थाना भगवानपुर 2- हे0कानि0 सुन्दरलाल थाना भगवानपुर 3- हे0कानि0 गीतम ख्रथाना भगवानपुर 4-कानि0 राहुल कुमार थाना भगवानपुर शामिल रहे।

शांति व्यवस्था प्रभावित करने पर एक गिरफ्तार

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर पुलिस के द्वारा शांति व्यवस्था प्रभावित करने पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार राजीव रौथाण कोतवाली प्रभारी लक्सर ने जानकारी देते हुए बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा शांति बनाए रखना संदिग्ध व्यक्तियों व असामाजिक तत्वों पर सतर्क दृष्टि रखने के लिए निर्देशित किया था जिसमें सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति लड़ाई झगड़ा कर रहा है सूचना पर तुरंत ही पुलिस को भेजा गया पुलिस के द्वारा उसको काफी समझाने का प्रयास किया वह नहीं माना और मरने मारने पर उतारू हो गया किसी संज्ञे अपराध को दृष्टिगत रखते हुए उस व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया गया पूछताछ करने पर उस व्यक्ति ने अपना नाम पुनीत कुमार पुत्र अवनीश निवासी सुवाहेडी बिजनौर उत्तर प्रदेश उम्र 25 वर्ष बताया उसको पकड़ने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक दीपक चौधरी कांस्टेबल अरुण नेगी मोहित खंतवाला शामिल रहे। पकड़े गए व्यक्ति के खिलाफ संबंधित मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पकड़े गए व्यक्ति को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

नाला सफाई को लेकर भिड़े दो पक्ष, मुकदमा दर्ज

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। नाले की सफाई के दौरान सैलाब हटाने को लेकर दो पक्षों में हुए झगड़ों में कोतवाली गंगनहर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना संख्या एक' दिनांक 25-06- 2025 को मुकदमा वादी अमन कुमार पुत्र स्वर्गीय रवि कुमार निवासी पश्चिम अंबर तालाब हाल सहायक क्लर्क नगर पंचायत रामपुर रुड़की की तहरीर बाबत हारुन पुत्र मूनफैत तथा नसीम उर्फ मियां निवासी रामपुर रुड़की द्वारा शिकायतकर्ता तथा कार्यकरनी के साथ नाले की सफाई के दौरान सैलाब हटाने को लेकर मारपीट कर गाली गलौज करना तथा जान से मारने की धमकी देने के संबंध में कोतवाली गंगनहर पर मुकदमा अपराध संख्या 175/2025 धारा 132/115(2)/352/351(3) बीएनएस मैं पंजीकृत किया गया है। 'घटना संख्या 02' दिनांक 25-6-2025 को मुकदमा वादी मूनफैत अली पुत्र हनीफ निवासी रामपुर रुड़की कोतवाली गंगनहर द्वारा सूचना दी की 1-नावेद पुत्र शराफत 2-दानिश पुत्र शराफत 3-परवेज पुत्र शराफत निवासी गण रामपुर कोतवाली गंगनहर 4-शहजाद पुत्र शाहिद निवासी नन्हेड़ा व दो अन्य अज्ञात द्वारा एक राय होकर हथियारों से लैस वादी के मेडिकल स्टोर में घुसकर मुकदमा वादी के बेटे हारून तथा पोता आयान के साथ मारपीट कर गाली गलोज करना तथा जान से मारने की धमकी देते हुए मेडिकल स्टोर में तोड़फोड़ करना के संबंध में कोतवाली गंगनहर पुलिस द्वारा मुकदमा अपराध संख्या 276/25 धारा 191(2)/191(3)/190/115/ 352 /351(3)/324(4) बीएनएस में पंजीकृत किया गया है। उपरोक्त दोनों मुकदमों की जांच में पुलिस जुटी हुई है।

पुलिस ने एक सटोरिया दबोचा

पिरान कलियर। पुलिस ने सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए एक खाईबाड को नगदी व सट्टा पर्ची के साथ गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जुआ अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लिया हैं।

पिरान कलियर थाना प्रभारी रविंद्र कुमार ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर कलियर सोहलपुर रोड के पास से एक व्यक्ति को को सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए गिरफ्तार किया गया हैं। तलाशी लेने पर उनके पास से सट्टा पर्ची पेन गत्ता डायरी व 1650 रुपए की नगदी बरामद हुई हैं। पुलिस ने आरोपी जफीर अहमद निवासी दीपा सराय थाना नकाशा संभल यूपी के खिलाफ जुआ अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर लिया हैं।

जुमेरात पर दरगाह में जायरीनों की बढ़ी भीड़

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। अजमेर शरीफ में छठी में शामिल होने वाले जायरीनों और जुमेरात होने के चलते दरगाह साबिर पाक में भीड़ भाड़ रही। इस दौरान जायरीनों ने दरगाह साबिर पाक के जियारत कर अमनो अमान की दुआ की।

जानकारी के अनुसार अजमेर शरीफ में इस्लामी कैलन्डर के अनुसार मोहर्रम की छ: तारीख को हजरत ख्वाजा गरीब नवाज की छठी मनाई जाती है । छठी के उर्स में शामिल होने से पहले हजारो की संख्या में जायरीन साबिर पाक की दरगाह पर जियारत करने पहुंचते है।और साबिर पाक की दरगाह पर अपनी मन्नते मांगते हे।उसके बाद जायरीन पानीपत ,दिल्ली,आगरा होते हुए अजमेर के लिये रवाना हो जाएंगे।जो जायरीन अजमेर शरीफ ख्वाजा

गरीब नवाज की छठी के उर्स से पहले न आ सके वो जायरीन छ्ठी के उर्स के बाद में कलियर पहुचेंगे।

छठी के उर्स में शामिल होने वाले जायरीन पहले दरगाह साबिर पाक के मजार पर जियारत करने के लिए पहुंच रहे हैं। ब्रस्पतिवार की सुबह से ही साबिर पाक कि दरगाह पर लोगों की भीड़ उमड़ने लगी थी। बड़ी संख्या में बिहार व उत्तर प्रदेश ,गुजरात,बंगाल दिल्ली आदि जगहों से बसों से जायरीन कलियर पहुंच रहे हैं।और अपनी मुरादें मन्नतें मांग रहे हैं।

14 वर्षीय किशोर जायरीन गंगनहर में डूबकर लापता

शाह टाइम्स संवाददाता

पिरान कलियर। दरगाह साबिर पाक में जियारत करने के लिए आया 14 वर्षीय किशोर गंगनहर में डूबकर लापता हो गया। पुलिस गोताखोरों की मदद से किशोर की तलाश कर रही हैं।

पंजाब जिला कपूरथला के गांव निहालगढ़ निवासी सागर (14) अपने भाई लखवीर के साथ बुधवार को कलियर दरगाह साबिर पाक में जियारत करने के लिए आया हुआ था। ब्रस्पतिवार को वह गंगनहर में स्नान करने के लिए चले गए। स्नान करते समय सागर का अचानक पैर फिसल गया और वह गंगनहर के तेज बहाव में बह गया। आसपास स्नान कर रहे लोगों ने बचाने का प्रयास किया।लेकिन वह गंगनहर में पानी के तेज बहाव में बहकर लापता हो गया है।किशोर के भाई लखवीर ने पुलिस को सूचना दे दी है।थाना प्रभारी रविंद्र सिंह ने बताया कि गंगनहर में डूबकर लापता हुए किशोर की गोताखोरों की मदद से तलाश कर रही हैं।

अवैध कार्य करने वालों पर गैंगस्टर एक्ट में हो कार्रवाई : कांगेस

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। कांग्रेस के नेताओं द्वारा एसडीएम कार्यालय पर पहुंचकर ज्ञापन दिया गया। ज्ञापन के माध्यम से रुड़की के कांग्रेस जन चाहते थे कि रुड़की में अवैध जिस्मफरोशी स्मैक एवं अन्य नशे तथा जुए सट्टे का कारोबार बंद किया जाए और अवैध काम में लिप्त आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर के तहत कार्रवाई की जाए।

इस अवसर पर कांग्रेसियों ने कहा कि रुड़की की दुर्दशा के लिए प्रदेश की भाजपा सरकार एवं स्थानीय विधायक जिम्मेदार हैं उनके द्वारा अपना कर्तव्य निर्वहन नहीं किया जा रहा है सभी विभागों में भ्रष्टाचार बहुत ज्यादा है और यह सरकार हर मामले में फेल हो गई है रुड़की में सड़के टूटी पड़ी है जल भराव है एवं अन्य समस्याएं हैं जिन पर सरकार का कोई ध्यान नहीं है। जिलाध्यक्ष राजेंद्र चौधरी ने हुए कहा कि रुड़की की पुलिस को ऐसे सभी कृत्य में शामिल लोगों को गिरफ्तार कर गैंगस्टर एक्ट में जेल भेजना चाहिए । पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राव आफाक अली पीसीसी सदस्य डॉक्टर अता उर रहमान श डॉ हरविंदर सिंह अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

करालटी में बनेगा एससी बच्चों के लिए 35 करोड़ से राजकीय आवासीय विद्यालय

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। आज समाज कल्याण विभाग द्वारा भगवानपुर नगर मंडल के करालटी गांव में अनुसूचित जाति समाज के बच्चों के लिए 35 करोड़ की लागत से बनने वाले राजकीय आवासीय विद्यालय स्थल का निरीक्षण राज्य मंत्री देशराज करणवाल ने अपने साथियों के साथ किया। यह विद्यालय न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि समाज के वंचित वर्ग के भविष्य को नई दिशा देने का कार्य करेगा। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष विराट गोयल, महामंत्री हिमांशु चौधरी, आवेश चौहान, बीडीसी सदस्य प्रतिनिधि श्री मिंटू मास्टर जी, और साथ ही ग्राम के सम्मानित नागरिक श्री संजय चौहान जी, दिनेश चौहान जी, बृजेश चौहान जी, कर्णपाल चौहान जी, महावीर चौहान जी, क्षेत्रपाल चौहान जी, एडवोकेट अनुज चौहान जी, मोहित चौहान जी, विपिन चौहान जी, सादी राम सैनी जी, नंदन अग्रवाल जी, योगेन्द्र चौहान जी, रोहित कुमार जी, अरुण कुमार जी सहित सैकड़ों स्थानीय नागरिक भी उपस्थित रहे! सभी का आभार एवं इस ऐतिहासिक

पहल के लिए सरकार को धन्यवाद। यह विद्यालय हमारे समाज के भविष्य निर्माण में एक सशक्त कदम सिद्ध होगा।

नायब तहसीलदार ने सुनी जनसमस्याएं

शाह टाइम्स संवाददाता

भगवानपुर। सरकार जनता के द्वार प्रोग्राम के अंतर्गत ग्राम भगवानपुर तहसील के सिरचिंदी गाँव मैं चौपाल लगाकर लोगों की जन समस्याएं सुनने की और उनके निष्ठाका भी साथ-साथ प्रयास किया गया।

नायब तहसीलदार अनिल गुप्ता ने बताया कि तहसील भगवानपुर के सिरचिंदी गांव आयोजित किया गया ।13 शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से तीन का मौके पर निस्तारण किया गया। शिकायतें संबंधित विभागों को प्रेषित की गई है जगह-जगह पानी की पाइपलाइन टूटी हुई है एवं बिजली संबंधी ट्रांसफार्मर की प्लेट आदि खराब है। ग्रामीणों में पानी और नाले को लेकर काफी गुस्सा है तथा आंगनबाड़ी भवन बनाने की भी मांग की गई तालाब से पानी की जल निकासी के संबंध में नाले का निर्माण आदि शिकायत प्राप्त हुई है जिनको संबंधित विभाग को प्रेषित कर दी गई है। आपूर्ति विभाग से नागेंद्र जी खंड विकास कार्यालय से अनुराग चौहान ग्राम प्रधान बाल

विकास से आंगनवाड़ी सुपरवाइजर एवं ग्रामीण मौके पर रहे।

लापता श्रद्धालुओं की तलाश में देर रात तक चला रेस्क्यू अभियान

चारधाम यात्रा में 3 श्रद्धालुओं की जान गई, 10 लापता, जौनसार-बावर क्षेत्र के युवाओं की कार दुर्घटना में मौत

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग/विकासनगर। उत्तराखंड के दो अलग-अलग क्षेत्रों में गुरुवार को हुए दो भीषण सड़क हादसों ने प्रदेश सहित पूरे देश को झकझोर कर रख दिया। एक ओर चारधाम यात्रा मार्ग पर रुद्रप्रयाग जनपद के घोलतीर क्षेत्र में यात्रियों से भरी मिनी बस अलकनंदा नदी में समा गई, तो दूसरी ओर देर रात कालसी-चकराता मोटर मार्ग पर युवाओं से भरी एक कार 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। दोनों घटनाओं में कुल 6 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 10 लोग अब भी लापता हैं और एक की हालत नाजुक बनी हुई है।

गुरुवार सुबह रुद्रप्रयाग के घोलतीर क्षेत्र में ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक मिनी बस (टेंपो ट्रैवलर) 250 मीटर गहरी खाई में गिरकर अलकनंदा नदी में समा गई। बस में 20 तीर्थयात्री सवार थे, जिनमें से 3 की मौत हो गई, 8 घायल हैं और 9 अब भी लापता हैं। घायलों में से 4 की हालत गंभीर होने पर उन्हें एयर एंबुलेंस से एम्स ऋषिकेश भेजा गया।

प्राथमिक जांच के अनुसार, हादसा सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर के कारण हुआ, जिससे बस अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। SDRF, NDRF, ITBP और पुलिस की टीमें रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटी हुई हैं, लेकिन अलकनंदा का बढ़ा हुआ जलस्तर बचाव कार्य में बाधा बन रहा है। दोपहर में एक महिला का शव धारी देवी के पास मिला। बस में सवार यात्री मध्य प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र के रहने वाले थे, जो बद्रीनाथ धाम की यात्रा पर निकले थे। पुलिस ने ट्रक की टक्कर और चालक की लापरवाही को हादसे का कारण मानते हुए केस दर्ज कर लिया है।

हादसे में अभी भी चल रहे 9 लोग लापता

विकासनगर से चकराता जाते समय हुई दुर्घटना, क्षेत्र में शोक की लहर

विकासनगर। बीती रात विकासनगर से चकराता की ओर जा रही एक कार कालसी-चकराता मोटर मार्ग पर चापनू गांव के पास अनियंत्रित होकर 500 मीटर गहरी खाई में जा गिरी।

कार में चार युवक सवार थे, जिनमें से तीन की मौके पर ही मौत हो गई और एक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे हायर सेंटर रेफर किया गया है। घायल युवक मंगल चौहान, निवासी मटियावा चकराता का इलाज जारी है।

मृतकों की पहचान

मुकेश राणा (21), कोटी कनासर, चकराता
प्रियांशु चौहान (22), भाऊवाला
दीपक सती (25), गढ़वाली कॉलोनी, भाऊवाला

हादसे की जानकारी सुबह ग्राम प्रहरी के माध्यम से पुलिस को मिली, जिसके बाद SDRF, पुलिस और राजस्व विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू कार्य शुरू किया।

दर्द और सवाल

एक ही दिन में हुई दो भीषण दुर्घटनाओं ने न सिर्फ दर्जनों परिवारों को शोक में डुबो दिया, बल्कि राज्य की सड़क सुरक्षा व्यवस्था और तीर्थ यात्रा के दौरान यात्रियों की सुरक्षा को लेकर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्या यात्रियों की सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं? क्या पहाड़ी रास्तों पर भारी वाहनों की गति नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त निगरानी हो रही है? उत्तराखंड में लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाएं एक बार फिर यह याद दिला रही हैं कि पर्यटन और तीर्थाटन के साथ-साथ सतर्कता और सुरक्षा को भी प्राथमिकता देना आवश्यक है।

घटना में मृतकों का विवरण

1- विशाल सोनी, निवासी राजगढ़, मध्य प्रदेश, उम्र 42 वर्ष।
2- डिंपी, निवासी ई 202 पर्वत सिलिकॉन पैलेस, आईमाता चौक सूरत, गुजरात, उम्र 17 वर्ष।
3- गौरी सोनी, निवासी वीर सावरकर मार्ग, वार्ड नं. 12 रायगढ़ तहसील सदरपुर, मध्य प्रदेश, उम्र 41 वर्ष।

घटना में लापता चल रहे यात्रियों का विवरण

1- रवि भवसार, निवासी उदयपुर, शास्त्री सर्किल, राजस्थान, उम्र 28 वर्ष।
2- मौली सोनी, निवासी एफ 601 सिलिकॉन पैलेस बाम्बे मार्केट, पूना कुभेरिया रोड गुजरात, उम्र 19 वर्ष।
3- ललित कुमार सोनी, निवासी प्रताप चौक गोगुण्डा, राजस्थान, उम्र 48 वर्ष।
4- सुशीला सोनी, निवासी शास्त्री सर्किल, उदयपुर, राजस्थान, उम्र 77 वर्ष।
5- संजय सोनी, निवासी उदयपुर, शास्त्री सर्किल राजस्थान, उम्र 55 वर्ष।
6- मयूरी, निवासी सूरत, गुजरात, उम्र 24 वर्ष।
7- चेतना सोनी, निवासी उदयपुर राजस्थान, उम्र 52 वर्ष।
8- चेष्ठा, निवासी ई 202 पर्वत सिलिकॉन पैलेस, आईमाता चौक सूरत, गुजरात, उम्र 12 वर्ष।
9- कट्टा रंजना अशोक, निवासी थाणे मीरा रोड, महाराष्ट्र, उम्र 54 वर्ष।
घटना में घायल यात्रियों का विवरण
1- दीपिका सोनी निवासी सिरोही मीना वास, राजस्थान उम्र 42 वर्ष।
2- हेमलता सोनी निवासी प्रताप चौक, गोगुण्डा, राजस्थान, उम्र 45 वर्ष।
3- ईश्वर सोनी निवासी ई 202 पर्वत सिलिकॉन पैलेस, नियर अर्चना स्कूल, गुजरात उम्र 46 वर्ष।
4- अमिता सोनी निवासी 701 702 बिल्डिंग नं. 3 मीरा रोड, महाराष्ट्र, उम्र 49 वर्ष।
5- भावना सोनी ईश्वर, निवासी ई 202 पर्वत सिलिकॉन पैलेस, नियर अर्चना स्कूल, गुजरात, उम्र 43 वर्ष।
6- भव्य सोनी निवासी ई 202 सिलिकॉन पैलेस, बाम्बे मार्केट, नियर अर्चना स्कूल, गुजरात, उम्र 7 वर्ष।
7- पार्थ सोनी निवासी वार्ड नं. 11, राजगढ़, वीर सावरकर मार्ग ग्राम रायगढ़ मध्य प्रदेश, उम्र 10 वर्ष।
8- सुमित कुमार (वाहन चालक), पुत्र नरेश कुमार, निवासी बैरागी कैम्प, हरिद्वार, उम्र 23 वर्ष।

गोपनीय रिपोर्ट से नहीं चलेगा लोकतंत्र, आज फिर होगी सुनवाई

शाह टाइम्स संवाददाता

नैनीताल। उत्तराखंड में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर आरक्षण रोस्टर विवाद पर हाईकोर्ट की निगरानी और भी सख्त हो गई है। गुरुवार को मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति आलोक मेहरा की खंडपीठ में हुई अहम सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार ने जिस समर्पित एकल आयोग की रिपोर्ट के आधार पर पंचायत चुनाव टाले, उसे अब तक सार्वजनिक नहीं किया गया है। अधिवक्ता योगेश पचौलिया ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार की रिपोर्ट को सार्वजनिक करना संवैधानिक आवश्यकता है, क्योंकि वही वह दस्तावेज है जिसकी आड़ में पंचायत चुनावों को लगातार टाला गया। इसपर कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसकी मंशा चुनाव टालने की नहीं है, लेकिन नियमों और संविधान का पालन अनिवार्य है।

■ पंचायत चुनाव आरक्षण पर हाईकोर्ट सख्त: मुख्य न्यायाधीश की पीठ ने सरकार से पूछा, समर्पित आयोग की रिपोर्ट अब तक सार्वजनिक क्यों नहीं?

सरकार ने दी सफाई

सरकार की ओर से महाधिवक्ता एसएन बाबुलकर और मुख्य स्थायी अधिवक्ता ने दलील दी कि 9 जून को नया रूल जारी किया गया था, जिसे 14 जून को गजट में प्रकाशित भी कर दिया गया। उन्होंने तर्क दिया कि पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट के बाद पुराने रोस्टर को शून्य करना ही एकमात्र विकल्प था। गुरुवार को दोपहर 1 बजे सरकार ने कोर्ट के समक्ष नया आरक्षण रोस्टर प्रस्तुत किया, जिस पर याचिकाकर्ताओं ने अध्ययन के लिए समय मांगा। इस पर कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई 27 जून (आज) दोपहर 1 बजे तय की है। आज की सुनवाई बेहद अहम मानी जा रही है, क्योंकि कोर्ट साफ कर चुका है कि वह नियम विरुद्ध चुनाव को अनुमति नहीं देगा, वहीं सरकार बार-बार चुनाव टालने के आरोपों से घिरी हुई है। वहीं, याचिकाकर्ताओं ने उत्तराखंड पंचायत राज अधिनियम, संविधान के अनुच्छेद 243डी, 243टी, और आरक्षण संबंधी सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि आरक्षण रोस्टर का पालन करना संवैधानिक बाध्यता है, जिसे सरकार नजरअंदाज नहीं कर सकती।

सीएम धामी ने रूद्रप्रयाग हादसे पर जताया शोक

देहरादून। सीएम धामी ने सोशल मीडिया पोस्ट पर रूद्रप्रयाग में हुए सड़क हादसे पर दुख व्यक्त किया। साथ ही दुर्घटना के जांच के आदेश भी दिए।

महाराज ने दुर्घटना पर जताया दुख

देहरादून। जनपद रूद्रप्रयाग, घोलतीर के समीप बद्रीनाथ हाईवे पर हुई मिनी ट्रैवलर बस के दुर्घटनाग्रस्त होने पर प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने चिंता जताते हुए हादसे में मारे गए लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त कर घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। महाराज ने कहा कि हादसे में मारे गए, घायल यात्रियों को निकालने और लापता यात्रियों की खोज के लिए एसडीआरएफ 40 किमी तक रेस्क्यू अभियान चला रही है।

कार दुर्घटना में सहकारी बैंक प्रबंधक की मौत

देर रात गोपेश्वर बैठक से लौट रहे थे सतेराखाल की ओर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुद्रप्रयाग। रुद्रप्रयाग-पोखरी मोटरमार्ग के सन बैंड के पास बुधवार रात एक कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बताया जा रहा है कि कार अनियंत्रित होकर ऊपर सड़क से 200 मीटर नीचे गिरकर नीचे सड़क में अटक गई, लेकिन कार के पहाड़ी से गिरने से परखच्चे उड़ गए। घटना में चमोली जिला सहकारी बैंक सतेराखाल शाखा के मैनेजर की दर्दनाक मौत हो गई। स्थानीय लोगों ने तत्काल घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

बीती बुधवार की देर रात्रि सवा 11 बजे के लगभग पुलिस को सूचना मिली कि सनबैंड के पास एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मनोज नेगी पुलिस बल सहित एसडीआरएफ, डीडीआरएफ की टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। रात्रि करीब दो बजे तक चले रेस्क्यू अभियान में दुर्घटनाग्रस्त हुए वाहन सख्या यूके 07 डीएच 8233 के स्वामी विवेक प्रसाद मनोड़ी पुत्र चन्द्रमणि मनोड़ी निवासी ग्राम मरोड़ा नारायणबगड़ थाना थराली जनपद चमोली हॉल बैंक मैनेजर चमोली जिला सहकारी बैंक सतेराखाल अचेत अवस्था में मिले, जिनको जिला चिकित्सालय लाये जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। वाहन स्वामी मृतक चमोली जिला सहकारी बैंक सतेराखाल शाखा में मैनेजर के पद पर तैनात थे। वहीं, घटना के बाद से मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है। वहीं हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। जिला सहकारी बैंक मैनेजर गोपेश्वर बैठक से सतेराखाल लौट रहे थे, तभी वे हादसे का शिकार हो गए।

लोकतंत्र की हत्या का काला अध्याय, प्रत्येक पीढ़ी को पढ़ने की जरूरत: भूपेंद्र

मुख्य संवाददाता शाह टाइम्स

देहरादून। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता भूपेंद्र यादव ने 25 जून को लोकतंत्र रक्षा के लिए ठीक उसी तरह मनाने का आग्रह किया जिस तरह 15 अगस्त को आजादी और 26 जनवरी को संविधान स्थापना की प्रेरणा के रूप लिया जाता है। उन्होंने विकसित भारत के लिए आर्थिक मजबूती के साथ लोकतांत्रिक मजबूती को भी अहम बताया। उन्होंने कहा कि संविधान की किताब हाथ में रखने वाली कांग्रेस ने ही आपातकाल में संविधान को ध्वस्त किया है। ये बात और है कि इसी इमरजेंसी के संघर्ष में तपकर पीएम मोदी जैसा राजनैतिक नेतृत्व देश को मिला।

राज्य के प्रमुख स्थानों पर आयोजित किया जा रहे हैं कार्यक्रम : महेंद्र भट्ट

इस दौरान पत्रकार वार्ता में प्रदेश अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट ने बताया देशभर में आपातकाल के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलब्ध में 25, 26, 27 जून को पार्टी देश भर के सभी राज्यों के सभी प्रमुख स्थानों पर जाकर विभिन्न कार्यक्रम कर रहे हैं। ताकि आपातकाल का वह काला दिवस लोगों में सदैव जागृत रहे कि लोकतंत्र को किस तरह कुचला गया। आज की पीढ़ी के संज्ञान में लाने के लिए कार्यक्रमों की यह श्रृंखला आयोजित की जा रही है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधा कि देश के लो. कतंत्र, केवल हाथ में संविधान की पुस्तक लेकर नहीं किया जा सकता है।

गुरुवार को राजधानी के हिमालय कल्चरल सेंटर में पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भूपेंद्र यादव ने कहा कि, इस देश को आजादी बहुत बड़ी संख्या में क्रांतिकारियों के बलिदान और जनता के लंबे संघर्ष से मिली है। इसलिए इस आजादी के बाद जो संविधान हमें प्राप्त हुआ उसका लक्ष्य देश में लोकतंत्र की स्थापना, भारत को गणतंत्रवादी देश के रूप में आगे बढ़ाना, स्वतंत्र न्यायपालिका के साथ चलना, देश में संसद की सर्वोच्चता को महत्व देना, फेडरल स्ट्रक्चर से संघीय राज्य संबंध को मजबूती से आगे बढ़ना। और यह सब, देश को दुनिया के सबसे प्रगतिशील उदारवादी लो. कतांत्रिक देश के रूप में आगे बढ़ाने का संकल्प है। यह जो संकल्प हमें दिया गया था, उसपर हमला करने का काम, कुठाराघात करने और इसकी हत्या करने का काम हुआ कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार द्वारा 25 जून 1975 को। इसलिए जो आजादी हमको मिली थी, उसके लोकतंत्र पर सबसे बड़ा हमला 25 जून 1975 को हुआ था। जो मार्च 1977 तक रहा, लगभग 21 महीने। इसलिए भारत की पहली आजादी तो 1947 में हुई थी ,लेकिन भारत में लोकतंत्र की एक और आजादी मार्च 1977 में 21 महीने की कैद समाप्त होने के बाद हासिल हुई थी। इसलिए 25 जून को संविधान हत्या दिवस के रूप में याद किया जाता है। बेशक यह घटना 50 साल पहले की है लेकिन देश के हर नौजवान को इसके बारे में जानना चाहिए, ताकि उसकी पुनरावृत्ति ना हो।

इस दौरान उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी का जिक्र करते हुए कहा कि, उन्होंने संघ के स्वयंसेवक के रूप में आपतकाल में ही युवाओं को संगठित करने का कार्य किया। जिस प्रकार कहा भी जाता है कि संघर्ष की ताप से ही नेतृत्व निखरता है, ठीक उसी तरह आपातकाल के विरोध, संघर्ष ने मोदी जैसे नेतृत्व को उभारने का कार्य किया है। आज पीएम मोदी देश में लोकतंत्र को आगे बढ़ाने के संकल्प को लेकर चल रहे हैं, जो आपातकाल में लोकतंत्र की रक्षा के लिए किए संघर्ष को उनके व्यक्तित्व पर पड़ी छाप का ही परिणाम है।

नशे के खिलाफ सख्त एक्शन प्लान तैयार

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने गुरुवार को सचिवालय में एनकॉर्ड (राष्ट्रीय नार्को समन्वय पोर्टल) की बैठक में प्रदेश में युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर चिंता जताते हुए व्यापक और ठोस कदम उठाने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी जिलाधिकारियों व एसएसपी को सख्त कार्रवाई के निर्देश देते हुए एसटीएफ एसएसपी नवनीत सिंह को नशा विरोधी अभियान का नोडल अधिकारी नामित किया।

उन्होंने प्रदेशभर में मेडिकल टेस्ट अभियान, शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की भागीदारी और परिजनों की सहभागिता पर बल दिया। साथ ही खाली सरकारी भवनों में नए नशा मुक्ति केंद्र खोलने के निर्देश भी दिए। निजी नशा मुक्ति केंद्रों की जांच कर मानकों का पालन न करने वालों पर कार्रवाई की बात कही।

मुख्य सचिव ने एनएसएस, एनसीसी और महिला मंगल दलों को भी नशे के खिलाफ अभियान में शामिल करने के निर्देश दिए। बैठक में प्रमुख सचिव शैलेश बगोली, एडीजी लॉ एंड ऑर्डर डॉ. वी. मुरुगेशन समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर लोकतंत्र सेनानियों का सम्मान

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र, देहरादून में आपातकाल की 50वीं वर्षगांठ पर आयोजित सम्मान समारोह में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने लोकतंत्र सेनानियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव भी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री ने नरेंद्र कुमार मित्तल, रणजीत सिंह जुयाल सहित 10 लोकतंत्र रक्षकों को सम्मान प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपातकाल भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का काला अध्याय है, जिसमें अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कुचली गई और संविधान को रौंदा गया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा के लिए जेल की काल कोठरियों को तपोभूमि बनाने वाले सेनानियों का राष्ट्र सदा ऋणी रहेगा। सीएम ने लोकनायक जयप्रकाश नारायण, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी, नानाजी देशमुख जैसे नेताओं के योगदान को याद करते हुए बताया कि उत्तराखंड के कई सपूतों ने भी इस आंदोलन में अग्रणी भूमिका निभाई, जिनमें चंद्र सिंह राठौर और गोविंद राम दींगरा प्रमुख हैं।

मुख्यमंत्री ने युवाओं से आग्रह किया कि वे आपातकाल के इतिहास को जानें ताकि लोकतंत्र की महत्ता को समझा जा सके। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए "संविधान हत्या दिवस" का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पहल आने वाली पीढ़ियों को लोकतंत्र के प्रति सजग बनाएगी। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, राज्यसभा सांसद महेंद्र भट्ट सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र सेनानियों का कल्याण राज्य सरकार की प्राथमिकता है और इस प्रकार के आयोजन नियमित रूप से होते रहेंगे।

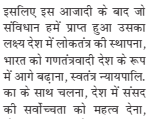

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष के निधन पर महाराज ने दुख जताया

पौड़ी। प्रदेश के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने पौड़ी के पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष कुंज बिहारी नेगी के असामायिक निधन पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि पौड़ी के पूर्व नगर पालि. का अध्यक्ष 85 वर्षीय कुंज बिहारी नेगी के असामायिक निधन की खबर सुनकर गहरा दुख हुआ। उनके निधन से समाज को एक सच्चे सेवक की कमी महसूस होगी। उनके द्वारा समाज के लिए किए गए कार्यों को हमेशा याद रखा जाएगा और उनके आदर्शों से हमें प्रेरणा मिलती रहेगी।

सीएम हेल्पलाइन में लटक रही शिकायतों पर धामी सरकार सख्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सीएम हेल्पलाइन 1905 में छह माह से अधिक समय से लंबित शिकायतों पर नाराजगी जताते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि इन मामलों के निस्तारण के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। उन्होंने कहा कि फोर्स क्लोजिंग जैसी अनावश्यक कार्रवाई से परहेज किया जाए और हेल्पलाइन को राज्य की बेस्ट प्रैक्टिस बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं।

गुरुवार को सचिवालय में सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि शिकायतों का समयबद्ध समाधान न करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई तय है। उन्होंने निर्देश दिए कि पूरे राज्य में एक दिन तहसील दिवस और एक दिन थाना दिवस आयोजित किया जाए। मुख्यमंत्री खुद किसी एक जनपद में औचक रूप से शामिल होंगे। इस अवसर पर अवस्थापना अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष विश्वास डाबर, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव आर.के. सुधांशु, डीजीपी दीपम सेठ सहित तमाम सचिव, अपर सचिव और सभी जिलाधिकारी वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

■ समयबद्ध निस्तारण न करने पर होगी कार्रवाई: मुख्यमंत्री ■ 180 दिन से ज्यादा लंबित मामलों के निस्तारण को चलेगा विशेष अभियान ■ मुख्यमंत्री ने जताई नाराजगी, अधिकारियों को चेताया

शिकायतकर्ताओं से सीधा संवाद

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने

जनता से सीधे जुड़ेंगे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलाधिकारी जनता दर्शन, तहसील दिवस और बीडीसी बैठकों को नियमित करें ताकि जन समस्याओं का तुरंत समाधान हो। उन्होंने अतिक्रमण हटाने, वेरिफिकेशन और दो-दो गांवों को आदर्श ग्राम बनाने के निर्देश भी दिए। सीएम धामी ने खराब ट्रांसफार्मर, लटकते तार और कम वोल्टेज की समस्या को लेकर बिजली विभाग को निर्देश दिए कि सभी ट्रांसफार्मरों का सेफ्टी ऑडिट शीघ्र किया जाए। दोषी अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

टीबी मुक्त जनपदों को मिलेगा सम्मान

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में सबसे पहले टीबी मुक्त होने वाले तीन जनपदों को विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से इस दिशा में तेजी से कार्य करने के निर्देश भी दिए। वहीं, शिकायत निस्तारण में बेहतर कार्य के लिए मुख्यमंत्री ने परिवहन, कृषि, समाज कल्याण, आबकारी और ऊर्जा विभाग की सराहना की, जबकि लोक निर्माण, भू-विज्ञान, राजस्व, गृह और वित्त विभाग को और तेजी लाने के निर्देश दिए।

हेल्पलाइन पर शिकायत करने वाले कुछ नागरिकों से सीधा संवाद भी किया। उत्तरकाशी के उपेन्द्र सिंह रावत की पेयजल समस्या के समाधान के लिए जिलाधिकारी को एक सप्ताह की समयसीमा दी। हरिद्वार के आलम की स्ट्रीट लाइट संबंधी शिकायत का समाधान हो चुका है।

देहरादून, चमोली और नैनीताल से आए अन्य शिकायतों का भी समाधान किया जा चुका है।

शाह टाइम्स

सम्पादकीय

शुक्रवार, 27 जून 2025

विश्वास की कमी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प व कतर के शासकों के प्रयासों से यूं तो ईरान-इजरायल के बीच जो सीजफायर हुआ, वह बदस्तूर जारी है, लेकिन जिस तरह दोनों तरफ से अभी भी शब्दों के बाण चल रहे हैं। वह यह बताने के लिए काफी हैं कि जो शांति दिखाई दे रही है वह केवल सतही है। इसमें गहराई नहीं है और दोनों देशों के बीच जो अविश्वास की खाई है, वह किसी भी तरह से भरती दिखाई नहीं दे रही है। ईरान के विदेश मंत्री सईद खातिबजादेह ने एक लेबनानी चैनल के माध्यम से कहा है कि अमेरिका ने जिस तरह ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया है, वह उसका मुआवजा वसूलेगा। इसके लिए उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज कराने की बात भी कही है। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला खामेनेई ने ईरान के लोगों को जंग जीतने की बधाई दी है और एक्स पर कहा है कि ईरान ने अपने हमलों से इजरायल को धराशाई कर दिया, उसको कुचल दिया। यह कहते हुए उन्होंने अमेरिका पर भी हमला बोला और कहा कि अमेरिका ने इजरायल का खुलकर साथ दिया और जंग के आखिर में तो वह खुलकर मैदान में आ गया क्योंकि उसे डर था कि अगर वह जंग में नहीं कूदा तो इजरायल का ईरान के हाथों खात्मा तय है। खामेनेई ने कहा है कि हालांकि अमेरिका भी कुछ नहीं कर पाया और ईरान ने अमेरिका के मुंह पर जोरदार तमाचा मारा। ईरान ने अमेरिकी एयरबेस पर हमला किया और उसे नुकसान पहुंचाया। इस तरह ईरान ने बता दिया कि मिडिल ईस्ट में अमेरिका के ठिकाने उसकी पहुंच से दूर नहीं हैं। ब्रिटिश संसद के उच्च सदन हाउस ऑफ लॉर्ड्स के कन्जर्वेटिव सदस्य रिचर्ड भी मानते हैं कि ईरान व इजरायल के बीच युद्ध विराम से सैन्य कार्रवाई में कमी आ सकती है, लेकिन इससे शांति समझौते की संभावना नहीं है। वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट सामने आई है कि जो कहती है कि सीजफायर कराना ही डोनाल्ड ट्रम्प के लिए भारी पड़ सकता है। द टेलीग्राफ की एक खबर के अनुसार सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि असली जवाब ईरान अमेरिका की सरजमीं से दे सकता है और वह भी स्लिपर सेल्स के जरिये। अखबार यहां तक कहता है कि यह बात ट्रम्प समेत पूरे सिस्टम के लिए खतरे की घंटी है। ये तमाम बातें हैं, जो यह बता रही हैं कि भले ही सीजफायर हो गया है, लेकिन अभी यह गारंटी मिलनी बाकी है कि समय के साथ इसमें मजबूती आएगी, क्योंकि कोई भी पक्ष झुकने के लिए जरा भी तैयार दिखाई नहीं दे रहा है और सबसे बड़ी बात यह है कि जिन बातों को लेकर यह युद्ध शुरू हुआ था वे मुद्दे जस के तस हैं। उनको लेकर कोई समाधान निकलता दिखाई नहीं दे रहा है। गाजा की समस्या भी जस की तस बनी है। इजरायल वहां रोज हमले कर रहा है। इजरायल ईरान के बीच सीधी भिड़ंत के दौरान ही 12 दिनों में 800 से अधिक फलस्तीनियों की जान इजरायली हमलों में चली गई है। ईरान बराबर अपने परमाणु कार्यक्रम से पीछे न हटने की बात कह रहा है। जब तक झगड़े का कारण बने मुद्दों पर बैठकर बातचीत नहीं होती तब तक मध्य पूर्व में शांति स्थापना को लेकर कुछ नहीं कहा जा सकता।

सपना बनकर रह गया घर खरीदना

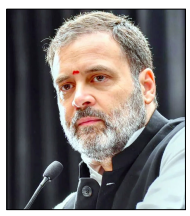

महंगाई चरम पर है और शहरी अर्थव्यवस्था में गरीब तथा मध्यम वर्ग के लोगों के लिए घर खरीदना सपना बनकर रह गया है, मुंबई में घर लेने के लिए भारत के सबसे अमीर पांच प्रतिशत लोगों को भी 109 साल तक अपनी आमदनी का 30 प्रतिशत बचाना पड़ेगा, यही हाल ज्यादातर बड़े शहरों का है, जहां आप अवसर और सफलता की तलाश में एडियां घिस देते हैं, कहां से आएगी इतनी बचत, गरीब और मध्यम वर्ग की विरासत दौलत नहीं, जिम्मेदारियां होती हैं, बच्चों की महंगी शिक्षा, महंगे इलाज की चिंता, माता-पिता की जिम्मेदारी या परिवार के लिए छोटी-सी गाड़ी, फिर भी दिलों में रहता है एक सपना एक दिन एक घर होगा अपना।

-राहुल गांधी, लोकसभा में विपक्ष के नेता

इस्लामी हिज़री के पहले महीने मोहर्रम की अज़ीम है फज़ीलत

मोहर्रम की शुरुआत पर खास पेशकश

आलमे इन्सानियत में जब भी नए साल की बात जेहन में आती है हर इंसान खुशी और जश्न के तसव्वुर में डूब जाता है, मगर मजहबे-इस्लाम एक ऐसा वाहिद मजहब है जिसका नया साल अल्लाह-तआला की इबादत, वाजिबात की अदायगी और रंज व गम के साथ इंसानी जेहन को मकसदे-जिन्दगी की फिक्र और तहफ्फुजे दीन की दावत देता हुआ शुरू होता है। मोहर्रम जहां मजहबे-इस्लाम का पहला महीना है वहीं यह इस्लाम के चार मोअतबर महीनों में से एक है। जिसमें अल्लाह तआला की तरफ से किसी भी तरह की लड़ाई पर पाबंदी है। माहे- मुहर्रम की एक खुसूसियत यह भी है कि तारीख में यह महीना हमेशा से एक अहम महीना रहा है फिर चाहे वह नुजूले-इस्लाम के पहले का दौर हो या बाद का, क्योंकि इसमें तारीख के अहम वाकिआत गुजरे हैं और इन्हीं वाकिआत की वजह से यह गौर का मौजू रहा है कि आखिर वो कौन सा वाकिआ है जिसने इस महीने को इतनी अहमियत दी।

वैसे अगर हम तारीख में इसका जवाब तलाश करें तो पाएंगे कि इस महीने में तारीख के दो अहम वाकिआत गुजरे हैं जिसमें पहला तो यह है कि इस महीने में हजरत मूसा अलै. ने फिरऔन पर फतह हासिल की थी और दूसरा वाकिआ यह है कि इस महीने में सन 61 हिजरी में पैगम्बरे इस्लाम के नवासे इमाम हुसैन (अलै.) ने दीने- इस्लाम की रूह को बचाने के लिए कर्बला के मैदान में अपने अहले बैत और असहाब के साथ अपनी अजीम कुर्बानी दी, जिसके बाद माहे - मुहर्रम इमाम हुसैन (अलै.) और करबला से ऐसा मंसूब हुआ कि मोहर्रम का जिक्र आते ही आलमे-इंसानियत के जेहन में जो पहली बात आती है वो वाकि. आ-ए-करबला है।

दूसरा सवाल जो जेहन में आता है कि आखिर क्या वजह थी जो नवासा-ए-रसूल को इतनी अजीम कुर्बानी देनी पड़ी। इस सवाल का जवाब दो तरह से दिया जा सकता है, जिसमें पहला तो यह है कि उस वक्त का खलीफा जिसका नाम यजीद इब्ने माविया था, वह एक फासिको फाजिर इंसान था और जाती तौर पर शराब खोरी का आदी था जुआ खेलने वाला, तमाम हराम कामों को करने वाला इंसान था, यहां तक कि उसने अपने दौर हुकूमत में काबे का भी एहतराम ना किया और उसमें भी आग लगवा दी थी इसके बाद मआशरे पर मजहबे- इस्लाम के हलाल की हुई चीजों को हराम और हराम की हुई चीजों को हलाल करने पर आमादा था और अपने अमल को जायज करार देने के लिए वो इमाम हुसैन से बेअत लेना चाहता था, क्योंकि वह जानता था कि अगर इन्होंने बेअत कर ली तो तमाम आलमे-इस्लाम की जबान उसके खिलाफ चुप हो जाएगी। मगर इमाम हुसैन ने बेअत करने के बजाए अपना पूरा कुनबा इस्लाम पर कुर्बान करना कुबूल किया और शहादत तक बेअत कुबूल ना की।

इसी के मद्देनजर उन्होंने यजीद इब्ने माविया के खिलाफ कयाम किया और अपने अहलेबैत और असहाब के साथ करबला के मैदान में 3 दिन की भूख और प्यास के साथ इस्लाम पर कुर्बानी पेश की। एक और सवाल जो मेरे जेहन में इस वक्त आया वह यह कि करबला की जंग हुकूमत के लिए हुई थी या जंग- इस्लाम के दिफा के लिए हुई थी। अगर हम दूसरे सवाल के जवाब पर गौर करें तो खुद बखुद समझ सकते हैं कि यह इस्लाम जंग खुदा की राह में थी। जिसमें इमाम हुसैन (अलै.) ने दीने इस्लाम की खातिर अपना भरा घर लुटा दिया।

पैगम्बरे इस्लाम ने फरमाया: 'हसनैन (हसन और हुसैन) जवानाने जन्नत के सरदार हैं यानि जन्नत में मर्दों के सरदार हैं और कुरआन कहता है कि दुनिया की मुहब्बत गुनाह है, तो अब समझने की बात यह है कि अगर कुरआन दुनियावी मुहब्बत को गुनाह समझता है और गुनहगार का जन्नत में कोई तसव्वुर नहीं तो जन्नत में मर्दों के सरदार से दुनियावी हुकूमत की ख्वाहिश कैसे मनसूब किया जा सकता है।

अब दूसरी जगह कुरआन कहता है कि अहलेबैत, खुदा तो बस यह चाहता है कि तुमको हर तरह की बुराई से दूर रखे और जो पाक व पाक. ीजा दिखने का हक है वैसा पाक व पाकीजा रखे। तो कुरआन जिस हुसैन (अलै.) (अहलेबैत) की पाकीजगी की गवाही दे रहा है उन्होंने मदीने से निकलते वक्त एक खुत्बा दिया जिसमें इमाम हुसैन (अलै.) ने फरमाया, मैं अपने नाना की उम्मत की इस्लाह के लिए कयाम कर रहा हूं, तो अब मानना पड़ेगा के कयामे हुसैन (अलै.) खालिस खुदा के लिए था। अब आखिर में एक हदीस और बयान करना चाहूंगा, जिसमें उन्होंने फरमाया कि मेरा लाल हुसैन करबला की मिट्टी पर कत्ल किया जाएगा, हर इंसान जो उस वक्त मौजूद हो तो उसको चाहिए कि हुसैन की मदद करे।

अब यह बात मुकम्मल तौर पर जाहिर है कि अगर कयामे हुसैन (अलै.) दुनिया की मुहब्बत में होता तो पैगम्बरे इस्लाम कभी हसैन (अलै.) का साथ देने के लिए न कहते, तो अब यह काफी है इस बात को समझने के लिए कयामे इमाम हुसैन खालिस रजाए परवरदिगार को हासिल करने के लिए था। यजीद हुसैन को कत्ल कर के भी हार गया और हुसैन (अलै.) अपना सब कुछ लुटा कर भी दुनिया और आखिरत में कामयाब हो गए।

ज़िया अब्बास ज़ैदी

सीनियर जर्नलिस्ट

मोबाइल नंबर 9837776610,
मेल आईडी-
ziaabbaszaidist@gmail.com

बेटियों के लिए मोह बढ़ना संतुलित समाज का आधार

भारत में भी यही स्थितियां देखने को मिल रही है। जबकि सदियों से भारत की समाज-व्यवस्था एवं परिवार-परम्परा पुत्र मोह की ग्रंथि से ग्रस्त रहा है। जिसके चलते शिशु लिंग अनुपात में असंतुलन बढ़ता गया है। देश में हुई 2016 की जनगणना में लड़कों की तुलना में लड़कियों की घटती संख्या के आंकड़े चौंकाते ही नहीं बल्कि दुखी भी करते हैं। जिस तरह से लड़के-लड़कियों का अनुपात असंतुलित हो रहा है, उससे ऐसी चिन्ता भी जताई जाने लगी है कि यही स्थिति बनी रही तो लड़कियां कहां से लाएंगे?

ललित गर्ग

दुनियाभर में माता-पिता आमतौर पर अब तक बेटियों की तुलना में बेटों को ज्यादा पसंद करते आ रहे हैं, लेकिन प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में एक सूक्ष्म, महत्वपूर्ण और बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि अब लड़के की तुलना में लड़कियों को अधिक पसंद किया जाने लगा है। ऐसा इसलिए हो सकता है, क्योंकि लड़कियों के प्रति पूर्वाग्रह कम है और संभवत: लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह ज्यादा है। नए साक्ष्य एवं अध्ययन इस बदलाव का संकेत देते हैं, जो संभवत: बढ़ते एकल परिवार परम्परा, तथाकथित आधुनिक-सुविधावादी जीवनशैली एवं कैरियर से जुड़ी प्राथमिकताओं के चलते लड़कों से जुड़े एक सूक्ष्म भय, उपेक्षा एवं उदासीनता को उजागर करते हैं। द इकोनॉमिस्ट द्वारा ताजा प्रकाशित रिपोर्टों में, लिंग प्राथमिकताओं को लेकर वैश्विक दृष्टिकोण में कुछ ऐसे ही दिलचस्प रुझान सामने आए हैं, जिसमें लड़कों के प्रति सदियों पुराना झुकाव अब कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, दुनियाभर में माता-पिता अब लड़कों की तुलना में लड़कियों को भविष्य की सुरक्षा को लेकर अधिक पसंद कर रहे हैं। विकासशील देशों में, लड़कों के प्रति पूर्वाग्रह कम हो रहा है, जबकि अमीर देशों में लड़कियों को प्राथमिकता दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, युवा पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक भूमिकाओं को लेकर विचारों में अंतर बढ़ता जा रहा है।

ग्लोबल जेंडर गैप रिपोर्ट 2025 में, भारत 148 देशों में 131वें स्थान पर है, जो पिछले वर्ष की तुलना में दो स्थान नीचे है और इसका लैंगिक समानता स्कोर 64.1 प्रतिशत है।

वर्तमान प्रगति की दर से, पूर्ण लैंगिक समानता प्राप्त करने में 134 वर्ष लगेंगे, जो दर्शाता है कि प्रगति की समग्र दर धीमी है। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि दुनिया भर में लैंगिक समानता की दिशा में प्रगति हो रही है, लेकिन अभी भी बहुत कुछ किया जाना बाकी है। भारत के लिए लैंगिक समानता की दिशा में दो पायदान की गिरावट का सबसे बड़ा कारण महिला समानता को लेकर चल रहे आन्दोलन है। भारत की बेटियां आज अंतरिक्ष से लेकर खेल के मैदान तक में बुलंदियां छू रही हैं। वे परिवार की जिम्मेदारियों को निभाने में उल्लेखनीय भूमिकाओं का निर्वाह कर रही है। सरकार द्वारा 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ', 'सुकन्या समृद्धि योजना' जैसे सराहनीय पहल के जरिए बेटियों को आगे बढ़ने के अवसर मिल रहे हैं। 21वीं सदी की चौखट पर खड़ी दुनिया में बड़े व्यापक बदलाव हो रहे हैं। इंसानी रिश्तों की अहमियत को लेकर भी नई सोच पनप रही है। अब अमेरिका, दक्षिण कोरिया, भारत और चीन में, लिंग अनुपात सामान्य या यहां तक कि बेटी की पसंद के संकेत दिखाने लगा है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस बदलाव की असल वजह क्या है? दरअसल, माता-पिता में यह धारणा बलवती होती जा रही है कि बेटियां उनकी ढलती उम्र में धीरे-धीरे अधिक विश्वसनीय देखभाल करने वाली साबित हो सकती हैं। उन्हें परिवार से गहरे तक जुड़े रहने की अधिक संभावना के रूप में देखा जाने लगा है। आज बेटियों को बेटों के मुकाबले बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शनकर्ता, परिवार सार-संभालकर्ता, माता-पिता के प्रति जिम्मेदारी निर्वाहकर्ता के रूप में देखा जाने लगा है। तेजी से कामकाजी दुनिया का हिस्सा बनने के कारण वे आर्थिक रूप से स्वावलंबी होने से अनेक पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए अधिक संवेदनशील है। ऐसा माना जाने लगा है कि बेटियां बेटों के मुकाबले में ज्यादा संवे. दनशील होती हैं और जीवन के अंतिम पड़ाव में मां-बाप को सुरक्षा कवच प्रदान कर सकती हैं। जिसके चलते लोग बेटों के मुकाबले बेटियों को अपनी प्राथमिकता बनाने को तरजीह देने लगे हैं। पश्चिमी देशों में गोद लेने और आईवीएफ के डेटा दिखाते हैं कि बेटियों को चुनने की दिशा में स्पष्ट झुकाव है। दरअसल, पश्चिमी देशों के एकल परिवारों में बेटे अपनी गृहस्थी बसाकर मां-बाप को उनके भाग्य पर छोड़ जाते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

लाइलाज बीमारी डीएमडी से जूझते देश के बच्चे

रजनीश कपूर

ड्यूशेन मस्कुलर डिस्ट्रॉफी (डीएमडी) एक ऐसी दुर्लभ और लाइलाज जेनेटिक बीमारी है, जो मुख्य रूप से लड़कों को प्रभावित करती है। यह बीमारी मांसपेशियों को धीरे-धीरे कमजोर करती है, जिससे रोगी का चलना-फिरना, सांस लेना और अंतत: जीवित रहना मुश्किल हो जाता है। भारत में हर 3500 पुरुष जन्मों में से एक बच्चा इस बीमारी का शिकार होता है। इसका इलाज इतना महंगा है कि यह सामान्य परिवारों की पहुंच से बाहर है। ऐसी ही एक मार्मिक कहानी है अमृतसर के जंडियाला गुरु निवासी हरप्रीत सिंह और उनकी पत्नी की, जो अपने 9 वर्षीय बेटे इशमीत को बचाने के लिए दिन-रात संघर्ष कर रहे हैं। इशमीत को डीएमडी है और उसके इलाज के लिए 27 करोड़ रुपये की जरूरत है, एक ऐसी राशि जो किसी सामान्य परिवार के लिए असंभव-सी प्रतीत होती है।

हरप्रीत सिंह भारतीय सेना में सैनिक हैं और उनकी पत्नी का जीवन तब तक सामान्य था, जब तक उनके इकलौते बेटे इशमीत में कुछ असामान्य लक्षण दिखाई नहीं दिए। इशमीत जब चार साल का था तब उसके माता-पिता ने देखा कि वह ठीक से चल नहीं पाता, बार-बार गिरता है और अन्य बच्चों की तरह दौड़-भाग नहीं कर पाता। शुरू में उन्होंने इसे सामान्य कमजोरी समझा, लेकिन जब लक्षण बढ़ने लगे, तो वे उसे स्थानीय डॉक्टरों के पास ले गए। कई जांचों और अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद, दिल्ली के एम्स में डॉक्टरों ने पुष्टि की कि इशमीत डीएमडी से पीड़ित है। यह खबर सुनकर हरप्रीत और उनकी पत्नी के पैरों तले जमीन खिसक गई। डीएमडी एक अनुवांशिक बीमारी है, जो डिस्ट्रोफिन जीन में उत्परिवर्तन के कारण होती है। यह जीन शरीर में डिस्ट्रोफिन प्रोटीन का निर्माण करता है, जो मांसपेशियों को मजबूत रखने के लिए जरूरी होता है। इस प्रोटीन की कमी से मांसपेशियां कमजोर होकर धीरे-धीरे नष्ट हो जाती हैं। डीएमडी से पीड़ित बच्चों की औसत आयु 11 से 21 वर्ष तक होती है और ज्यादातर मरीज किशोरावस्था के अंत तक व्हीलचेयर पर निर्भर हो जाते हैं। जब हरप्रीत को पता चला कि उनके बेटे का इलाज संभव है तो उनके चेहरे पर उम्मीद की किरण जगी। एम्स के डॉक्टरों ने बताया कि अमेरिका में एक जीन थेरेपी उपलब्ध है, जिसमें एक विशेष इंजेक्शन जोल्जेंस्मा या समकक्ष दवा के जरिए डीएमडी का इलाज किया जा सकता है। डॉक्टरों ने आश्वा. सन दिया कि यह इंजेक्शन इशमीत को पूरी तरह स्वस्थ कर सकता है, लेकिन इस उम्मीद के साथ एक ऐसी सच्चाई भी सामने आई जिसने परिवार को हताश कर दिया। इस इंजेक्शन की कीमत 27 करोड़ रुपये है।

27 करोड़ रुपये की यह राशि किसी मध्यमवर्गीय परिवार के लिए कल्पनातीत है। हरप्रीत सिंह ने अपनी सारी जमा-पूंजी, जमीन, और अन्य संसाधनों को बेचने की कोशिश की, लेकिन इससे भी इस राशि का एक छोटा सा हिस्सा ही जुट पाया। भारत में डीएमडी का कोई किफायती इलाज उपलब्ध नहीं है और स्टेरॉयड जैसी दवाएं केवल लक्षणों को कुछ समय के लिए नियंत्रित कर सकती हैं, जिनके गंभीर दुष्प्रभाव भी हैं। हरप्रीत और उनकी पत्नी ने हार नहीं मानी। उन्होंने अपने बेटे को बचाने के लिए क्राउड फंडिंग का सहारा लिया। सोशल मीडिया, स्थानीय समुदाय और विभिन्न संगठनों के माध्यम से उन्होंने लोगों से मदद की अपील की। हरिमंदिर साहिब के बाहर खड़े होकर उन्होंने गुहार लगाई, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग उनकी कहानी सुन सकें। उनकी मेहनत रंग लाई और अब तक करीब दो करोड़ रूपए जमा हो चुके हैं।

अभी भी पच्चीस करोड़ रूपए की जरूरत है और समय तेजी से बीत रहा है। डीएमडी जैसी दुर्लभ बीमा. रियों के इलाज के लिए भारत में कोई ठोस नीति या सरकारी सहायता नहीं है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने 2021 में दिल्ली हाईकोर्ट में बताया था कि देश में करीब पांच लाख लोग डीएमडी से पीड़ित हैं और प्रत्येक मरीज के इलाज पर सालाना पांच करोड़ रूपए का खर्च आता है, लेकिन बजट की कमी के कारण सरकार इस दिशा में कोई कदम नहीं उठा पा रही। हरप्रीत ने कई बार सरकार से मदद की गुहार लगाई, लेकिन उन्हें केवल आश्वा. सन ही मिले। डीएमडी के मरीजों के लिए न तो मुफ्त दवाएं उपलब्ध हैं, न ही फिजियोथेरेपी जैसी सहायक सेवाएं। ऐसे में परिवार अकेले ही इस जंग को लड़ने के लिए मजबूर हैं। डीएमडी के बारे में भारत में जागरूकता का अभाव भी एक बड़ी समस्या है।

बहुत कम लोग इस बीमारी को समझते हैं, जिसके कारण मरीजों और उनके परिवारों को सामाजिक समर्थन नहीं मिल पाता। 2023 में दिल्ली के जंतर-मंतर पर डीएमडी जागरूकता के लिए एक रैली निकाली गई थी जिसमें 21 राज्यों से करीब 500 परिवार शामिल हुए। इस रैली में माता-पिता ने सरकार से सस्ती दवाओं, शोध के लिए फंड और मुफ्त इलाज की मांग की थी। हरप्रीत जैसे परिवारों का मानना है कि अगर समाज इस बीमारी को समझे और सरकार इसमें शोध को प्रोत्साहित करे, तो शायद भविष्य में इलाज किफायती हो सके। हरप्रीत और उनकी पत्नी का संघर्ष केवल इशमीत के लिए नहीं, बल्कि उन सभी परिवारों के लिए एक मिसाल है, जो डीएमडी जैसी बीमारियों से जूझ रहे हैं।

उनकी कहानी यह सवाल उठाती है कि क्या भारत जैसे देश में, जहां स्वास्थ्य सेवाएं पहले से ही चुनौतियों से भरी हैं, दुर्लभ बीमारियों के मरीजों को जीने का हक मिलेगा? क्या समाज और सरकार मिलकर इन परिवारों के लिए कोई रास्ता निकाल सकते हैं? यह न केवल हृदयविदारक है, बल्कि यह समाज और सरकार के लिए एक आंख खोलने वाली सीख भी है। 27 करोड़ रुपये का इलाज एक असंभव लक्ष्य जरूर है, लेकिन अगर समाज एकजुट हो जाए और सरकार इस दिशा में ठोस कदम उठाए, तो इशमीत जैसे बच्चों को नया जीवन मिल सकता है। डीएमडी से जूझ रहे बच्चों के लिए जागरूकता, शोध और किफायती इलाज की जरूरत है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

न्यूक्लियर ठिकानों पर अमेरिकी हमलों की संयुक्त राष्ट्र में भरपाई मांगेगा ईरान

बंकर बस्टर बम गिराना अमेरिका को पड़ेगा भारी

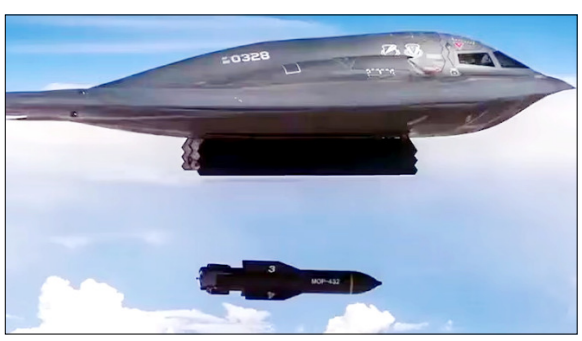

तेहरान। ईरान और इजरायल के बीच दो हफ्तों तक चली जबरदस्त जंग के बाद भले ही सीजफायर हो गया हो, लेकिन तनाव अब भी बना हुआ है। इस पूरे टकराव में अमेरिका भी इजरायल के साथ खुलकर सामने आया था और ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर बंकर बस्टर बम गिराए। अब ईरान इस हमले की कीमत वॉशिंगटन से वसूलने की तैयारी कर रहा है।

ईरान के डिप्टी विदेश मंत्री सईद खतिबजादेह ने लेबनानी चैनल अल-मयादीन से बातचीत में कहा कि तेहरान संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के खिलाफ आधिकारिक शिकायत दर्ज करेगा और न्यूक्लियर ठिकानों को हुए नुकसान की भरपाई की मांग करेगा। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची ने भी पहली बार माना है कि न्यूक्लियर ठिकानों को भारी नुकसान हुआ है। उनके मुताबिक, ये टकराव इजरायली मिसाइल हमलों से शुरू हुआ था, जिनमें ईरान के न्यूक्लियर, मिसाइल और सैन्य ठिकाने सीधे निशाने पर थे। अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गैबार्ड के मुताबिक, ईरान के तीन प्रमुख न्यूक्लियर ठिकाने नतांज, फोर्दो और इस्फहान पूरी तरह तबाह हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि अगर ईरान चाहे भी तो इन्हें दोबारा तैयार करने में सालों लग जाएंगे। इजरायल की एटॉमिक एनर्जी कमीशन ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के उस बयान का समर्थन किया है जिसमें उन्होंने कहा था कि फोर्दो ठिकाने को पूरी तरह मिटा दिया गया है। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता हुसैन केर्मनपौर के मुताबिक, संघर्ष में 627 लोगों की मौत हुई है जबकि 4870 लोग घायल हुए हैं। सबसे ज्यादा जानें राजधानी तेहरान में गई हैं। हालांकि गोलीबारी थमी है, लेकिन हालात सामान्य नहीं हुए हैं। अमेरिका और ईरान के बीच बातचीत की संभावना है, लेकिन इजरायल और ईरान के बीच दुश्मनी फिर से भड़क सकती है। ईरान जहां मुआवज़े के लिए केस की तैयारी में है, वहीं अमेरिका और इजरायल इसे अपनी जीत बता रहे हैं।

हमले की कीमत वॉशिंगटन से वसूलने की तैयारी, ईरान करने जा रहा है मुआवजे के लिए मुकदमा

श्रीनगर। डल झील पर नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध तस्करी के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर आयोजित 'शिकारा रैली' में भाग लेते शिकारा वाले।

इजरायली बसाने वालों के हमले में तीन फलस्तीनी मारे गए

रामल्लाह/यरूशलम। वेस्ट बैंक के मध्य रामल्लाह के पूर्व में काफ़र मलिक शहर पर बुधवार को इजराइली बसने वालों के हमले में तीन फलस्तीनी मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। फलस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए ने यह जानकारी दी। स्थानीय स्रोतों का हवाला देते हुए डब्ल्यूएएफए ने कहा कि दर्जनों बसने वालों ने काफ़र मलिक शहर पर हमला किया और शहर में नागरिकों के वाहनों और घरों को जला दिया, जबकि शहर और आस-पास के गांवों के निवासियों ने उनका सामना करने का प्रयास किया। डब्ल्यूएएफए ने कहा कि इजरायली बलों ने बसने वालों को सुरक्षा प्रदान की, फलस्तीनियों पर गोलियां चलाईं और एंबुलेंस को घायलों तक पहुंचने और उन्हें ले जाने से रोका। इजरायली अखबार हारेत्ज़ ने एक स्थानीय निवासी का हवाला देते हुए बताया कि यह इजरायली सेना थी जिसने तीन फलस्तीनियों को मार डाला, हालांकि बसने वालों ने हैंडगन से भी गोलियां चलाईं।

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान में बर्फ की झील के फटने की चेतावनी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने देश के उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में बढ़ते तापमान के कारण बर्फ की झील (जीएलओएफ) के फटने के खतरे को लेकर अलर्ट जारी किया है। बुधवार को जारी चेतावनी में तेजी से बढ़ते तापमान और पश्चिमी मौसम प्रणाली के प्रभाव का हवाला दिया गया है। एनडीएमए ने कहा कि प्रमुख घाटियों में ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से बर्फ की झीलों के फटने का खतरा बढ़ गया है जिससे अचानक बाढ़ आ सकती है और सड़कों और पुलों सहित बुनियादी ढांचे को नुकसान हो सकता है।

उत्तरी इराक में दो आतंकवादी को किया ढेर

बगदाद। उत्तरी इराक में एक सैन्य अभियान के दौरान इस्लामिक स्टेट (आईएस) के दो आतंकवादी मारे गए। इराकी आतंकवाद निरोधी सेवा ने बुधवार को एक बयान में कहा कि खुफिया रिपोर्टों पर कार्रवाई करते हुए आतंकवाद निरोधी बलों ने किरकुक प्रांत के बीहड़ इलाके में आतंकवादियों पर घात लगाकर हमला किया जिसमें दो आतंकवादी मारे गए। आतंकवाद निरोधी सेवा ने कहा कि वह इराक के हर कोने से आतंकवाद का मुकाबला करना जारी रखेगी। गौरतलब है कि इराक ने वर्ष 2017 में आईएस पर जीत की घोषणा की थी, लेकिन आईएस समूह शहरी क्षेत्रों, रेगिस्तान और दूरदराज के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ हमले करते रहते हैं।

मेक्सिको में संत उत्सव में गोलीबारी में दस की मौत

मेक्सिको सिटी। मध्य मेक्सिको के गुआनाजुआटो राज्य के एक शहर इरापुआटो में संरक्षक संत उत्सव में 24 जून की रात को गोलीबारी में बच्चों सहित कम से कम 10 लोग मारे गए। राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने बुधवार सुबह इसकी पुष्टि की। राष्ट्रपति ने मेक्सिको सिटी में नेशनल पैलेस में अपने दैनिक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यह वास्तव में एक झड़प थी, लेकिन दुर्भाग्य से बच्चों की मौत हो गई। शीनबाम ने कहा कि जो हुआ वह बहुत खेदजनक है। उन्होंने कहा कि घटना की जांच चल रही है और उन्होंने राज्य में चल रही हिंसा से निपटने के लिए गुआनाजुआटो के गवर्नर लीबिया डेनिस गार्सिया मुनोज़ लेडो के साथ मिलकर काम करने का वादा किया है।

इजरायल को बचाने जंग में कूदा अमेरिका: खामेनेई

सुप्रीम लीडर ने कहा: ईरान ने कतर में अमेरिकी एयरबेस पर हमला कर मुंह पर तमाचा मारा

ईरान में इजरायली हमलों में 13 जून से अब तक 627 लोगों की मौत

तेहरान। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई ने ईरान के लोगों को इजरायल के खिलाफ जंग जीतने की बधाई दी है। उन्होंने एक्स पर पोस्ट में कहा कि मैं झूठे इजरायली सरकार पर जीत के लिए बधाई देता हूं।

ईरान ने अपने हमलों से इजरायल को धराशाई कर दिया, कुचल दिया। खामेनेई ने कहा कि अमेरिका दोनों देशों के बीच खुली जंग में इसलिए कूदा क्योंकि उसे डर था कि अगर उसने दखल नहीं दिया, तो इजरायल पूरी तरह से खत्म हो जाएगा। लेकिन अमेरिका को कुछ हासिल नहीं हुआ। ईरान ने अमेरिका के चेहरे पर जोरदार तमाचा मारा। ईरान ने अमेरिकी एयरबेस पर हमला किया और उसे नुकसान पहुंचाया, जो मिडिल ईस्ट में अमेरिका के प्रमुख ठिकानों में से एक है। ईरान के पास मिडिल ईस्ट में अमेरिका के अहम ठिकानों तक पहुंच है। अगर कोई हमला हुआ, तो दुश्मन को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। इजरायल ने 13 जून को ईरान पर सबसे पहले हमला किया था। इसके बाद दोनों तरफ से जंग छिड़ गई। 12 दिनों तक चली जंग के बाद ट्रम्प ने 24 जून को सीजफायर का ऐलान किया था। ईरान में जंग से 627 और इजरायल में 28 लोगों की मौत हुई। वहीं ईरान में 13 जून से अब तक इजरायल के हवाई हमलों में कम से कम 627 लोग मारे गए हैं और 4870 अन्य घायल हुए हैं।

ब्रिक्स समिट में शामिल नहीं होंगे जिनपिंग

पीएम मोदी को स्टेट डिनर का न्योता दावा: भारत के प्रधानमंत्री को बुलाए जाने से नाराज

रियो डी जेनेरियो/बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग अगले हफ्ते ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में होने वाले ब्रिक्स समिट में भाग नहीं लेंगे। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट (एससीएमपी) ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया है कि जिनपिंग समिट के बाद स्टेट डिनर में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बुलाए जाने से नाराज हैं।

ब्राजील में 6-7 जुलाई को 17वां ब्रिक्ससमिट होने वाला है। समिट के बाद स्टेट डिनर के लिए ब्राजीलियन राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा ने पीएम नरेंद्र मोदी को बुलाया है। एससीएमपी के मुताबिक, जिनपिंग को लग रहा है कि मोदी के सामने उन्हें कम तवज्जो मिलेगी। हालांकि, चीन ने ब्रिक्ससमिट के मेजबान ब्राजील को राष्ट्रपति जिनपिंग के बिजी शेडयूल का हवाला देते हुए उनके न आने की जानकारी दी है। बैठक से करीब 10 दिन पहले चीनी राष्ट्रपति के इस फैसले से ब्राजील के नाराज होने की भी खबरें हैं। शी जिनपिंग के बतौर राष्ट्रपति 12 सालों के कार्यकाल में ऐसा पहली बार होगा, जब वे ब्रिक्ससमिट में नहीं जाएंगे। वे 2013 से हर साल समिट में शामिल हुए हैं। कोविड महामारी के दौरान, उन्होंने दो साल ब्रिक्स में वर्चुअली भाग लिया था। शी जिनपिंग और पीएम मोदी 23 अक्टूबर, 2024 को रूस के कजान में ब्रिक्स समिट में मिले थे। 2020 में गलवान झड़प के बाद दोनों नेताओं की यह पहली बाइलैटरल मीटिंग थी। जिनपिंग की जगह चीनी पीएम के ब्राजील जाने की संभावना एससीएमपी के मुताबिक, ब्रिक्स समिट में चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की जगह अब प्रधानमंत्री ली कियांग देश का प्रतिनिधित्व करेंगे। उन्होंने 2023 में भी जिनपिंग की जगह भारत में जी-20 समिट में भाग लिया था। हालांकि, चीन की तरफ से अभी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने ब्राजील के अखबार फोल्हा से कहा कि सही समय आने पर इसकी जानकारी दी जाएगी। शी जिनपिंग के समिट में भाग न लेने की रिपोर्ट्स पर ब्राजील के विदेश मंत्रालय ने कहा कि वह विदेशी प्रतिनिधिमंडलों के आंतरिक फैसलों पर टिप्पणी नहीं करेगा। मई 2025 में ब्राजीलियन राष्ट्रपति से मिले थे जिनपिंग एससीएमपी ने चीनी अधिकारियों के हवाले से बताया कि जिनपिंग पहले ही एक साल से भी कम समय में दो बार ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा से मिल चुके हैं। इसलिए उनका मानना है कि ब्रिक्स समिट में उनका जाना उतना जरूरी नहीं है। जिनपिंग नवम्बर, 2024 में दक्षिण अमेरिकी देश में जी-20 समिट और फिर मई, 2025 में बीजिंग में चीन-सेलाक फोरम में ब्राजील के राष्ट्रपति से मिले थे।

ब्राजील में 6-7 जुलाई को 17वां ब्रिक्स समिट होने वाला है, समिट के बाद ब्राजीलियन राष्ट्रपति सिल्वा ने पीएम मोदी को बुलाया है

इजरायल जैसा डिफेंस सिस्टम तैयार कर रहा ताइवान

यूक्रेन और इजरायल से सबक लेते हुए ताइवान अपनी सुरक्षा को नए सिरे से मजबूत कर रहा

ताइपे। चीन के बढ़ते खतरे के बीच ताइवान अब पूरी तरह से तैयारियों में जुट गया है। यूक्रेन और इजरायल जैसे देशों से सबक लेते हुए ताइवान अपनी सुरक्षा व्यवस्था को नए सिरे से मजबूत कर रहा है। खासकर आम जनता की सुरक्षा के लिए अब एयर रेड शेल्टर यानी हवाई हमले से बचने के ठिकाने को लेकर गाइलाइंस में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। ताइवान सरकार अगले हफ्ते नई एयर रेड शेल्टर गाइडलाइंस जारी करने वाली है।

इस गाइडलाइंस में बताया जाएगा कि अगर चीन की ओर से हमला होता है और एयर रेड सायरन बजता है, तो लोगों को कैसे और कहां शरण लेनी चाहिए। सरकारी दस्तावेजों के मुताबिक, अगर कोई व्यक्ति तय समय (लगभग तीन मिनट) में किसी शेल्टर तक नहीं पहुंच पाता है, तो उसे क्या करना चाहिए, इसकी भी साफ हिदायत दी जाएगी।

ण्जैसे कम से कम दो दीवारों के पीछे छुपना और मुंह थोड़ा खुला रखना ताकि धमाके के असर से कान और सिर को कम नुकसान हो। ताइवान के एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी ने बताया कि शहरों में बड़ी संख्या में लोग ऊंची बिल्डिंग्स में रहते हैं और तीन मिनट में शेल्टर तक पहुंचना मुश्किल होता है। इसलिए सरकार अब लोगों को घर में ही खुद को सुरक्षित रखने के तरीकों के बारे में जागरूक कर रही है। इस साल जुलाई में होने वाला हान कुआंग 41 सैन्य अभ्यास पहली बार 10 दिनों तक चलेगा। इसमें आम नागरिकों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि इमरजेंसी में जरूरी सामान कैसे बांटा जाए और कैसे शांति बनाए रखी जाए, इसकी रिहर्सल कराई जा सके। ताइवान ने देशभर में एयर डिफेंस शेल्टर्स बनाए हैं, मेट्रो स्टेशन से लेकर मॉल तक। अकेले ताइपेई में 4,600 से ज्यादा शेल्टर्स हैं, जिनमें 1।2 करोड़ लोगों के बैठने की क्षमता है, जो कि शहर की आबादी से चार गुना ज्यादा है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद ताइवान को एहसास हुआ कि अगला नंबर उसका हो सकता है। वहीं, इजरायल के 'आयरन डोम' जैसी तकनीकों और वहां के सिविल डिफेंस सिस्टम ने दुनिया को दिखाया कि आम जनता को भी युद्ध के वक्त तैयार रहना चाहिए। ताइवान का ये कदम बताता है कि अपने लोगों की जान बचाने के लिए वह किसी बड़े देश से कम नहीं।

डोनाल्ड ट्रम्प की टेंशन बढ़ा रही खुफिया रिपोर्ट

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने जैसे ही ईरान-इजरायल के बीच संघर्ष विराम की घोषणा की, वॉशिंगटन के साथ पूरी दुनिया में कुछ राहत की सांस ली गई।

अब भले ही सीजफायर हो गया हो मगर अमेरिकी खुफिया एजेंसियों की एक रिपोर्ट सामने आई है जो कहती है सीजफायर कराना ही ट्रम्प के लिए भारी पड़ सकता है। द टेलीग्राफ ब्रिटेन की एक खबर के मुताबिक सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि असली जवाब ईरान अमेरिका की सरजमीं पर दे सकता है। वो भी स्लीपर सेल्स के जरिए। और यही बात ट्रम्प समेत पूरे सिस्टम के लिए खतरे की घंटी है। ये स्लीपर सेल्स आम ज़िंदगी जीते हुए किसी भी समय एक्टिव हो सकते हैं। ये ऐसे लोग होते हैं जो दिखने में आम नागरिक लगते हैं। नौकरी करते हैं, समाज में घुल-मिल जाते हैं लेकिन असल में ये किसी विदेशी एजेंसी से जुड़े होते हैं। जैसे ही उन्हें ग्रीन सिग्नल मिलता है, वो हमला कर सकते हैं, ब्लैकमेलिंग कर सकते हैं या फिर किसी रणनीतिक टारगेट को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

अमेरिका के कोने-कोने में एक्टिव है ईरान का खतरनाक 'हथियार'

रिपोर्ट में सामने आया है कि ईरान के एजेंट अमेरिका के शहरों में छुपे बैठे हैं। ये एजेंट ईरानी या आपराधिक नेटवर्क के ज़रिए मिशन पूरा करते हैं। अतीत में कई ऐसे ऑपरेशन पकड़े गए हैं, जहां ईरानी एजेंट्स ने हत्या या अपहरण की कोशिश की।

भारत ने दिया पाक को करारा जवाब

बच्चों के खिलाफ अत्याचार और आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान का संरा में उपदेश देना घोर पाखंड

न्यूयॉर्क। भारत ने गुरुवार को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। भारत ने संयुक्त राष्ट्र की प्रक्रियाओं पर पाकिस्तान के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पाकिस्तान अपने क्षेत्र में बच्चों के अत्याचार के मुद्दे से ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहा है।

उन्होंने कहा कि बच्चों के खिलाफ अत्याचार और आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान का संयुक्त राष्ट्र में उपदेश देना घोर पाखंड है। न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र में बच्चों और सशस्त्र संघर्ष (सीएएसी) पर वार्षिक खुली बहस के दौरान भारत के स्थाई प्रतिनिधि राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि मैं पाकिस्तान के प्रतिनिधि की ओर से की गई राजनीति से प्रेरित टिप्पणियों पर खारिज करता हूं। पाकिस्तान सीएएसी एजेंडे के गंभीर उल्लंघनकर्ताओं में से एक है। पाकिस्तान संयुक्त राष्ट्र की प्रक्रियाओं पर गलत तरीके से संदेह व्यक्त कर रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान अपने नापाक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए विभिन्न चर्चाओं में भारत को बदनाम कर रहा है। ऐसा करके पाकिस्तान अपने ही देश में बच्चों के खिलाफ किए जा रहे अत्याचारों से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहा है। भारत इसे अस्वीकार करता है। इसके अलावा भारत सीमा पार से किए जा रहे बड़े पैमाने पर आतंकवाद को भी अस्वीकार कर रहा है। भारत के स्थाई प्रतिनिधि और राजदूत पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि हमारी दुनिया संघर्षों और आतंकी हमलों में एक खतरनाक वृद्धि देख रही है और बच्चे उनके सबसे ज्यादा शिकार हो रहे हैं।

ADMISSION OPEN
Session 2025-26
न्यू स्टेट नर्सिंग एण्ड पैरामेडिकल कालेज
12 किमी. स्टोन, रुड़की रोड, मुजफ्फरनगर
Affiliated by: U.P. State Medical Faculty Lucknow and recognized by the U.P. Govt.
कोर्स
• डी० पी० टी० • ऑप्टोमैट्री • ओ० टी० टैक्नीशियन
कोर्स अवधि : 2 वर्ष
योग्यता : 12वीं पास बायोलोजी/गणित
हसन नर्सिंग होम

92, उत्तरी सरवट गेट, मुजफ्फरनगर
मो0:
8899777782
9897640744

देश/विदेश से एम.बी.बी.एस करें
एडमिशन के लिए सम्पर्क करें
• रशिया
• जॉर्जिया
• कजाखस्तान
• किर्गिज़स्तान
• उज्बेकिस्तान
• बांग्लादेश
• नेपाल
• चाईना
• ईरान
• इजिप्ट
• यू.के.
• कनाडा
• यू.एस.ए.
और भी देशों से
M.B.B.S. ABROAD
Bijnor's Leading Education Consultancy
Since 2010
अन्जुम कलीम (एम.डी.) 8384872313 9457439020
M.B.B.S./M.D.
BDS, BAMS, BUMS, BEMS
Abroad Admission & Counselling For India
• Top Govt. Universities.
• MCI, WHO Approved Universities.
• Indian Hostel & Mess Available.
• Lowest Price Packages.
• Boys/Girls Hostels Are Separates Available.

अपना एम.बी.बी.एस. 25 से 27 लाख में पूरा करें जिसमें ट्यूशन फीस, हॉस्टल फीस, खाना 3 टाईम (वेज/नॉनवेज), वीजा एक्सटैंशन, इंश्योरेंस, मेडिकल, ट्रांसपोर्टेशन, लॉन्डरी, एफ.एम.जी. ई. कॉचिंग, 15 इंडियन बेस्ट फैकल्टी के द्वारा दी जा रही है 471 बच्चें जनवरी एफ.एम.जी.ई. एक्जाम में पास हुऐ (अन्य कोई खर्चा नहीं)
www.mbbsbijnor.com
ADD : MBBS ABROAD CONSULTANCY, MOIN KA CHAURAHA, CHAHSHIREEN JAMA MASJID, B-21, BIJNOR (U.P.)